हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

12 मार्च, 1985

खण्ड 1 अंक 3

अधिकृत विवरण

विशय सूची

मंगलवार, 12 मार्च, 1985

पृश्ठ संख्या

भाोक प्रस्ताव	(3)1
तारांकित प्र न एवं उत्तर	(3)5
नियम 45 के अधीन सदन के पटल पर रखे हुए तारांकित प्र न का लिखित उत्तर	(3)58

अतारांकित प्र न एवं उत्तर	(3)63
अध्यक्ष द्वारा रूलिंग–	
सदन के किसी सदस्य द्वारा किसी अन्य सदस्य को धमकी देने या धमकाने सम्बन्धी	(3)73
प्वायंट आफ आर्डर–	
उपरोक्त रूलिंग को रि–कंसीडर करने सम्बन्धी	(3)74
ध्यानाकर्शण प्रस्ताव–	
नारनौंल और महेंद्रगढ के क्षेत्रों में पीने के पानी की समस्या सम्बन्धी	(3)78
विभिन्न विशयों का उठाया जाना	(3)79
अध्यक्ष द्वारा रूलिंग–	
स्वर्गीय प्रधान मंत्री श्रीमति इन्दिरा गांधी की हत्या पर राज्यपाल के अभिभाशण के दौरान चर्चा सम्बन्धी	(3)79
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुररारम्भ)	(3)81

हरियाणा विधान सभा

मगंलवार, 12 मार्च, 1985

विधान सभा की बैठक हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1 चण्डीगढ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (सरदार तारा सिंह) ने अध्यक्षता की।

भाोक प्रस्ताव

मुख्यमंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, मुझे सदन को एक दुखद घटना बताते हुए बडा दुख हो रहा है कि सोविवत संघ के प्रेजीडेण्ट श्री कांस्तेतिन उस्तीनोविच चरनेनको का निधन हो गया है। उनके विशय में भाोक प्रस्ताव पे ा करना चाहता हूं और अगर आपकी इजाजत हो तो मैं उसे सदन में पढ लूं।

श्री अध्यक्ष: ठीक है, आप पढ लें।

चौधरी भजन लाल: यह सदन सोवियत संघ के प्रेजीडेण्ट श्री कांस्तेतिन उस्तीनोविच चरनेनको के दस मार्च, 1985 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हैं।

श्री चरनेनको का जन्म 24 सितम्बर 1911 को हुआ। उन्होंने अपना सार्वजनिक जीवन 1929 में जिला स्तर के ऐजीटें ान एंव प्रोपगेण्डा डिपार्टमैंट के अध्यक्ष के रूप में भाुरू किया। वह 1930 से 1933 तक रैड आर्मी के सदस्य रहे। 1931 में

उन्हें सोवियत संघ की कम्युनिस्ट पार्टी में भाामिल किय गया और उसके बाद कई महत्वपूर्ण पदों पर रहने के उपरान्त वह 1956 में 1960 तक कम्युनिस्ट पार्टी की सैन्ट्रल कमेटी के ऐजीटे ान एवं प्रोपगेण्डा डिपार्टमैंट के अध्यक्ष रहे। बाद में वह 1960 से 1965 तक सोवियत संघ की सुप्रीम के प्रेजीडियम सचिवालय के प्रमुख रहे। 1976 में वह सोवियत संघ की कम्युनिस्ट पार्टी की सैन्ट्रल कमेटी के सचिव बने और 1978 में पौलिस्ट ब्यूरो के पूर्ण सदस्य नियुक्त हुए।

फरवरी 1984 में वह सोवियत संघ की कम्युनिस्ट पार्टी क सैन्ट्रल कमेटी के जनरल सेक्रेटरी नियुक्त हुए और उसी वर्श वह सोवियत संघ के प्रेजीडेण्ट तथा सुप्रीम सोवियत संघ की प्रेजीडियम के चेयरमैन चुने गये। उन्हें तीन बार आर्डर आफ लेनिन और दो बार हीरा आफ सो ायलिस्ट लेबर की सर्वोच्च उपाधियों से विभूशित किया गया।

श्री चरनेनको भारत के महान मित्र के रूप में याद रहेंगे। उन्होंने दोनो दे ाों के राजनीतिक, आर्थिक तथा संास्कृतिक सहयोग को मजबूत करने के लिए ठोस पग उठाए और इस तरह भारत सोवियत मैत्री को और मजबूत किया। उनके निधन से सोवियत संघ ने एक श्रेश्ठ राजनीतिज्ञ और कम्यूनिस्ट पार्टी ने एक अग्रणी नेता, संसार ने वि व भाान्ति का एक अग्रदूत तथा भारत ने एक सच्चा मित्र खो दिया है। यद सदन सोवियत संघ की सरकार तथा जनता के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्रीमति चन्द्रावती (बाढडा): स्पीकर साहब, हमारे मित्र दे ा सोवियत संघ के प्रेजीडेण्ड कांस्तेतिन उस्तीनोविच चरनेनको का दस मार्च को निधन हुआ है। उनके निधन पर मैं अपनी तथा विरोधी दल की ओर से भाोक प्रकट करती हूं। हम अपने भाोक संदे ा को रूस की जनता तथा सोवियत संघ के प्रेजीडेण्ट के परिवार के सदस्यों तक पहुंचाना चाहते है क्योंकि हमारे मित्र दे ा के प्रेजीडेण्ट का देहान्त हुआ है। मुझे यह कहते हुए कोई संकोच नहीं होता कि रूस की जब भी हमें जरूरत पडी है उसने हमारा हमे ाा साथ दिया है। हमारी लेट प्राइम मिनिस्टर श्रीमति इंदिरा गांधी ने रूस को अपना सच्चा मित्र माना और आज भी मैं मानती हूं कि वह हमारा मित्र है। रूस ने हिन्दोस्तान की आडे वक्त में मदद की और वक्त पर काम आया। रूस के प्रेजीडेण्ट के मरने से हमें बडा गहरा दुख हुआ है इसलिए हम रूस के लोगों तक अपनी भावनायें पहुंचाना चाहते हैं। इन भाब्दों के साथ मैं दोबारा श्रद्धाजंलि अर्पित करती हूं।

डा0 भीम सिंह दहिया: स्पीकर साहब, रूस के राश्ट्रपति श्री कांस्तेतिन उस्तीनोविच चरनेनको के देहान्त के विशय में भाोक प्रस्ताव सदन में पे ा हुआ है। मैं उसके बारे में बोलना चाहता हूं। हमें उनके निधन से बडा दुख हुआ कि एक इतने बडे लीडर का देहान्त हुआ है। वे हमें सदा याद रहेंगे क्योंकि उन्होंने एक साल से कम समय में ही बहुत काम किये। वे अभी पिछले अप्रैल में ही अपने दे ा के राश्ट्रपति बने थे। इस थोडे अर्से में उनहोंने

बडे महत्वपूर्ण काम किये। उनकी पहले की जिन्दगी के जो कारनामें हैं वे भी हमे ाा याद रहेंगे। वे एक छोटे किसान परिवार से थे और बाद में अपने दे ा के एक बहादुर सिपाही भी रहे। फौज से आने के बाद उन्होंने अपनी पार्टी की नीतियों का प्रचार किया और उस समय वह एक टीचर के रूप में रहे। एक साल के दौरान में उन्होंने सुपर पावर के डायलोग को रिवाईव किया। उन्होंने सारे संसार में ऐसी मिसाल पैदा करने की कोि ा ा की कि हथियार कम से कम हों और भाान्ति का वातावरण बने। उनका यह योगदान हमे ाा याद रहेगा। उन्होंने भारत रूस मैत्री पर भी आमतौर पर जोर दिया। अपनी प्रेजीडेण्टि ाप के दौरान एक रेजोल्यू ान पास कराया कि भारत के साथ मित्रता को दृढ किया जाये। तीसरी बात उन्होंने जो की वह यह की कि दे ा को कम्प्युटर ऐजक के लिए तैयार किया। इन तीन बातों के लिये वे खासतौर पर याद रहेंगे। इन भाब्दों के साथ मैं अपनी तरफ से और पार्टी की तरफ से श्रद्धाजंलि भेंट करता हूं।

श्री राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, अभी मुख्यमंत्री जी ने जरा एक राश्ट्रपति के निधन के विशय में जो भाोक प्रस्ताव रखा है उसके समर्थन के लिए मैं खडा हुआ है। श्री चरनेनको एक ने एक साल के अन्दर इतने बडे राश्ट्र को सम्भाला ही नहीं बल्कि महान भाक्तियों के डायलोग को भी रिवाइज किया। भारत रूस का मित्र रहा है इसलिये उनका रूझान भारत के प्रति बहुत था। उनकी भारत के साथ हमदर्दी थी। भारत के सांस्कृतिक सम्बन्ध भी रूस

के साथ पहले से है इसलिए उनका सुझाव भारत के प्रति होना स्वाभाविक था। इसी झुकाव के कारण भारत के लोगों को वे याद रहेंगे। मैं अपनी और अपने दल की तरफ से भाोक प्रकट करता हूं और रूस के लोगों के प्रति अपनी हमदर्दी प्रकट करता हूं।

श्री निहाल सिंहः स्पीकर साहब, मुख्यमंत्री जी ने सोवियत संघ के प्रेजीडेण्ट के निधन के बारे में भाोक प्रस्ताव रखा है उस पर मैं अपनी तथा अपने दल की ओर से भाोक प्रकट करता हूं। स्पीकर साहब, जैसा कि आप जानते हैं कि सोि ालिस्ट कन्ट्रीज में रूस सब से आगे हैं और हमारे मित्र दे ाों में भी रूस का स्थान सबसे आगे है। इसलिये हमारे दे ावासियों और हमस ब को गहरा दुख हुआ है। मैं आ ाा करता हूं कि हमारी मैत्री आने वाले टाइम में और आगे बढेगी। इन भाब्दों के साथ मैं प्रार्थना करता हूं कि उनकी आत्मा को भाान्ति मिले।

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला): स्पीकर साहब, श्री चरनेनको के देहान्त से इस दुनिया ने एक महान भाान्ति दूत को खो दिया है। उनके चले जाने से जितने भी भाान्तिप्रिय दे ा हैं उनको बडा आघात लगा है। आज हिन्दुस्तान के 70 करोड लोग सोवियत यूनियन के लोगों के दुख में भाामिल है। सोवियत दे ा ही भारत का एक ऐसा मित्र है जो हमे ाा मुसीबत में काम आया जब हिन्दुस्तान आजाद हुआ तो पाकिस्तान ने का मीर को लेने के लिए हिन्दुस्तान पर आक्रमण किया लेकिन यह मामला सिक्योरिटी कौंसिल में चला गया। जब

हिन्दुस्तान से का मीर अमेरिकी साजि ा से कटने वाला था उस समय सोवियत यूनियन ने सिक्योरिटी कौंसिल में वोटों का इस्तेमाल करके बडा भारी मदद की। स्पीकर साहब, पंडित जवाहर लाल नेहरू ने जो इन्फ्रास्ट्रचर बनाये बेसिक इकोनोमी के लिए उसमें सोवियत यूनियन ने बडी भारी मदद की। सोवियत यूनियन ने इस्पात, कैमिकल और पैट्रोलियम की बेसिक इन्डस्टरी में हिन्दुस्तान की बडी भारी मदद की। मैं तो यह कहूंगा कि जहां आज आर्थिक तौर पर हिन्दुस्तान पहुंचा है उसमें सोवियत दे ा का बडा भारी योगदान है। इसके बाद सन 1971 में जब पाकिस्तान की भारत पर एग्रैसिव निगाहें थी और बडी भारी गिनती में बंगला दे ा के भारणार्थी हिन्दुस्तान में दाखिल होकर यहां की यकजहती को बडा भारी खतरा पैदा कर रहे थे। ऐसे समय में हिन्दुस्तान की बडी भारी मदद करके उसकी आजादी और यकजहती को बचाया। हमें इस बात में भी कामयाबी मिली कि पाकिस्तान के दो टुकडे हुए। बंगला दे ा अलग से इस दुनिया के नक ै पर आया। तो ऐसे हालात में यह बहुत ही स्वाभाविक है कि हिन्दुस्तान के लोगों को बडा भारी दुख पहुचा है। सोवियत रूस के राश्ट्रपति के देहान्त के बारे में मुख्यमंत्री जी ने जो भाोक प्रस्ताव पे ा किया है उसमें हम भाामिल होते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं यह भी कहना चाहता हूं कि पिछले दिनों हमारे युवा प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पार्टी की तरफ से तीन सदस्यीय डैलीगे ान सोवियत दे ा भेजा था जिसके नेता रफीक जकारिया थे। उस डैलीगै ान का मैं भी मैम्बर था। हमने सोवियत संघ के राश्ट्रपति श्री

चरनेनको को हिन्दुस्तान की कांग्रेस पार्टी के तौर से मिलना था लेकिन उनक सेहत ठीक नहीं थी। उनसें नही मिल सके। दूसरे वे बाहर भी गये हुए थे। हम वहां की सैन्ट्रल कमेटी के डिप्टी चीफ ब्यूरो से मिले। उन्होंने हिन्दुस्तान की आजादी के बारे में और खासतौर पर पाकिस्तान और अमेरिका क इविल डिजाइन केा बारे में और खासतौर पर पाकिस्तान और अमेरिका के इविल डिजाइन के बारे में विस्तार से अवगत कराया। इन भाब्दों के साथ मैं गहरी संवदेना व्यक्त करता हूं।

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, श्री चरनेनको के बारे में काफी कुछ कहा जा चुका है।

Shri Chernenko succeeded Shri Yuri Andropov as Communist Part General Secretary only last year and then became the President of USSR. He was an outstanding leader of the Communist Part and the Soviet State and a staunch fighter for the ideals of Communism and for peace. Shri Chernenko restarted super power dialogues, initiated concrete measure for mutually beneficial cooperation with India and began preparing for the coming age of Computers. Shri Chernenko will be remembered in India for unprecedented politburo Resolution of December, 1983 on concrete measure to consolidate cooperation and India.

आनरेबल मैम्बर्ज मैं इस हाउस की डीप सिम्पथीज को बीरीव्ड फैमिली तक पहुंचा दूंगा।

अब मैं हाउस से रिक्वैस्ट करता हूं कि खडे होकर 2 मिनटर की साइलैंस ओबजर्व करें।

(इस समय दिवंगत आत्मा के सम्मान में सदन ने खडे होकर दो मिनट का मौन धारण किया।)

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष: आनरेबल मैम्बर्ज, अब सवाल होंगे।

Damage to crops in District Bhiwani due to failure of rains etc.

***872. Shri Hira Nand Arya:** Will the Minister of State for Revenue and Home be pleased to state-

(a) whether any cultivable land in Bhiwani District could not be cultivated due to failure of rain or lack of water during the years 1982-83, 1983-84 and 1984-85; if so, the total area thereof;

(b) whether any damage was caused to any of the crops in the said district, during the said years and for the reasons, as mentioned in part(a) above; if so, details thereof;

(c) whether any compensation/assistance has been given to any of the farmers of the lands as referred to in part(a) and (b) above; if so, the details thereof; and

(d) whether there is any proposal under consideration of the Government to write-off taccavi loans of such farmers?

राजस्व राज्य मंत्री (श्री लछमन दास अरोडा):

विवरण

(क) से (घ) विवरण सदन के पटल पर रखा जाता है।

(क), (ख): किसी भी फसल में का त किया गया रकबा कई बातों पर निर्भर करता है जैसे वर्शा बिजाई के समय मिटटी में बची हुई नमी, जिन्सों की अदल बदल, सिंचाई के लिये पानी की उपलब्धि इत्यादि। यह सच है कि भिवानी जिले में रबी 1982–83 की फसल में कुल 64234 हैक्टेयर बारानी रकबा बोया गया जबकि इससे पिछले पांच सालों में ऐसे रकबे की औसत 177672 हैक्टेयर थी। इसके बाद की फसलों में बोये गये रकबे में कोई उल्लेखनीय कमी नहीं हुई।

गिरदावरी के आधार पर आंके गये खराबे के आंकडे इस प्रकार है:–

खरीफ 1982	268827 हैक्टेयर
खरीफ 1983	53347 हैक्टेयर
खरीफ 1984	93669 हैक्टेयर
खरीफ 1982–83	48843 हैक्टेयर
खरीफ 1983–84	150297 हैक्टेयर

खरीफ 1984–85	गिरदावरी अभी जारी है

(ग) 1982–83, 1983–84 और 1984–85 में भूमिकर और आबियाना की वसूली स्थागित की गई और मुआफी भी दी गई। तकावी कर्जो की वसूली स्थगित की गई। 1982–83 व 1983–84 में ओलावृश्टि से भी फसलों का नुक्सान हुआ जिसके लिये खराबे की मिकदार के आधार पर नि चत प्रति एकड दर से नकद अनुदान दिया गया।

(घ) नहीं जी।

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने यह बताया है कि यह सच है कि भिवानी जिले में गयी 1982–83 की फसल मे कुछ 64234 हैक्टेयर रकबा बोया गया जबकि इससे पिछले पांच सालों में ऐसे रकबे की औसल 177672 हैक्टेयर थी। मैं उनसे यह जानना चाहता हूं कि पिछले पांच सालों में यह रकबा जो खराबे की वजह से का त नहीं हो सका इसकी फिगर्ज तहसील वाईज और सब डिवीजन वाईज क्या है?

श्री लछमन दास अरोडाः स्पीकर साहब, जिले का टोटल कल्टीवेबल एरिया 412187 हैक्टेयर था। इसमें से 1980 में 359378, 1981 में 362831, 1982 में 361374, 1983 में 347231 तथा 1984 में 337185 हैक्टेयर रकबा खरीफ फसल में का त हुआ है। इसी तरह से रबी की फसल में जो एरिया कल्टीवेबल था वह 412187 था। जो एरिया का त हुआ है वह इस प्रकार से हैः–

खरीफ 1979	318856 हैक्टेयर
खरीफ 1980	123778 हैक्टेयर
खरीफ 1981	283396 हैक्टेयर
खरीफ 1982	361240 हैक्टेयर
खरीफ 1983	191193 हैक्टेयर
खरीफ 1984	281635 हैक्टेयर (व्यवधान एवं भाोर)

श्री अध्यक्षः क्या आपके पास सब–डिविजन वाईज या तहसील वाईज फिगर्ज है?

श्री लछमन दास अरोडाः सर इस समय तो नहीं है।

श्री हीरा नन्द आर्यः सर, मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि भिवानी जिले में वि ोश रूप से कौन सा ऐसा इलाका है जिसमें पिछले पांच सालों से यानि 1979–80 से लेकर आज तक 50 परसैंट से ज्यादा फसल खराब रही है और उसके लिये सरकार ने क्या इमदाद की है?

श्री लछमन दास अरोडाः स्पीकर साहब, भिवानी जिले में लोहरू और सिवानी का इलाका ऐसा है जिसमें फसल 50 प्रति ात से ज्यादा खराब रही है और मेरे साथी माननीय सदस्य, इस बात को अच्छी तरह से जानते हैं कि भिवानी जिले में 80 प्रति ात

जमीन की का त बारि ा पर निर्भर करती है। 1982 में बारि ा बहुत कम हुई। सितम्बर, अक्तूबर और नवम्बर में बारि ा बिल्कुल नहीं हुई है। इसकी वजह से यह सारा खराबा हुआ है। जहां तक सरकार की ओर से इमदाद का ताल्लुक है। मैं यह मानता हूं कि नकद रूप में तो कोई प्रस्ताव नहीं की गयी है लेकिन दूसरी सहूलियतें जरूर दी गयीं है जैसे कोआप्रेटिव कर्जो या वाटर टैक्स, लैन्ड, रैवेन्यू आदि की माफी की गयी है। तकावी कर्जों की वसूली को पोस्टपोन किया जाता है।

चौधरी हुकम सिंह फोगाटः स्पीकर साहब, मंत्री ने महोदय ने गिरदावरी के आधार पर यह बताया है कि 1980 में 1981 में 1982 में 1983 में तथा 1984 में इतना एरिया का त हुआ। इन्होंने अभी अभी अपने जवाब में यह भी बताया है कि आबियाना और भूमि कर की माफी भी हो गयी है और कुछ रिकवरीज स्थगित भी की गयी है। मैं इनसे यह जानना चाहूंगा कि 1982–83 में 1983–84 में तथा 1984–85 में ईयर वाईज कितना आबियाना इन्होंने माफ किया है।

मुख्यमंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, भू–कर या रैवेन्यू जो माफ किया गया है वह 1982–83 में 1038134 रूपया, 1983–84 में 780615 रूपया माफ किया गया है और जो आबियाना की माफी की गयी है वह 1982–83 में 977313 रूपये 1983–84 में 3126513 रूपये और 1984–85 में 3724 रूपये की है।

चौधरी सुरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मैं सरकार से यह जानना चाहता हूं कि क्या इस अर्से के दौरान कोआप्रेटिव डिपार्टमैंट के अफसरों को यह हिदायतें दी गयी थी कि लोन की वसूली को सस्पैन्ड कर दिया जाए। हमारी इत्तलाह के मुताबिक इस किस्म की कोई हिदायतें उनको नहीं दी गयी थी कि वे लोन की रिकवरी सस्पैन्ड कर दें। उनकी रिकवरी यों की यों चलती ररी है। बराबर लोगों को पीडित किया गया। आजकल की भिवानी में बारि ा न होने की वजह से वहां के लोगों को बहुत तंगी हो रही है। क्या सरकार फिलहाल या भविश्य में कोई ऐसी तजवीज रखती है कि रिकवरीज को सस्पैन्ड कर दिया जायै?

श्री लछमन दास अरोडाः हमारे साथी माननीय सदस्य ने यह कहा कि वहां पर वसूली होती रही है। स्पैसिफिक ईयर की जिस साल में डाउट था कोई वसूली नहीं है वह वसूली कर दी गयी थी।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मुख्यमंत्री महोदय ने यह फरमाया है कि भिवानी जिले में 1982–83, 1983–84 और 1984–85 में इतनी इतनी भू–कर की और आबियाने की माफी दी गयी है क्योंकि कृशि योग्य भूमि में खेती नहीं की जा सकी है। इसके अलावा मंत्री महोदय ने यह भी कहा था कि हमने तकावी कर्जो की वसूली स्थगित कर दी थी। इसके बारे में ट्रेजरी बैंचिज में बैठे हुए एक माननीय सदस्य ने एक नयी बात कही है जिसका मंत्री महोदय ने उचित जवाब नहीं दिया है कि भविश्य के लिये

क्या प्री—का ान किया है ताकि किसान उजडे नहीं और बरबाद न हो। मजबूर होकर उनको इनको आगे पीछे न फिरना पडे। वहां पर भूख हडताल होती है लोग नारेबाजी करते हैं और प्रर्द ान करते है। डैमोक्रेसी में यही एक तरीका महात्मा गांधी जी ने हमको सिखाया था कि जब सरकार कोई बात अनसुनी कर दे तो उसे बात सुनाने के लिये प्रद र्ान करो, धरणा दो, भूख हडताल करो। कई बार लोहारू में लोग भूख हडताल करते है। क्या पौने वजीर साहब या मुख्यमंत्री साहब इस बारे में बतायेंगे कि भविश्य के लिये उन लोगों के लिये क्या प्रबन्ध करैंगे?

श्री अध्यक्ष: डा0 साहब, मुझे आप एक बात बता दीजिए कि कौन से रूल्ज आफ प्रोसीजर के अन्दर लिखा है कि किसी मिनिस्टर को आधा, पौना या सवाया कहा जा सकता है।?

श्री मंगल सैन: स्पीकर साहब, आप यह बता दीजिए कि स्टेट मिनिस्टर का स्टेटस क्या होता है।

श्री अध्यक्ष: यह बात कहना गुड टैस्ट में नहीं है। कि किसी मिनिस्टर को पौना, आधा वा सवाया मिनिस्टर कहा जाए। अगर यहां पर पहाडे भाुरू हो जाए तो यह अच्छी बात नहीं है। This is not in good taste. आप मिनिस्टर आफ स्टेट फार रैवेन्यू भी तो कह सकते थे। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री मंगल सैन: बहुत अच्छा जी।

श्री लछमन दास अरोडा: स्पीकर साहब जहां तक इनके सवाल का ताल्लुक है उसका कोई जवाब नहीं है। सरकार अपनी तरफ से पूरा प्रयत्न करती है कि किसानों को पूरी सहूलियतें दी जाए।

श्री हीरा नन्द आर्य: मुख्यमंत्री जी ने स्वयं स्वीकार किया है कि भिवानी जिले के लोहारू और सिवानी सब डिविजन में पिछले पांच साल से पचास प्रति ात से भी अधिक फसलों को नुकसान हुआ है। उन्होंने यह भी बताया है कि कोआप्रेटिव बैकस के लोन की रिकवरी जारी है। स्पीकर साहब, जिस किसान की पांच साल से फसल खराब हो रही हो आप जानते हैं कि उनका क्या हाल होगा और अगर उनसे कर्जे की वसूली भी जारी रखी जाए तो उनकी हालत और भी खराब हो जाएगी। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि खेतिहर मजदूर और किसान की हालत ठीक हो सके और वे गुजारा कर सकें इसके लिए सरकार क्या कदम उठा रही है।

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, यह ठीक बात है कि स्टेट में कई जगह कहत पडता है और जब कहत पडता है तो उस इलाके के लोगों की सरकार मदद करती है। जहां कहीं भी समय समय पर बाढ आती है कहत पडता है या किसी और तरह से फसलों का नुकसान होता है तो सरकार किसान की सहायता करती है। मैं भिवानी जिले के बारे में खासतौर पर बताना चाहता हूं कि तकरीबन साढे पांच करोड रूपए जब लोगों से फसल का

नुकसान हुआ था तब बांटे थे। स्पीकर साहब, यहां पर जिन लोगों ने कोआप्रेटिव लोन ले रखे है उसकी वसूली का जिक आया। हम भाोर्ट टर्म लोन की मीडियम लोन में कन्वर्ट करते हैं और मीडियम टर्म लोन को लौंग टर्म लोन में तबदील करते हैं ताकि किसानों को राहत मिल सके। हम किसानों को तकावी देते हैं चारे की सहायता करते हैं। इसके साथ ही साथ खाद पर सबसिडी देते हैं बीज पर सबसिडी देते हैं। जितनी भी मदद सरकार कर सकती है उतनी मदद करती है। जहां पर सूखा पड जाता है वहां अगर किसानों पर लोन होता है तो उसको मुलतवी कर देते हैं और जब तक नई फसल नहीं आती तब तक उस लोन की वसूली नहीं होती।

Treating Shiksha Shastri degree as equivalent to B.Ed degree

***877. Smt. Basanti Devi:** Will the Minister of state for Education be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to treat Shiksha Shastri Degree as equivalent to B.Ed Degree in the State?

Minister of state for Education: Shiksha Shastri Degree of Rashtriya Sanskrit Sangthan Delhi is treated as equivalent to B.Ed Degree in the State.

श्रीमति बसंती देवी: क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि हरियाणा से जो ि ाक्षा भाास्त्री डिग्री प्राप्त करते हैं उनको बीएड के बराबर कयों नहीं माना जाता और जो दिल्ली से

ि ाक्षा भाास्त्री डिग्री प्राप्त करते हैं सिर्फ उन्हीं को ही बीएड के बराबर क्यों माना जाता है? दूसरा सवाल मेरा यह है कि यह डिग्री कब से रिकोगनाइज की है?

श्री जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, यह सैन्ट्रल गवर्नमैंट की संस्थान है और उनकी हिदायत के मुताबिक इस डिग्री को रिकोगनाईज किया गया है। यह डिग्री 1974 में रिकोगनाईज की गई है। स्पीकर साहब, हरियाणा की भाास्त्री ि ाक्षा प्रणाली और बीएड डिग्री अलग अलग है। भाास्त्री को बीए के बराबर मानते हैं और ि ाक्षा प्रणाली को बीएड के बराबर मानते है।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि हरियाणा में कोई इंस्टीच्यू ान या गुरूकुल है जहां पर भाास्त्री या ि ाक्षा प्रणाली की पढाई का प्रंबध हो और अगर है तो कहां कहां पर है?

श्री जगदी ा नेहराः हरियाणा में ऐसा कोई प्रबन्ध नहीं है।

श्री निहाल सिंहः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि हरियाणा की बीएड, जेबीटी और ओटी को दूसरी स्टेटस में मान्यता प्राप्त है? क्या सरकार ने ऐसा कोई समझौता किया हुआ है कि हम उनकी डिग्रीज को मानें और वे हमारी डिग्रीज को मानें?

श्री जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, जो सरकार हरियाणा की जेबीटी या दूसरी डिग्रीज की मान्यता देती है हम भी उनकी डिग्रीज को मान्यता देते हैं। जो हमारी डिग्रीज को मान्यता नहीं देते हम उनकी डिग्रीज को मान्यता नहीं देते। पहले पंजाब के साथ हमारा समझौता था लेकिन 1981 में उन्होंने हमारी बीएड और जेबीटी को मान्यता नहीं दी इसलिए हमने भी नहीं दी। अब सिर्फ दिल्ली के साथ समझौता है।

श्री ए0सी0 चौधरीः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि हरियाणा में किसी इंस्टीच्यू ान ने यह डिमान्ड की है कि उसकी इस डिग्री को रिकोगनाइज किया जाए? स्पीकर साहब, हम पिछले दिनों गदपुरी (गुरूकुल) गए थे। वहां पर उनकी यह मांग थी कि वे भाास्त्री और ि ाक्षा प्रणाली की पढाई करवा रहे हैं इसलिए इसको प्रोपर्ली गवर्नमैंट की रिकोगनी ान चाहिए। अगर अब तक सरकार के सामने ऐसी कोई डिमान्ड नहीं आई है तो क्या मंत्री महोदय गुरूकुल गदपुरी की डिमान्ड को कंसीडर करेंगें।

श्री जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, अभी तक इस प्रकार की कोई डिमान्उ सरकार के पास नहीं आई। अगर इस तरह की डिमान्ड आएगी तो उसको कंसीडर कर लिया जाएगा।

श्री हीरा नन्द आर्यः अभी मंत्री महोदय ने बताया है कि कुछ प्रान्तों में हमारी डिग्री को मान्यता नहीं दी जाती और उन प्रान्तों की डिग्री को हम मान्यता नहीं देते। अध्यक्ष महोदय, कुछ

ऐसे अध्यापक है जिन्होंने उस समय डिग्रीयां ले ली जब वे रिकोगनाइज्ड थी लेकिन आज उनको मान्यता प्राप्त नहीं है और वे लोग सर्विस में भी है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि उन लोगों का क्या करेंगे?

श्री जगदी I नेहराः अध्यक्ष महोदय, ऐसे केसिज है जिनको 15 जुलाई 1982 तक इक्विवेलैंट सर्टिफिकेट दे दिए थे और कुछेक ऐसे केसिज है जिनको कंसीडर किया जा रहा है कि इनको इक्विवेलैंट सर्टिफिकेट दिए जाएं या नहीं दिए जाएं।

डा0 भीम सिंह दहियाः स्पीकर साहब, मेरी जानकारी यह है कि डिग्री की इक्विवेलैंटस का फैसला यूनिवर्सिटी करती है न कि सरकार करती है। वि वविद्यालय इस बात का फैंसला करता है कि हमारी यह डिग्री दूसरी यूनिवर्सिटी की इस डिग्री के बराबर है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि किसी डिग्री को सरकार मान्यता देती है या वि वविद्यालय मान्यता देता है।

श्री जगदी I नेहराः अध्यक्ष महोदय, 1974 में ि ाक्षा भाास्त्री की डिग्री को बीएड के बराबर मान्यता सरकार ने दी थी।

श्री मंगल सैनः मंत्री महोदय ने अभी बताया है कि अगर कोई प्रान्त हमारी जेबीटी ओटी और बीएड को मान्यता देता है तो हम भी उस प्रान्त की डिग्री को मान्यता देते हैं यानि रैसीप्रोकल बेसिज पर काम चलता है। मंत्री महोदय ने कैटेगौरिकली यह भी

बताया कि पंजाब ने 1981 में हमारी डिग्री को डीरिकोगनाइज कर दिया इसलिए हमने भी उनकी डिग्री को डीरिकोगनाइज कर दिया। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपाकरेंगे कि किस किस प्रान्त ने हमारी डिग्री को रिकोगनाइज कर रखा है और किस किस ने नहीं कर रखा है?

10.00 बजे

श्री जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, यह जो रैसीप्रोकल बेस था, यह काफी सालों से चलता रहा लेकिन जब यहां पर अनइम्पलायमैंट होने लगी तो ि ाक्षा विभाग ने हरेक को चिटठी लिखी की यह तो हमारी डिग्री को मान्यता दो वरना हम आपकी डिग्रीयां को डी–रिकोगनाइज कर देंगे। कई स्टेटस की तरफ से कोई जवाब नहीं आया और कई स्टेटस से जो जवाब आया भी है वे नेगटिव आया जिन की तरफ से नैगटिव में जवाब आया जैसा कि पंजाब राज्य है उनकी डिग्रीयां को हमने डी–रिकोगनाइज कर दिया और उनके आदमियों को हटा दिया। अभी और कई सूबों से जवाब नहीं आया। (विघ्न) राजस्थान हमारी बीएड डिग्री को नहीं मानता तो हम फिर क्यों उनको बराबरी का दर्जा दें?

श्री भले रामः अध्यक्ष महोदय, स्कूलों में कुछ ऐसे अध्यापक है जोकि जेबीटी है और उन्होंने या तो सर्विस में रहते या पहले बीएड कर रखी है लेकिन उनको तनखाह केवल जेबीटी

की ही मिल रही है। मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि ऐसे लोगों को बीएड का ग्रेड क्यों नहीं दिया जा रहा है?

श्री जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, इस बारे में ि ाक्षा विभाग के कुछ नियम है। जिन्होंने जेबीटी पर लगने के बाद बीएड की है उनको तो बीएड का ग्रेड मिलेगा लेकिन जिन्होंने बीएड पहले कर रखी है और लगे हो जेबीटी उनको हम बीएड का ग्रेड नहीं देते।

श्रीमति बसन्ती देवीः अध्यक्ष महोदय, मेरे पास एक पत्र है जोकि ि ाक्षा विभाग हरियाणा से संबंधित है। दिनांक 2.9.74 का यह लैटर है उसके तहत पहले वो मान्यता दे दी गयी लेकिन बाद में फिर रदद कर दी गई इसके क्या कारण दें?

श्री अध्यक्षः बहिन जी, इस बारे में तो आप इनसे मिल कर पूछ लें।

चौधरी सुरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने सरकार के फैसले के बारे में अभी सदन में बताया कि सरकार ने तो उस डिग्री को मान्यता दे दी थी मैं इनसे यह जानना चाहता हूं कि वि वविद्यालय में अगर कोई वेकेन्सी हो और वि वविद्यालय अथारिटीज उस डिग्री को मान्यता देने से इन्कार कर दे तो फिर सरकार क्या कार्यवाही करेगी? मैं मंत्री महोदय से यह भी जानना चाहता हूं कि क्या सरकार ऐसे मामलों में

वि वविद्यालय से तालमेल करेगी ताकि ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो?

श्री जगदी ा नेहरा: अध्यक्ष महोदय, अगर ऐसा कोई स्पेसिफिक केस हमारे सामने आयेगा या कोई ऐसी स्टेज आयगी तो उसके लिये सरकार अव य ही वि वविद्यालय से तालमेल करेगी और ऐसे केसिज में बातचीत भी की जा सकती है।

Demonstration held outside the Office of Superintending Engineer, Electricity, Faridabad Township

***905. Shri Mangal Sein:** Will the Minister of state for Revenue and Home be pleased to state-

(a) whether any demonstration was held in August, 1984, outside the office of SE, HSEB, Faridabad Township; if so, the names of the persons or the party who held the said demonstration togetherwith the demand thereof;

(b) whether the police resorted to lathi charge on the demonstrators referred to in part(a) above; if so, whether any person died as a result thereof; and

(c) if reply to part (b) is in the affirmative whether any action has been taken against any person held responsible for the said death; if so, details thereof?

मुख्यमंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) अगस्त 1984 में अधीक्षक अभियन्ता, हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड फरीदाबाद टाउनि ाप के कार्यालय के बाहर कोई प्रद र्न नहीं किया गया। अपितु दिनांक 10.9.84 को लगभग 125/150 प्रद र्नकारियों ने श्री मंगल सैन विधायक तथा भारतीय जनता पार्टी के अन्य स्थानीय नेताओं के नेतृत्व में जहां अधीक्षक अभियन्ता हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड कालोनी, सैक्टर 22 फरीदाबाद जहां अधीक्षक अभियन्ता हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड (परिचालन) का कार्यालय स्थित है पर धरना दिया था। मांगें फरीदाबाद में बिजली की सप्लाई से संबंधित थी।

(ख) नहीं। अपितु यह आरोप लगाया गया है कि एक व्यक्ति मनोहर लाल भार्मा की प्रद र्न के दौरान मृत्यु हो गई थी।

(ग) श्री मनोहर लाल भार्मा की मृत्यु के आरोपों के बारे में गृह सचिव, हरियाणा द्वारा उच्च जांच की जा रही है। तथा उसकी रिपोर्ट आने पर आगे कार्यवाही की जाएगी।

श्री मंगल सैनः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि कोई व्यक्ति अगर पुलिस की गोली या लाठी लगने से मारा जाता है तो उस व्यक्ति को कम्पन्से ान देने के बारे में सरकार की क्या नीति है?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, डाक्टरी मुआयने से यह जाहिर है कि मनोहर लाल भार्मा की मौत पुलिस की लाठी या गोली लगने से नहीं हुई है।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, आपके सामने ही रूल्ज की वायले ान की जा रही है। स्पीकर साहब, सब जानते हैं कि जब एक मामला सबजुडिस हो, इंक्वायरी चल रही हो तो उसकी जजमैंट ये कैसे दे सकते है? पूछा तो केवल यह गया था कि अगर कोई आदमी पुलिस की गोली या लाठी लगने से मारा जाता है तो उसे कम्पन्से ान देने के बारे में सरकार की क्या नीति है?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यह देखना पडता है कि आया आदमी पुलिस की गोली से मरा था किन हालात में मरा। अग कोई आदमी चोरी करके भाग रहा है अगर उग्रवादी भाग रहा हो और पुलिस पडकने के लिये उसका पीछा कर रही हो और वह पुलिस के उपर गोली चलाता है और पुलिस उसके जवाब में गोली चलाती है उस गोली से अगर वह मारा जाता है और पुलिस उसके जवाब में गोली चलाती है उस गोली से अगर वह मारा जाता है तो उसे मुआवजा किस बात का मिलना चाहिए। लेकिन हमदर्दी के तौर पर अगर किसी के साथ ज्यादती हुई हो, अनभूले में किसी और को गोली लग जाए, मरना कोई और था गलती से दूसरा मर जाए तो ऐसे केसिज पर सहानुभूतिपूर्वक विचार हो सकता है। इस मामले में जांच गृहसचिव के लैवल पर हो रही है जांच रिपोर्ट जब आयेगी तो देखा जाएगा जिसका दोश

होगा, उसके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। जहां तक रूल्ज के वायले ान की बात का ताल्लुक है डाक्टरी रिपोर्ट की बात मैंने बतायी है कि उस रिपोर्ट के मुताबिक उसकी मौत पुलिस की गोली या लाठी से नहीं हुई है।

श्रीमति चन्द्रावतीः अध्यक्ष महोदय, अभी मुख्यमंत्री महोदय ने कहा, ऐडमिट किया कि अगर पुलिस से अनभूले में किसी और को गोली लग जाए, मरना कोई और हो लेकिन गलती से दूसरा मर जाए तो ऐसे केसिज पर मुआवजा के लिये विचार किया जा सकता है। मैं यह जानना चाहती हूं कि क्या पुलिस का आखिर यही काम रह गया है कि लोगों को मारे?

श्री अध्यक्षः ऐसी बात नहीं है।

श्री मंगल सैनः मेरा कहने का मतलब, स्पीकर साहब, यह था कि जो इस हाउस के सैट प्रिसिंपल्ज है सेलिएन्ट रूलिंगज है कि अगर एक मामला अन्डर इन्कवायरी हो या कोर्ट में पैंडिग हो उस पर कोई बात नहीं कही जा सकती। फिर मुख्यमंत्री महोदय यह बात कैसे कह रहे है।

श्री अध्यक्षः डा0 साहब, इन्होंने यह कहा कि मैडीकल रिपोर्ट में ऐसा नही है।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मैं तो केवल यह जानना चाहता हूं कि सुरेन्द्र सिंह दलाल जोकि कालेज के कम्पाउन्ड में

मारा गया है वह किसकी गोली से मारा गया और वह मुआवजे की किस केटेगरी में आता है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः यह सवाल इस समय नहीं आ सकता। इससे इसकी कोई रैलेवेन्सी नहीं है।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, रैलेवेन्सी इसलिये है कि इन्होंने सरकार की एक पालिसी की बात की है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, श्री मनोहर लाल भार्मा की जो हत्या हुई है या जो कुछ भी हुआ है उसके संबंध में क्या मुख्यमंत्री जी बताएंगे कि जो डिमांस्ट्रे ान फरीदाबाद में हुई थी आया उस को डा0 मंगल सैन जी ने लीड किया था या नहीं, आया वे वहां पर हाजिर थे या नहीं और मनोहर लाल भार्मा की मौत डिमांस्ट्रे ान के कितनी देर के बाद हुई?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, जैसा कि मैने पहले बताया 125–130 आदमी वहां पर थे। उनमें श्री मंगल सैन जी हो भी सकते हैं और नहीं भी हो सकते है नाम तो किसी ने लिखे नहीं है। सारी बातें जांच रिपोर्ट में आएगी। इन सारी बातों का उसमें जिकर आयेगा। उस रिपोर्ट से ही पता चलेगा उसकी मौत किन हालात में और कैसे हुई है?

चौधरी बलबीर सिंह ग्रेवालः अध्यक्ष महोदय, मनोहर लाल भार्मा की जो मौत हुई है उसकी चीफ मिनिस्टर साहब जुडीि ायल इंक्वायरी क्यों नहीं करवा रहे हैं आया इसमें कोई

टैक्नीकल हिच है या कोई लीगल प्रोबलम है क्या समस्या है? जरा इस बात को कलीयर कर दें?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, होम सेक्रेटरी साहब इस केस की जांच कर रहे हैं और डा0 मंगल सैन जी ने होम सेक्रेटरी साहब से इस की इंक्वायरी करवाने के लिये खुद माना है कि उनकी रिपोर्ट हमें मान्य होगी।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मैम्बर साहब ने पूछा था कि ऐग्जैक्टिव की बजाए आप जुडि ियल इंक्वायरी क्यों नही करवाते लेकिन मुख्यमंत्री जी ने इसका जवाब न देकर मेरा नाम ले दिया कि मैनें खुद माना था कि हो सेक्रेटरी से इंक्वायरी करवा दो। स्पीकर साहब, रिकार्ड स्ट्रेट होना चाहिए। इन्होंने मेरे को कहा था कि इसकी जुडीि ियल इंक्वायरी नहीं हो सकती। आपको जिस अफसर पर भरोसा है उससे करवा देते हैं। इन्होंने चीफ सेक्रेटरी और होम सेक्रेटरी का नाम लिया तो मैंने कहा था कि होम सेक्रेटरी से करवा दो।

श्री हरि चन्द हुडडाः स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा चीफ मिनिस्टर साहब से जानना चाहता हूं कि जो स्पैसिफिक सवाल आया है इसमें इन्टैन् ान यह है कि अगर कोई भी आदमी डिमांड के लिए डिमौंस्ट्रै ान करता हुआ मर जाए तो उस हालत में सरकार उसको क्या मुआवजा देती है। ऐसे केसिज में पहले

क्या मुआवजा दिया गया है और आगे के लिए सुरेन्द्र सिंह दलाल या मनोहर लाल जैसो की इन्क्वायरी के बाद उस मुआवजा देगी?

श्री अध्यक्षः यह बात पहले आ चुकी है।

श्री देवी दासः क्या मंत्री जी बताएंगे कि मनोहर लाल भार्मा प्रद र्ान के कितने समय बाद मरा? दूसरे दिन मरा या कब मरा?

श्री अध्यक्षः इसका भी जवाब आ चुका है।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मुख्यमंत्री जी ने माना है कि प्रद र्ानकारी वहां पर बिजली की गलत सप्लाई के कारण गए थे। इस बारे में पोस्टर भी छापे गए थे। क्या मुख्यमंत्री जी बताएंगे कि क्या यह बात सही है कि एसई उस समय दफतर में मौजूद नहीं था। अगर यह बात सही है तो क्या इन्होंने उसके खिलाफ कोई ऐक ान काल अपौन किया कि वे वहां हाजिर क्यों नहीं थे?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, ये सारी बातें इंक्वायरी में आएगी लेकिन कोई अफसर जो जिले का हैड है या किसी सर्कल का हैड है उसको 24 घंटे दफतर बैठना जरूरी नहीं है। उसको और कामों के लिए बाहर भी जाना पडता है (विघ्न) अगर आप लाठी लेकर वहां पहुच जाएं तो क्या वह वहां बैठेगा? यह सारी बातें इंक्वायरी में आएगी तब पता लग जाएगा।

Government aid to Privatcly Managed Colleges and Schools

***910. Chaudhri Kundan Lal:** Will the Minister of state for Education be pleased to state-

(a) the amount of aid payable and actually paid to the Government aided private schools and colleges in the State during the years 1983-84 and 1984-85;

(b) whether the Government is aware of the fact that private school and college teachers are not paid their salaries regularly; and

(c) if so, the steps, if any, taken or proposed to be taken to ensure regular payment of salaries to the said schools/college teachers?

ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्री जगदी ा नेहरा):

(क) वर्श 1983–84 व 1984–85 में अराजकीय महाविद्यालयों/ विद्यालयों को जो अनुदान देय था कि वास्तविक रूप में दिया गया था उसका बयौरा निम्नलिखित है:–

वर्श	महाविद्यालय		विद्यालय	
	देय अनुदान	दिया गया अनुदान	देय अनुदान	दिया गया अनुदान

1983–84	40358817.00	35000000.00	46275577.00	43275577.00
भोश रा ि ा मई 1984 में दी गई				
1984–85	548641183.00	31884691.00	29632322.00	18434520.00

(ख) जी हां, केवल कुछ अराजकीय महाविद्यालय के संबंध में। प्रायः विद्यालयों में वेतन नियमित रूप से दिया जाता है।

(ग) अराजकीय महाविद्यालयों के अमले को नियमित रूप से वेतन की अदायगी करने का मामला सरकार के सक्रिय रूप में विचाराधीन है।

चौधरी कुन्दन सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि जो प्राइवेट कालेजिज और स्कूल्ज हैं उनमें टीचरों को पूरी तरखाह नहीं दी जाती बल्कि दस्तखत पूरी तनखाह पर करवाए जातें हैं क्यों नही उनको खजाने के जरिए तनखाह दी जाती?

श्री अध्यक्षः इस बात पर विचार चल रहा है।

श्री जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने कहा कि तनखाह पर दस्खत तो पूरी पर करवा लिये जाते है लेकिन वास्तव में पूरी तनखाह नहीं दी जाती। ऐसा केस अब तक

हमारी निगाह में नहीं आया है अगर इनकी निगाह में कोई ऐसा मामला है तो बताएं हम इंक्वायरी करवा लेगें। जहां तक यह सवाल है कि उनको तनखाह ट्रेजरी की मार्फत दी जाए इस बारे में जवाब के पार्ट सी में दिया गया है कि मामला विचाराधीन है।

श्रीमति चन्द्रावतीः क्या मंत्री जी ने कभी इस बात के लिए पूछा है कि टीचरों को तनखाह पूरी क्यों नहीं दी जाती? क्या सरकार ने कोई पौजेटिव कदम उठाया है ताकि उनको पूरी तरखाह मिल सके?

श्री जगदी ा नेहराः कालेजों में करीब करीब हर जगह पूरी तरखाह दी जाती है लेकिन कई बार ऐसा कारण हो जाता है कि या तो मैनेजमैंट का आपस में झगडा हो जाता है या स्टाफ का झगडा हो जाता है या क्लेम डिपाटमैंट को ठीक समय पर नहीं दिए जाते। इन कारणों से डिले होती है। सरकार की तरफ से कोई डिले नहीं होती उनके आपस के मामलों की वजह से डिले होती है।

चौधरी धीर पाल सिंहः स्पीकर साहब, इन्होंने जवाब के ख भाग में कहा है कि कुछ अराजकीय महाविद्यालयों के सम्बन्ध में प्रायः विद्यालयों में वेतन नियमित रूप से दिया जाता है। मैं जानना चाहता हूं कि वे कुछ कौन कौन से महाविद्यालय हैं। इसके अलावा जो जवाब के ग पार्ट में लिखा है कि मामला विचाराधीन है

यह कब से विचाराधीन है और कब तक फैसला देने का कश्ट करेंगे?

श्री जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, कई कालेजिज ऐसे है जहां मैनेजमैंट का काफी झगडा रहा और उनको टेक ओवर भी किया गया। ऐसे कालेजों की लिस्ट इस प्रकार है—सीआर कालेज जींद अप्रैल 1982 में टेक ओवर किया गया था। इनके खिलाफ नौन पैमेंट आफ सैलरी और मिस मैनेजमैंट का केस था। गोड ब्राहमण कालेज रोहतक को भी टेक ओवर किय गया था, रूरल कालेज आफ एजुके ान, कैथल को भी टेक ओवर किया गया था। इनके अलावा और भी कई कालेज टेक ओवर किए गए थे जिनमें पैमेंट वगैरह का झगडा था।

श्री फतेह चन्द विजः स्पीकर साहब, ट्रेजरी के जरिए पेमैंट करने का मामला 3—4 साल से हाउस में आ रहा है। क्या मंत्री जी कैटेगरीकली बताएंगे कि इसका फैसला कब तक कर लेंगे?

श्री अध्यक्षः विज साहब, आपके पानीपत में भी इस के मुताबिक मीटिंग हुई है बल्कि प्राइवेट कालेज वाले कहते हैं कि यह विपता हमारे गले क्यों डाल रहे हो?

डा0 भीम सिंह दहियाः स्पीकर साहब, मेरा भी सवाल लगभग वही है जो विज साहब पूछ रहे थे। मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि यूपी, बिहार, आंध्रप्रदे ा, कर्नाटक, गुजरात,

महाराश्ट्र और पि चम बंगाल के प्रांतों में प्राइवेट टीचर्ज को ट्रेजरी के थ्रू तनखाह मिल रही है लेकिन हम तीन साल से बराबर सुनते आ रहे हैं कि यह मामला विचाराधीन है। मैं जानना चाहता हूं कि इसमें क्या आपत्ति है क्यों इतनी देर से विचार कर रहा हूं? क्या इस बारे में कोई कमेटी विचार कर रही है या सरकार का महकमा ही विचार कर रहा है। मंत्री जी इस बारे में जरा विस्तार से बता दें क्योंकि हर बार यही जवाब आता है कि यह मामला अंडर एक्टिव कंसिड्रे ान है।

श्री जगदी ा नेहराः जो प्राइवेट मैनेज्ड कालेज है उनके लिए मुख्यमंत्री जी और मेरे को कई बार डैपुटे ान मिले हैं। यह बात दुरूस्त है कि इसके लिये दो तीन साल से विचार चल रहा है। जब पिछले दिनों जब मीटिंग हुई तो मुख्यमंत्री जी ने एक कमेटी बनाई थी जिसका अध्यक्ष मैं था। उसमें कालेज साइड के लैक्चरारज के रिप्रजैंटटिवज को भी बुलाया और मैनेजमैंट को भी बुलाया। ि ाक्षा विभाग की तरफ से कमि नर ि ाक्षा की अध्यक्षता मे कमेटी बनाई गई। उन्होंने वर्क आउट किया है कि किस किस ढंग से क्या क्या बात की जा सकती है और उन सुझावों के मुताबिक सरकार द्वारा कितनी सुविधा दी जा सकती है। इस बारे में जो भी सरकार कर सकेगी उसे जल्दी ही 1985–86 के अन्दर कर देगीं।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, ि ाक्षा राज्य मंत्री जी ने ब्यौरा दिया है कि प्राइवेट कालेजों के टीचर्ज को ट्रेजरी के थ्रू

तनखाह देने के बारे में सरकर एक्टिवली कंसिडर कर रही है। इनको मुख्यमंत्री जी ने इस बारे में जो कमेटी मुकर्रर की थी उसका चेयरमैन भी अप्वायंट कर दिया। इन्होंने मोस्ट एक्टिवली यह मामला ि ाक्षा विभाग के सेक्रेटरी को सुपुर्द कर दिया। उन्होंने सब से आपस में मिल करके जो बात प्रोसैस की वह इन्होंने पूरी तरह से सदन में नहीं बताई और यह कह दिया कि हम बहुत जल्दी ही फैसला करने वाले है। मैं आपके द्वारा ि ाक्षा राज्य मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि इस बारे में जो कमेटी मुकर्रर की थी उसकी मीटिंग की प्रोसिडिंग्ज क्या है और उस कमेटी के जो ि ाक्षा साइड के रीप्रेजैंटेटिव थे वे कौन सज्जन थे? उस कमेटी की मीटिंग में क्या क्या कंसिडर हुआ? अब मामला किस स्टेज पर है? आप इस बारे में मोस्ट एक्टिवली कंसिडर कर रहे हैं या मोस्ट इनएक्टिवली कंसिडर कर रहे है?

श्री जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, इनएक्टिवली कंसिडर करने वाली कोई बात नहीं है। इन्होंने पूछा कि प्रोसिसडिंग क्या थी? यह बताना बहुत मु ि कल है क्योंकि इस समय यहां पर मेरे पास उसकी प्रोसिंसडिंग नहीं है। लेकिन जैसे मैंने पहले अर्ज किया है कि यह मामला आखिरी स्टेज पर है और जल्दी ही फैसला होने वाला है। ऐजुके ान कमि नर ने सारा मामला वर्क आउट कर लिया है कि किस तरह से प्राइवेट कालेजों के टीचर्ज को ट्रेजरी के थ्रू तनखाह दी जा सकती है और सरकार के पास उनको ट्रेजरी के थ्रू तनखाह देने के क्या क्या साधन है।

इस बारे में जल्दी ही फैसला होने वाला है। अगले साल यानि 1985–86 में प्राइवेट कालेजों के टीचर्ज को सरकार की तरफ से जो भी सुविधाएं दी जा सकती हैं वे दे दी जाएगी।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा ि ाक्षा राज्य मंत्री ज से यह जानना चाहता हूं कि क्या इनके नोटिस में यह बात है कि सिरसा जिले में जीवननगर कालेज के दो बीएड टीचर्ज को पिछले 4–5 महीने से तनखाह नहीं दी गई और उनसे तनखाह पर जबदस्ती दस्तखत करवा लिए गए है। उन्होंने मंत्री जी को विज्ञापन भी दिया था और खुद भी इनसे मिले थे और इनसे ि ाकायत की थी कि उनको पिछले 4–5 महीने से तनखाह नहीं दी जा रही है और दस्तखत करवा लिए जाते हैं। लेकिन मंत्री जी चुप रहे पता नहीं इनको क्या मजबूरी थी? क्या यह बात सही है कि उनको पिछले 4–5 महीने से उस कालेज से भी निकाल दिया गया? क्या मंत्री जी इस बात की इंक्वायरी कराएंगे?

श्री जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, इन्होंने सिरसा जिले के किसी कालेज का नाम लिया और कह दिया कि वहां के दो बीएड टीचर्ज को पिछले 4–5 महीने से तरखाह नही दी गई है। अध्यक्ष महोदय, वहां पर कालेज भी है और स्कूल भी है लेकिन कालेज में बीएड टीचर्ज नहीं होते। मैं इनको किस बात का जवाब दूं।

श्री भागी रामः आपको कालेज के टीचर्ज का डैपुटे ान मिला था या स्कूल के टीचर्ज का डैपुटे ान मिला था? कालेज में एमएड टीचर्ज होते होगें या जो लैक्चरर्ज होंगे उनको पिछले 4–5 महीने से तनखाह नहीं दी गई और उनसे दस्तखत करवा लिए गए।

श्री जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य जब यह पूछ रहे हैं कि एमएड टीचर्ज को तनखाह नहीं दी गई। वह कालेज पिछले साल ही खुला है। यदि माननीय सदस्य के पास ऐसी कोई ि ाकायत है तो हमारे नोटिस में लांए हम इंक्वायरी करवा लेगें। मेरे पास तो ऐसी कोई ि ाकायत नहीं आई है।

चौधरी सुरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, बहुत से प्राइवेट कालेजिज में झगडे चल रहे हैं। झगडे इसलिए चल रहे है क्योंकि प्राइवेट कालेज वाले बिजनैसमैन सै जितना पैसा चन्दे के रूप में लेते हें वह पैसा उनकी मैनेजमैंट खा जाती है और सरकार उनकी जो फाइनै ि ायल हैल्प करती है उसके दम पर वह कालेज चलाते हैं। इस तरह से काफी मुकदमें अदालतों में चल रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, भिवानी में एक आद र्ा कालेज है। उस कालेज में जितना भी पैसा आया उसमें से पांच परसैंट पैसा तो कालेज में लगाया गया और 95 परसैंट पैसा मैंनेजमैंट के लोग खा गए। क्या सरकार के नोटिस में यह बता है यदि कोई कालेज कौ टेक ओवर करेंगे और उसकी इन्कवायरी करवाई जाएगी।

श्री जगदी ा नेहराः यदि ऐसी कोई बात हो तो ऐडमिनिस्ट्रेटर बैठा देते हैं हमने पहले भी दो तीन कालेजों में ऐडमिनिस्ट्रेटर बैठाए है। हम इस बारे में इन्कवायरी करवा लेगें और यदि इन्क्वायरी के बाद ऐसी कोई बात पाई गई तो वहां पर भी ऐडमिनिस्ट्रेटर बैठाया जा सकता है।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः अध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने 1982 में सर छोटू राम कालेज जींद में ऐडमिनिस्ट्रेटर बैठा दिया था क्योंकि उस कालेज में टीचर्ज को समय पर तनखाह नहीं मिलती थी। मैं आपके द्वारा मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या नोटिस में यह बात है कि उस कालेज में ऐडमिनिस्ट्रेटर बैठाने के बाद भी 6–6 महीने हो गए हैं वहां के टीचर्ज को तनखाह नहीं मिली है? उस कालेज के टीचर्ज को पिछले 6 महीने से तनखाह न मिलने के क्या कारण है?

श्री जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, ऐसी कोई बात मेरे नोटिस में नहीं है अगर ऐसी बात है तो उनको तनखाह पूरी दी जाएगी।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, ि ाक्षा राज्य मंत्री जी ने सवाल के पार्ट ए के जवाब में फरमाया है कि 1983–84 में स्कूलों और कालेजों को अनुदान दिया गया था। 1983–84 में स्कूलों को जो 46275577 रूपये अनुदान देय बताया गया है और उनको 43275577 रूपये दिया गया। मैं आपके द्वारा ि ाक्षा राज्य मंत्री से

यह जानना चाहूंगा कि अनुदान कम क्यों दिया गया और इसका क्या कारण था?

श्री जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, मैं अपने माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि जो रूपया बाकी रहता है वह इसी महीने या अप्रैल में स्कूलों और कालेजों को सारा दे दिया जाएगा।

तारांकित प्र न सं0 883

यह प्र न पूछा नहीं गया क्योंकि माननीय सदस्य श्री लछमन सिंह कम्बोज इस समय सदन में उपस्थित नहीं थे।

Sugar Mills at Shahabad

***868. Shri Verender Singh:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether Sugar Mills at Shahbad has started functioning; if so, the date on which the said mills started functioning;

(b) whether any recruitment of any category of employees, including officers, has been made by the said mills;

(c) if the reply to part(a) above be in affirmative the profit likely to be earned by the mills during the current year?

मुख्यमंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) हां, वह मिल 6–2–85 को चालू हुआ।

(ख) तथा (ग) विधान सभा पटल पर सूचि रखी जाती है।

(घ) चालू वर्श में लाभ होने की कोई सम्भावना नहीं।

भााहबाद सरकारी चीनी मिल लि0 भााहबाद में 25–2–85 तक श्रेणीवार की गई भर्ती का ब्यौरा

क्रं0	कर्मचारी का नाम व पता	जिस पद पर है	भौक्षणिक योग्यता	भर्ती की तिथि	टिप्पणी
1	आरएम मेहरोत्रा मार्फत डा0 विजय कुमार, एमबीबीएस–2, बीएनपीएसी सीतापुर यूपी	मुख्य अभियन्ता	मकैनिकल इंजीनियर में डिप्लोमा	11.7.83	जब से छोड गया
2	आईएन खन्ना, डीई–189, अजीत नगर पटियाला	मुख्य अभियन्ता	मकैनिकल इंजीनियर में डिप्लोमा	23.1.84	उपरोक्त
3	आरएस सलूजा, 118/65 कौ ालपुरी, गुमती नं.5 कानपुर	मुख्य अभियन्ता	बीएसी, बीई (इलैक्ट) एएमआईई	2.2.85	उपरोक्त

4	एपी संगैल, गांव व डा0 उमारपुर, मुजफफरनगर, यूपी	चीफ कैमिस्ट	बीएससी एएनएसआई	20.6.84	उपरोक्त
5	आईएम गर्ग, सीनियर आडिटर, सहकारी समितियां, हरियाणा	मुख्य लेखा अधिकारी	एसएएस	5.8.83	पैत्रीक विभाग में वापसी
6	एसके अग्रवाल सुपुत्र श्री एफसी अग्रवाल, हैडमास्टर, जैन हाई स्कूल, अम्बाला	मुख्य लेखा अधिकारी	बीएससी, एड सीए	7.2.84	—
7	जेआर भार्मा, 3/70 कृश्णपुरा, पानीपत	सिविल इंजीनियर	सिविल इंजीनियर में डिप्लोमा	28.12.85	जब से छोड दिया
8	आरके अरोडा, मार्फत प्रो0 सती ा कुमार मनूजा,	उपरोक्त	बीएससी इंजीनियर	24.2.84	—

	4—लेक व्यूआईटीआई, कलौनी भिवानी				
9	एससी भार्मा मकान नं0 3295, सैक्टर 35डी, चण्डीगढ	गन्ना विपणन	बीएससी डिग्री	2.2.85	—
10	आरके गुप्ता मार्फत श्री प्रेमनाथ अग्रवाल रेलवे रोड, घरौंदा	केन विकास अधिकारी	एमएससी एलएलबी	14.8.84	—
11	आरके बांसल मार्फत डा0 सीएम बांसल नजदीक डाकघर कसौली जिला सोलन, हिमाचल	खरीद अधिकारी	एमबीए एण्ड एमकौम	12.1.85	—
12	सीएम मागो पुत्र श्री आरपी	सहायक खरीद	एमए मैंनेजमैंट में	8.10.84	—

	मांगो हाउस बोर्ड कलौनी कुरूक्षेत्र	अधिकारी	डिप्लोमा		
13	राम नारायण अग्रवाल डाक0 झबीरा, सहारनपुर यूपी	सहायक अभियन्ता	मकैनिकल इंजीनियर में डिपलोमा	15.10.84	जब से छोड दिया
14	देविन्द्र सिंह सुपुत्र भगवती सिंह गांव दोहा बसन्त, डा0 भीखमपुर, जिला दोयोरिया, यूपी	उपरोक्त	मकैनिकल इंजीनियर में डिपलोमा	17.10.84	—
15	कि ाोर रंजन चकरवर्ती चान्दी मैडीकल हाल, जिला चम्पारन, बिहार	सहायक अभियनता	उपरोक्त	26.12.84	—
16	राजिन्द्र सिंह सुपुत्र रत्ती	सैक्सनल	सिविल इंजीनियर	16.9.83	—

	राम, गांव व डाक0 खानपुर, जिला करनाल	अधिकारी	में डिग्री		
17	वीके भार्मा सुपुत्र औंकार प्रसाद, पटियाला बैंक स्टरीट, मानसा, जिला भठौंडा, पंजाब	उपरोक्त	उपरोक्त	16.2.84	—
18	जीजी सिंह सुपुत्र ज्ञान सिंह, 9 सुन्दर रोड, इरासर टाउन, बंगलौर	सिक्योरिटी अधिकारी	बीए प्रथम	24.1.85	—
19	राम अवतार भीड सुपुत्र प्रभू दयाल डा0 मरोठ जिला नागोर, राजस्थान	भूगर सेल इंजार्च	एमए इकनोमिकस	15.1.85	—
20	रविन्द्र नाथ मार्फत	सहायक	इलैक्ट्रिक	21.1.85	—

	युधिश्ठर सिंह बडौत जिला मेरठ यूपी	अभियन्ता	इंजीनियर में डिप्लोमा		
21	अजये कुमार चटरजी पुत्र श्री स्व0 गोरी भांकर मार्फत एचएनदास, 129 आर/ए न्यू कालौनी, डा0 पलवल	मैनूफेक्चरिंग कैमिस्ट	इंजीनियरिंग कैमिकल में डिग्री	14.1.85	—
22	ब्रिजराये गिरी सुपुत्र एचसी गिरी 69/32 सुनारियां रोड, रोहतक	उपरोक्त	माध्यमिक सांइस	2.2.85	—
23	दीपक राम गोयल पुत्र आत्मा राम गोयल, यूपी स्टेट कारपोरे ान लि0	लैब कैमिस्ट	एमएससी	14.1.85	—

	मेरठ				
24	रूड चन्द गांव व डाक नगला वाया भााहबाद	आफिस सुपर्रीडैंट	माध्यमिक ि ाक्षा	18.7.83	प्रति नियुक्ति पर
25	रणधीर सिंह पुत्र रामजी लाल गांव खरखाली डाक, रादौर जिला कुरूक्षेत्र	हैड टाईमकीपर	प्रसनल मैनेजमेंट में डिप्लोमा	6.9.84	—
26	बलबीर सिंह मार्फत इन्दर सिंह गांव भााहपुरा डा0 भागो माजरा जिला कुरूक्षेत्र	पीए टू एमडी	बीए	9.9.84	—
27	धर्मपाल पुत्र नेकी राम गांव व डाक, अहन जिला कुरूक्षेत्र	केन निरीक्षक	बीएससी डिग्री	30.1.84	—

28	सुरिन्द्र कुमार पुत्र श्री फकीर चन्द गांव वधाना खुर्द जिला सोनीपत	उपरोक्त	उपरोक्त	13.12.84	—
29	आरके साहनी पुत्र श्री राम स्वरूप गांव भोवलान डाक, राजपुरा जिला पटियाला	स्टोर कीपर	एमकौम	6.12.83	—
30	अनील कुमार गोयल पुत्र श्री हरिकृश्ण दास मकान नं0 10317/6, अम्बाला भाहर	सहायक लेखाकर	बीकौम	13.12.84	—
31	राके ा कुमार पुत्र कि ाोरी लाल गांव व डाक लाडवा जिला	उपरोक्त	उपरोक्त	3.1.84	—

	कुरूक्षेत्र				
32	धर्मवीर गांव व डाक ठोल जिला कुरूक्षेत्र	सहायक गन्ना लेखाकार	दसवीं	10.1.85	—
33	राजकुमार पुत्र जगदी ा राम गांव व डाक खुर्दवन जिला कुरूक्षेत्र	गन्ना विकास सुपरवाईजर	एफए	30.8.83	—
34	राम सिंह पुत्र करतार सिंह गांव नारायणगढ माजरा डा नगला जिला अम्बाला	उपरोक्त	बीए	30.8.83	—
35	बलबीर सिंह पुत्र रणजीत सिंह गांव खेडी रामगढ कुरूक्षेत्र	उपरोक्त	बीए	23.1.84	—

36	लखबीन्द्र सिंह पुत्र श्री दलीप सिंह गांव व डाक रतनगढ कुरूक्षेत्र	उपरोक्त	बीए	9.2.84	—
37	जसमेर सिंह पुत्र मिहान सिंह गांव व डाक मदनपुर जिला कुरूक्षेत्र	उपरोक्त	बीए	3.5.84	—
38	सती ा कुमार भार्मा पुत्र श्री राम सरूप गुदरी मुहल्ला कुरूक्षेत्र	उपरोक्त	बीए	4.8.84	—
39	राव वरिन्द्र सिंह पुत्र श्री जोगिन्द्र सिंह गांव व डाक भााहपुर जिला अम्बाला	उपरोक्त	बीए बीएड	7.8.84	—
40	हरपाल सिंह पुत्र श्री	गन्ना विकास	बीएससी डिग्री	4.12.84	—

	बिरसा राम गांव व डाक बरगट जिला कुरूक्षेत्र	सुपरवाईजर			
41	जसवीन्द्र सिंह पुत्र श्री राम करण गांव व डाक लन्ढा जिला अम्बाला	उपरोक्त	उपरोक्त	1.1.85	—
42	कुलदीप सिंह पुत्र श्री सूरजमल गांव खानपुर खुर्द डाक गोहाना, जिला सोनीपत	केन फार्म सुपरवाईजर	उपरोक्त	4.12.84	—
43	महावीर प्रसाद निरीक्षक सहकारी समितियां हरियाणा	भोयर सैक्सन इंजार्च	—	1.6.82	पैत्रिक विभाग में वापसी
44	कपूर सिंह निरीक्षक	उपरोक्त	दसवीं	20.8.82	उपरोक्त

	सहकारी समितियां, हरियाणा				
45	अजमेर सिंह निरीक्षक सहकारी समितियां	उपरोक्त	–	7.8.84	उपरोक्त
46	इन्द्र राज सिंह पुत्र करम चन्द गांव डाक गुमथलागढ कुरूक्षेत्र	उपरोक्त	दसवीं	7.4.83	प्रतिनियुक्ति पर
47	प्रदीप कुमार पुत्र श्री तिलक राज मकान नं. 47–ए वार्ड नं0 4, कुरूक्षेत्र	लेखाकार	एमकौम	7.4.84	जब से छोड दिया
48	जसवीर सिंह पुत्र श्री मातु राम गांव व डाक फलसाना जिला कुरूक्षेत्र	सहायक खंजाची	बीए	10.1.84	–

49	राजीव सिंह खुसवा पुत्र श्री एसवीएस खुसवा 73—ए, गोविन्द नगर अम्बाला	लेखा लिपिक	एमकौम	11.1.84	—
50	अ ाोक कुमार पुत्र श्री अमर नाथ गोयल, मकान नं0 164, नारायणगढ, अम्बाला	लेखा लिपिक	बीकौम	14.8.84	—
51	कृश्ण चन्द्र पुत्र श्री छत्तर सिंह गांव चूहड माजरा, जिला कुरूक्षेत्र	उपरोक्त	बीकौम	11.12.84	—
52	धर्मवीर कम्बोज पुत्र श्री पीएल कम्बोज गांव	टाईम कीपर	एमए इकनोमिकस	14.2.85	—

	अलाहर डब्ल्यू स्कूल सूरजपुर अम्बाला				
53	सचींद्र प्रसाद दुबे मार्फत रामा भांकर पांडे, पीटी टीचर बीसीडब्ल्यू, स्कूल सूरजपुर अम्बाला	उपरोक्त	बीए	1.9.84	—
54	सुन्दर लाल पुत्र कांतुराम गांव व डाक संघोली, सहारनपुर	गोदाम कीपर	बीए	22.1.84	—
55	बीसी जाह पुत्र केदार सिंह जाह, 102 ट्रिब्यून कालौनी, अम्बाला कैन्ट	टाईपिस्ट	माध्यमिक ि ाक्षा	7.9.82	—
56	सोम दत्त भार्मा पुत्र फकीर	उपरोक्त	एमए हिन्दी	24.4.84	—

	चन्द भार्मा गांव व डाक जोतिसर, जिला कुरूक्षेत्र				
57	राके ा कुमार पुत्र श्री समे सिंह गांव डाहर डाक0 सभाली जिला अम्बाला	लिपिक	प्रैप	28.1.84	—
58	मांगे लाल बिसनोई पुत्र राम नारायण गांव व डाक0 धानीसालम खेडा जिला हिसार	लिपिक	बीए	22.2.84	जब से छोड गया
59	नरिन्द्र कुमार पुत्र आरपी भार्मा कुरूक्षेत्र	लिपिक	बीकौम	26.3.84	टरमीनेट
60	करण सिह पुत्र श्री कुमाना गांव व डाक0 सारंगपुर	लिपिक	बीए	31.3.84	उपरोक्त

	जिला हिसार				
61	जगदी ा चन्द्र पुत्र राम रीख गांव व डा0 सारगपुर जिला हिसार	लिपिक	बीए	23.6.84	उपरोक्त
62	राजिन्द्र कुमार पुत्र हरि सिंह गांव खुकराना डाक हसनकलां जिला करनाल	लिपिक	दसवीं	3.1.84	जब से छोड गया
63	रो ान लाल बिसनोई पुत्र जोत राम गांव व डाक आदमपुर मण्डी हिसार	लिपिक	बीए	2.8.84	—
64	सुभाश चन्द्र बिसनोई पुत्र बसंती राम गांव व डा0 चौधरीवाली, हिसार	उपरोक्त	दसवीं	2.8.84	—

65	धनी राम पुत्र चन्द्र सिंह, गांव घडवाल जिला सोनीपत	उपरोक्त	दसवीं	15.12.83	—
66	धर्मपाल पुत्र नन्द राम गांव व डाक0 थुराना, जिला हिसार	उपरोक्त	दसवीं	6.1.84	—
67	सुके ा रन्जन भार्मा पुत्र स्व0 हरि ा चन्द्र भााहबाद, कुरूक्षेत्र	लिपिक	बीए	10.1.84	—
68	मिश्र दत्ता भार्मा पुत्र राम नारायण गांव व डाक0 समर गोपालपुर, रोहतक	उपरोक्त	बीए	11.1.84	—
69	वि वनाथ भार्मा पुत्र राज	उपरोक्त	एमए इकनोमिकस	29.3.84	—

	नाथ भार्मा मकान नं0 292/6, राज कुटीर, कुरूक्षेत्र		एलएलबी		
70	कंवर सिंह पुत्र लालू राम गांव व डाक0 असराबांन, हिसार	उपरोक्त	बीए	12.3.84	—
71	राम पाल पुत्र भारत सिंह गांव कंदरोली, जिला कुरूक्षेत्र	उपरोक्त	दसवीं	11.2.84	—
72	राजिन्द्र पाल सिंह पुत्र नरैण सिंह गांव व डाक झांसा जिला कुरूक्षेत्र	उपरोक्त	बीए	9.2.84	—
73	अनन्द प्रका ा भार्मा पुत्र	उपरोक्त	बीए प्रथम	28.3.84	—

	बंसी लाल गांव व डाक0 चरखी दादरी, भिवानी				
74	मंगत राम भार्मा पुत्र सत्यनारायण गांव व डाक0 मेहरा जिला कुरूक्षेत्र	उपरोक्त	दसवीं	21.1.84	—
75	दया राम पुत्र साधु राम गांव व डाक0 उमरी, जिला कुरूक्षेत्र	उपरोक्त	दसवीं	23.1.84	—
76	धन्तार सिंह रावल पुत्र भोर सिंह गांव व डाक0 गोयला खुर्द, करनाल	लिपिक	एमए इक्नोमिक्स	8.10.84	—
77	धर्मपाल सिंह पुत्र बरयाम सिंह गांव व डाक0 मोडा,	लिपिक	बीए	6.11.84	—

	जिला अम्बाला				
78	देवा सिंह पुत्र बाबू राम गांव भोली, जिला कुरूक्षेत्र	लिपिक	एमए	17.12.84	—
79	सुरजभान पुत्र मांगे राम गांव व डाक0 गोहाना, जिला सोनीपत	लिपिक	बीकौम	18.12.84	—
80	सत्य नारायण प्रका ा पुत्र ज्ञान प्रका ा, मकान नं0 5/33 द्वारका	लिपिक	उपरोक्त	18.12.84	—
81	दिने ा कुमार पुत्र जय भगवान मकान नं0 310/3, गुदरी मोहल्ला जिला सिरसा	लिपिक	एमकौम	13.12.84	—

82	हरिओम बि ानोई पुत्र उदा राम गांव जुटनवाली डाक0 लोहगढ, जिला सिरसा	लैब इंचार्ज	बीए	8.1.85	—
83	एसएस चौहान पुत्र सीएस चौहान गांव व डाक0 कुतुबपुर जिला सहारनपुर		बीएससी साईसं	22.1.85	—
84	मदन मोहन भार्मा पुत्र जोगिन्द्र सिंह, मकान नं0 डीआर—93, इन्द्रपुरी, सोनीपत	ड्राफटमैंन	दसवीं, आईटीआई	1.9.84	—
85	समरजीत यादव, मकान नं0 9, 55/42 औरगांबाद	इलैक्टिरीकल फोरमैन	आईटीआई	7.4.84	—

	जनपद, वाराणसी, यूपी				
86	राम अतीत पुत्र जय गोविन्द गांव डुहाना डाक0 कातीयन बाजार, जिला गोपालगंज, बिहार	हैड फिटर	दसवीं	6.9.84	—
87	ई वर चन्द्र भाुक्ला पुत्र जगदी ा भााही, गांव व डा0 खाम पायल, जिला कानपुर यूपी	उपरोक्त	दसवीं आईटीआई	6.10.84	—
88	लाल चन्द पुत्र श्री एडरान गांव व डाक0 पडराना, दियोरिया, यूपी	उपरोक्त	5 पास	17.10.84	—
89	हरि नन्दन भार्मा गांव	उपरोक्त	बीए	21.1.85	—

	सुखाया तोलापुर कुथी, जिला दियोरिया, यूपी				
90	जसमेर सिंह वर्मा, गांव व डाक0 रामगढ, जिला अम्बाला	फिटर	मैट्रिक आईटीआई	26.12.84	—
91	रामा कि ाोर भार्मा पुत्र बीएस भार्मा गांव व डाक0 पीन्ना (खेर) जिला मुजफफरपुर, यूपी	उपरोक्त	दसवीं	16.1.85	—
92	दीन दयाल भार्मा, गांव व डाक0 हाता धनौधी, जिला सिवान, बिहार	फिटर	नौंवी	14.1.85	—
93	सुखबीर सिंह चौहान पुत्र	उपरोक्त	दसवीं	11.1.85	—

	वासुदेव चौहान, गांव टोबा मेहमुदपुर, जिला अम्बाला				
94	मैनेजर यादव गांव नवातन–गाथा, गोपालगंज, बिहार	उपरोक्त	दसवीं	11.1.85	–
95	मोहिन्द्र कुमार सूद पुत्र रामानन्न्द सूद, पुराना बाजार, मोरिन्डा, पंजाब	उपरोक्त	अंडर मैट्रिक	15.2.85	–
96	राधा भाम पुत्र वजीर सिंह भार्मा, गांव व डाक0 सुलचानी, जिला हिसार	उपरोक्त	आईटीआई फिटर ट्रेड	15.12.84	–
97	सोम नाथ धीमान पुत्र रघबीर सिंह पतरेडी,	ड्रिल मैन	अंडर मैट्रिक	14.9.84	–

	जिला, अम्बाला				
98	लालन सिंह पुत्र जोगत कि ाोर गांव खपना रायनपुर डाक0 भााहपुर जिला सिवान, हिसार	पैन इन्जार्च	माध्यमिक	31.12.84	—
99	रामे वर दास भार्मा गांव पतरेडी, जिला अम्बाला	उपरोक्त	5 पास	16.1.85	—
100	अंगपाल चौहान, गांव व डाक0 पतरेडी, जिला अम्बाला	पैन इन्चार्ज	अंडर मैट्रिक	14.1.85	—
101	रामे वर दास सैनी पुत्र राम सिंह गांव व डाक0 लाहरपुर, जिला अम्बाला	पैन मैन	उपरोक्त	12.1.85	—

102	श्रीराम सैनी पुछ लछमन दास सैनी, गांव व डाक0 लाहरपुर, जिला अम्बाला	पैन मैन	दसवीं	14.1.85	—
103	दया भांकर उपाध्यय पुत्र श्री रघुलायक गांव मन्सुरगन्ज देवरिया यूपी	सहायक पैन मैन	5 पास	11.1.85	—
104	नगिन्द्रा कुमार पुत्र श्री वेग राम सिंह गांव नौधीया, जिला छपरा सरन, बिहार	उपरोक्त	दसवीं	14.1.85	—
105	मुदरीका प्रसाद गुप्ता गांव दलीताहटा, जिला देवरिया यूपी	उपरोक्त	नौंवी	14.1.85	—
106	लक्ष्मी भााह गांव खेप	उपरोक्त	—	19.1.85	—

	नरैनपुर, जिला सिवान, बिहार				
107	बाबुराम पुत्र कलप नाथ, गांव छरीचा, जिला देवरिया यूपी	इलैक्ट्रि ायन	आईटीआई	4.9.84	—
108	विनोद बहादुर सिंह पुत्र वि वनाथ सिंह गांव पालीकुर, जिला गोरखपुर	इलैक्ट्रि ायन	8 पास आईटीआई	11.1.85	—
109	सीस राम पुत्र कोल नाथ, गांव भोरपुर जिला अम्बाला	वायरमैन	दसवीं आईटीआई	17.8.84	—
110	अमर नाथ पुत्र संतोखी राम मकान नं0 1085/7 मोती नगर अम्बाला भाहर	उपरोक्त	8 पास	7.5.84	—

111	कमलजीत सिंह पुत्र कर्म सिंह, भााहबाद, जिला कुरूक्षेत्र	उपरोक्त	दसवीं आईटीआई	15.1.84	—
112	बहादुर सिंह पुत्र सीस राम, गांव चीका, जिला कुरूक्षेत्र	उपरोक्त	उपरोक्त	15.1.85	—
113	सोमनाथ पुत्र धनपतराय, गांव भोरपुर, सुखाना जिला करनाल	सैन्टीफुगल आप्रेटर	6 पास	11.1.85	—
114	गामा पुत्र भोला डाडडी गांव परसौनी माजरा, जिला देवरिया, यूपी	उपरोक्त	5 पास	12.1.85	—
115	राम भांकर यादव पुत्र हरि	उपरोक्त	4 पास	12.1.85	—

	कि ान यादव गांव मददीपुर, जिला देवरिया, यूपी				
116	लाल वचन प्रसाद पुत्र रघुबीर प्रसाद गांव जटवालिया, जिला देवरिया, यूपी	उपरोक्त	9वीं पास	17.1.85	—
117	राम प्रवे ा यादव पुत्र कि ाोरी यादव गांव कताई टीक्कर, देवरिया, यूपी	सैन्टीफुगल आप्रे टर	8 पास	17.1.85	—
118	राम नरे ा सिंह पुत्र जमना सिंह, गांव	उपरोक्त	दसवीं	17.185	—

	हरियाणपुर जिला सिवन, बिहार				
119	राम कुमार पुत्र भोर सिंह गांव पतरेडी, जिला अम्बाला	उपरोक्त	अंडर मैट्रिक	15.1.85	—
120	राज कुमार चौहान पुत्र समेसिंह गांव पतरेडी जिला अम्बाला	उपरोक्त	अंडर मैट्रिक	15.1.85	—
121	चन्दे वर प्रसाद यादवपुत्र बियुदा प्रसाद गांव सिलहोरी, चम्पारन, बिहार	उपरोक्त	दसवीं	14.1.85	—
122	कमला सिंह पुत्र धनी वर सिंह, गांव रामपुर जिला	उपरोक्त	5 पास	14.1.85	—

	देवरिया, यूपी				
123	लाल मोहर भगत पुत्र ठाकुर भगत, गांव भगवान पुर, जिला सिवान, बिहार	उपरोक्त	6 पास	18.1.85	—
124	बसीस्ट सिंह गांव राम पुर जिला देवरिया, यूपी	उपरोक्त	दसवीं	23.1.85	—
125	हुसानेन पुत्र अमीर हसन गांव नरकटीया, जिला सिवान, बिहार	उपरोक्त	5 पास	23.1.85	—
126	रामा कान्त पुत्र भागवत गांव माहुवी, जिला आजमगढ, यूपी	सैन्टरीफुगल आप्रेरटर	माध्यमिक	24.1.85	—

127	राम अगाया पुत्र कुमार गांव मिथावेल, जिला गोरखपुर, यूपी	उपरोक्त	5 पास	2.2.85	—
128	ओम प्रका ा पुत्र राम सरूप, गांव लाहरपुर, जिला अम्बाला	उपरोक्त	5 पास	18.1.85	—
129	सुरजमल पुत्र प्रभू राज गांव डुमरखां, जिला जींद	इन्टरू मकैनिक	दसवीं आईटीआई	11.1.85	—
130	राजबीर सिंह पुत्र सुवा सिंह गांव झंडखेडा, जिला सहारनपुर	पीएच एनालिस्ट	बीएससी	17.1.85	—
131	कमल जीत तनेजा पुत्र जगदी ा चन्द तनेजा	पीएच एनालिस्ट	बीएससी	18.1.85	—

	मकान नं 3324, सैक्टर–21डी, चण्डीगढ				
132	अजामुददीन गांव सेहारीमल जिला करनाल	लोहार	अनपढ	17.984	–
133	बलवन्त सिंह पुत्र भांकर लाल गांव गोरखपुर, जिला हिसार	दफतरी	दसवीं	7.584	–
134	केवल कृश्ण पुत्र रामचन्द्र मकान नं 229 वीवर्ज कलौनी, पानीपत	स्वीच बोर्ड अटैन्डैन्ट	हायर सैकेण्डरी	21.1.85	–
135	सोमनाथ भार्मा पुत्र रोनकी राम भार्मा गांव गढी, कोटाहा, जिला अम्बाला	उपरोक्त	दसवीं आईटीआई	21.1.85	–

136	अ ाोक कुमार पुत्र राम दित्ता मल, सहारनपुर, यूपी	स्वीच बोर्ड अटैन्डैन्ट	दसवीं आईटीआई	21.1.85	—
137	सोमनाथ वर्मा पुत्र बारू राम मकान नं 245/2 मोहल्ला खतावाला, भााहबाद, जिला कुरूक्षेत्र	बोईलर अटैन्डैन्ट	दसवीं	11.1.85	—
138	जीतन्द्रा यादव पुत्र इन्द्र यादव गांव खामछपरा देवरिया, यूपी	उपरोक्त	5 पास आईटीआई	14.1.85	—
139	लोके ा चन्द्र पुत्र भीतल प्रसाद, गांव धोतीना गाजीयाबाद, यूपी	उपरोक्त	दसवीं आईटीआई	19.1.85	—

140	राम आ ीस भार्मा पुत्र महेन्द्र भार्मा गांव मछरौली जिला देवरिया, यूपी	वैलडर	दसवीं	6.9.84	—
141	विनोद कुमार भार्मा पुत्र मूल चन्द गांव दादुबाग जिला सहारनपुर	उपरोक्त	दसवीं आईटीआई	11.1.85	—
142	रवी प्रका ा भार्मा पुत्र दयाप्रका ा भार्मा, गांव मन्दोई सहारनपुर,	वैलडर	दसवीं आईटीआई	11.1.85	—
143	धर्मपाल चौहान पुत्र हेमराज चौहान, मकान नं 36/2 मोहल्ला सिलगरान, सनोरीगेट, पटियाला	टरनर	आठवीं आईटीआई	3.9.84	—

144	सुरे ा कुमार पुत्र मिसरी लाल गांव फांडे पत्ती, जिला देवरिया यूपी	टरनर	आईटीआई	18.1.85	—
145	बरिन्द्र कुमार पुत्र राम आज्ञा गांव राजवाल, जिला देवरिया, यूपी	आयल मैन	बीए प्रथम	12.1.85	—
146	भांकर प्रसाद पुत्र सिहा ान प्रसाद गांव बारबीपुर, जिला सिवान, बिहार	उपरोक्त	5 पास	14.1.85	—
147	राम प्रवे ा गिरी पुत्र वि वनाथ गिरी गांव सुरजपुरी जिला सिवान,	उपरोक्त	8 वीं	14.1.85	—

	बिहार				
148	राम बिलास भार्मा पुत्र भजन भार्मा, गांव सुखावा–टोला, जिला देवरिया, यूपी	ट्रबाईन अटैन्डैन्ट	9 वीं	17.1.85	–
149	सलाउदीन पुत्र भोख राय जाउदीन गांव धारीहास, देवरिया, यूपी	उपरोक्त	9 वीं	12.1.85	–
150	राय सिंह पुत्र अजमेर सिंह, गांव भगवानपुर जिला कुरूक्षेत्र	उपरोक्त	दसवीं आईटीआई	1.2.85	–
151	सुबे सिंह पुत्र जीवन सिंह गांव बरतोली, जिला	उपरोक्त	अंडर मैट्रिक	4.2.85	–

	कुरूक्षेत्र				
152	रणजीत सिंह पुत्र कि ान सिंह मकान नं 2329, अर्बन स्टेट, सैक्टर–11, करनाल	फायर मैन	मैट्रिक आईटीआई	1.2.85	–
153	विजय मैनी त्रिपाठी पुत्र कोमल मैनी त्रिपाठी गांव माझहारिया, बिहार	फायर मैन	दसवीं	23.1.85	–
154	विद्या प्रसाद पांडे पुत्र उमा कन्द पांडे गांव लखमीपुर बाबू जिला देवरिया, यूपी	उपरोक्त	माध्यमिक	24.1.85	–
155	नियामी सिंह पुत्र भगीरथ सिंह मार्फत एमएसएम कोआप्रेटिव लि0	वाटरमैन	दसवीं	7.1.85	–

	इकबालपुर, सहारनपुर, यूपी				
156	सुरिन्द्र कुमार पुत्र अमर सिंह गांव पतरेडी जिला अम्बाला	उपरोक्त	दसवीं आईटीआई	18.1.85	—
157	रमे ा चन्द्र मि ारा पुत्र हरिहर नाथ मिथरा गांव धर्मपुरा जिला इलाहाबाद	उपरोक्त	माध्यमिक	18.1.85	—
158	सती ा कुमार पुत्र मदन लाल गांव प्रेम बाजार, दवायन वाला, जिला देहरादून	जूस हीटर आपरेटर	अंडर मैट्रिक	11.1.85	—
159	ि ावनारायण प्रसाद पुत्र	उपरोक्त	9 वीं	18.1.85	—

	सियासन प्रसाद गांव बरागीपुर जिला सिवान, बिहार				
160	राधे कृश्ण भगत पुत्र ि ाव नाथ भगत, गांव नहावर कलां, जिला गोपालगंज, बिहार	उपरोक्त	माध्यमिक	14.1.85	—
161	जय कृश्ण पुत्र नराता राम गांव जोली, जिला अम्बाला	हैलपर	हायर सैकेण्डरी आईटीआई	12.1.85	—
162	करनैल सिंह पुत्र देवी सिंह गांव गुमती, जिला कुरूक्षेत्र	उपरोक्त	आईटीआई	12.1.85	—
163	राम चन्द्र पुत्र श्री चन्द अलीपुरा जिला जींद	उपरोक्त	उपरोक्त	7.1.85	—

164	सुभाश चन्द पुत्र भााम लाल गांव अधोया, जिला अम्बाला	उपरोक्त	उपरोक्त	12.1.85	—
165	अ ाोक कुमार पुत्र साधु राम गांव बराडा जिला अम्बाला	हैलपर	आईटीआई	12.1.85	—
166	रवीन्द्र कुमार पुत्र चत्रभुज गांव हरसाना कलां, जिला सोनीपत	उपरोक्त	उपरोक्त	7.5.84	—
167	सतपाल पुत्र रौनकी राम दनगाली, जिला कुरूक्षेत्र	उपरोक्त	उपरोक्त	11.1.85	—
168	ि ाव नारायण पुत्र राम पास सिंह, मकान नं 762,	उपरोक्त	उपरोक्त	17.1.85	—

	सैक्टर–7, चण्डीगढ				
169	जग ोर पुत्र मनसा राम गांव सोहा, जिला अम्बाला	उपरोक्त	उपरोक्त	15.1.85	–
170	अनील कुमार पुत्र श्री कृश्ण गांव बवायल, मकान नं 1216, मेहता गली, जिला अम्बाला	उपरोक्त	उपरोक्त	14.1.85	–
171	देसराज पुत्र तुलसी राम, मोदनपुर, जिला कुरूक्षेत्र	हैलपर	आईटीआई	14.1.85	–
172	रामबीर पुत्र बनारसी दास, गांव गोकलगढ, जिला अम्बाला	उपरोक्त	उपरोक्त	14.1.85	–

173	जैमल सिंह पुत्र साधुराम गांव भोगपुर, जिला कुरूक्षेत्र	उपरोक्त	उपरोक्त	14.1.85	—
174	बलदेव राज पुत्र मूलखराज, गांव अधोया, जिला अम्बाला	उपरोक्त	उपरोक्त	28.1.85	—
175	अ ाोक कुमार पुत्र भारत सिंह गांव डोंगरा अहीर, जिला महेंद्रगढ	उपरोक्त	उपरोक्त	24.1.85	—
176	प्रेमचन्द पुत्र सुरता राम, गांव दुराजनपुर, जिला जींद	उपरोक्त	मैकेनिकल इंजीनियर में डिप्लोमा	23.8.85	—
177	पंचाद सिंह पुत्र जुगल	लैबोटरी बोबाए	बीएससी	21.1.85	—

	कि ाोर सिंह, गांव खाकनरैणपुर, जिला सिवान, बिहार				
178	सु ाील कुमार पुत्र भजन लाल, गांव समाचार, बिल्डिंग हरदेव गंज, कन्नौज, यूपी	उपरोक्त	माध्यमिक	19.1.85	—
179	हरिन्द्र नाथ भार्मा, गांव खेडावार, जिला देवरिया, यूपी	उपरोक्त	आईटीआई	21.1.85	—
180	गुरदीप सिंह पुत्र बचन सिंह नजदीक करतार सिंह किख फोर्ट, भााहबाद	चालक	8वीं	13.12.83	—

181	जय सिंह पुत्र सरदार सिंह, गांव सावगा जिला अम्बाला	चालक	7वीं	3.9.83	—
182	सुचा सिंह पुत्र मुं ी राम गांव तरोड जिला कुरूक्षेत्र	डीजी सैट आपरेटर	5वीं	13.12.83	—
183	राम सिंह पुत्र धने वर सिंह, गांव रामपुर, जिला देवरिया, यूपी	सैन्ट्रीफुगल मेट	दसवीं	17.1.85	—
184	पंचा यादव पुत्र थापसी यादव, गांव हत्ता, हारदिया, जिला देवरिया, यूपी	उपरोक्त	उपरोक्त	18.1.85	—
185	कृपा भांकर पुत्र किदार	कलैरिफिके ान	अंडर मैट्रिक	11.1.85	—

	नाथ, गांव मुझधीय, जिला देवरिया, यूपी	मेट			
186	गोपाल प्रजापति पुत्र बोध गया, गांव लथुरा सराय, जिला गोरखपुर, यूपी	उपरोक्त	5वीं	14.1.85	—
187	राजिन्द्र यादव पुत्र गांव पिपारा ाुकला, जिला देवरिया, यूपी	कलेरिफिके ान मेट	अनपढ	31.1.85	—
188	रघुनाथ चौधरी पुत्र चंदे वर चौधरी, गांव पंचील कुटुरा, जिला सिवान	कलेरिफिके ान मेट	दसवीं	1.2.85	—
189	मुकुल गिरी पुत्र राम सूरज	कलेरिफिके ान	अंडर मैट्रिक	12.1.85	—

	गिरी, गांव बलार जिला सिवान बिहार	मेट			
190	फकीर चन्द पुत्र राम जतन, गांव पोखर बिन्द्रा, जिला गोरखपुर, यूपी	वी. फिटर एण्ड प्रैस मेट	8 वीं	21.1.85	—
191	भांकर भाा पुत्र सीता राम, गांव निपानीया, जिला चपरा, बिहार	उपरोक्त	7वीं	25.1.85	—
192	सीता राम पुत्र हरियार सिंह, गांव गवारही, जिला सिवान, बिहार	साईरूप सल्फिटे ान मेट	6वीं	25.1.85	—
193	इन्द्रजीत सिंह पुत्र गिरधारी, गांव बिचीला,	उपरोक्त	6वीं	11.1.85	—

	खलवाई, सिवान, बिहार				
194	विधान भााह गांव नारायणपुर, जिला सिवान, बिहार	उपरोक्त	दसवीं	28.1.85	—
195	द्वारकी प्रसाद पुत्र रामनाथ प्रसाद, दुमरहर, सिवान, बिहार	इवापोरेटर मेट	दसवीं	1.2.85	—
196	सीता राम पुत्र तेजाय गांव गउगावा, जिला देवरिया, यूपी	उपरोक्त	5वीं	14.1.85	—
197	साम चन्द भार्मा पुत्र प्रभू दियाल, गांव बहरून, जिला अम्बाला	वाचमैन	दसवीं	7.2.85	—

198	कुन्दन सिंह पुत्र अमर सिंह गांव अजीत नगर, जिला कुरूक्षेत्र	उपरोक्त	7वीं	7.2.85	—
199	राज कुमार पुत्र रघबीर सिंह गांव खटौली, जिला अम्बाला	उपरोक्त	6वीं	7.2.85	—
200	मांगे राम पुत्र भांकर दास गांव नन्द करन माजरा, कुरूक्षेत्र	उपरोक्त	6वीं	7.2.85	—
201	जगतार सिंह पुत्र काला सिंह गांव दलीप गढ जिला अम्बाला	उपरोक्त	6वीं	7.2.85	—
202	कृश्ण चन्द पुत्र मातुराम	उपरोक्त	6वीं	7.2.85	—

	गांव बिरछपुरी, जिला अम्बाला				
203	रनजीत सिंह पुत्र पूरण चन्द गावं हुडडा, जिला कुरूक्षेत्र	उपरोक्त	5वीं	7.2.85	—
204	सुन्दर सिंह पुत्र गजे सिंह गांव फगवाडा, जिला अम्बाला	उपरोक्त	6वीं	7.2.85	—
205	भालूराम पुत्र झंडू राम गांव बुरावाल, जिला अम्बाला	उपरोक्त	—	7.2.85	—
206	जगदी ा चन्द्र पुत्र सियाराम गांव रामसरन माजरा जिला कुरूक्षेत्र	उपरोक्त	दसवीं	7.2.85	—

207	तेजपाल पुत्र सरदार गांव सावका जिला अम्बाला	उपरोक्त	5वीं	7.2.85	—
208	क ामीरी लाल पुत्र साधुराम गांव भोला जिला अम्बाला	उपरोक्त	5वीं	7.2.85	—
209	जुगिन्द्र सिह पुत्र गुरबख्भा सिंह गांव भोरसायदां जिला कुरूक्षेत्र	उपरोक्त	8वीं	18.2.85	—
210	राम सरूप पुत्र निहाला राम गांव पंगालसा, जिला अम्बाला	उपरोक्त	7वीं	19.2.85	—
211	मौजी राम पुत्र बारू राम गांव गुलेयाना, जिला	उपरोक्त	9वीं	7.2.85	—

	कुरूक्षेत्र				
212	लक्ष्मी चन्द पुत्र गोदुराम गांव गुलेयाना जिला कुरूक्षेत्र	उपरोक्त	6वीं	7.2.85	—
213	घन याम सिंह पुत्र पृथ्वी सिंह गांव बबयाल जिला अम्बाला	उपरोक्त	5वीं	7.2.85	—
214	रनबीर सिंह पुत्र सुरत सिंह गांव साबका, जिला अम्बाला	उपरोक्त	9वीं	7.2.85	—
215	महिन्द्र सिहं पुत्र अर्जन सिंह गांव मामु माजरा, जिला कुरूक्षेत्र	उपरोक्त	8वीं	7.2.85	—

216	राम नाथ पुत्र हुक्म चन्द मार्फत विजय साईकल वर्कस, कुरूक्षेत्र	उपरोक्त	7वीं	7.2.85	—
217	सुगन चन्द गुप्ता मकान नं 249 गांव बबयाल जिला अम्बाला	उपरोक्त	दसवीं	7.2.85	—
218	प्रका ा सिंह पुत्र अमर सिंह गांव उखल जिला अम्बाला	उपरोक्त	7वीं	7.2.85	—
219	जगमाल सिंह पुत्र छोटन लाल गांव खरीयाल, जिला अलवर, राजस्थान	उपरोक्त	5वीं	12.3.84	—
220	नरिन्द्र पाल पुत्र खजान	वाचमैन	—	22.3.84	—

	सिंह, रोहतक				
221	ई वर सिंह पुत्र श्री मोमन राम गांव थुराना, जिला हिसार	उपरोक्त	8वीं	8.3.84	—
222	हरभजन सिंह पुत्र लज्जा राम गांव रतगल, जिला कुरूक्षेत्र	पीयन	9वीं	9.2.84	—
223	कुलदीप सिंह पुत्र प्यारा सिंह गांव भााहबाद	पीयन	अंडर मैट्रिक	20.4.83	—
224	रमन कुमार पुत्र तिलक राम, राम गली 229/9 थोनसर	उपरोक्त	दसवीं	27.3.84	—

225	भयाम लाल पुत्र सोरन सिंह गांव कलसाना जिला कुरूक्षेत्र	उपरोक्त	दसवीं	12.4.83	—
226	सोम दत्त पुत्र नथुराम गांव इस्मेलपुर, जिला अम्बाला	उपरोक्त	दसवीं	20.4.83	—
227	राम निवास भार्मा पुत्र प्यारे लाल गांव नगोरा जिला जींद	उपरोक्त	7वीं	12.3.84	—
228	कृश्ण कुमार पुत्र ि ा ा पाल गांव थुराना जिला हिसार	उपरोक्त	9वीं	22.3.84	—
229	टेक सिंह पुत्र गांव चतर,	उपरोक्त	दसवीं	25.7.84	—

	जिला जींद				
230	सुदामा यादव पुत्र बरीधुनाथ यादव गांव भगवान पुर, जिला देवरिया, यूपी	खलासी	7वीं	9.2.85	—
231	दरोगा गुप्ता पुत्र बाबू राम गुप्ता गांव रहीम पुर जिला सिवान, हिसार	पीयन	9वीं	9.2.85	—
232	बलदेव राज पुत्र सांघी राम गांव कलाल माजरा जिला कुरूक्षेत्र	उपरोक्त	दसवीं	9.2.85	—
233	हरिन्द्र यादव पुत्र सगीना यादव गांव राजीमपुर	उपरोक्त	8वीं	9.2.85	—

	जिला सिवान, हिसार				
234	सुरे ा राम पुत्र दोमा राय गांव लोखोपुर जिला देवरिया, यूपी	उपरोक्त	—	9.2.85	—
235	गंगा सागर पुत्र रिखा सिंह गांव मदारियापती जिला देवरिया	उपरोक्त	6वीं	9.2.85	—
236	राम लखन पुत्र पुत्र माखी राम मकान नं 2912, सैक्टर—15, चण्डीगढ	उपरोक्त	6वीं	12.2.85	—
237	राज नरेण पुत्र हरे वर प्रसाद गांव चंदावली जिला देवरिया, यूपी	उपरोक्त	8वीं	5.2.85	—

238	राम बधाया पुत्र खिलावान गांव गालोथा, जिला देवरिया यूपी	उपरोक्त	—	4.2.85	—
239	मुनी वर प्रसाद पुत्र बचन सिंह मार्फत पलवल सहकारी चीनी मिल लि0 पलवल	उपरोक्त	8वीं	29.1.85	—
240	जगीर सिंह पुत्र अमर सिंह गांव सहारनपुर	उपरोक्त	अंडर मैट्रिक	28.185	—
241	भाक्ति सिंह पुत्र दाता राम गांव कुंजपुरा, करनाल	पीयन	7वीं	28.1.85	—
242	महिन्द्र यादव पुत्र दुधनाथ यादव गांव अहीरवाली	उपरोक्त	—	231.85	—

	लाला, देवरिया, यूपी				
243	महावीर प्रसाद पुत्र राम दयाल गांव सगता खेडा जिला सिरसा	केन कामदार	हायर सैकेण्डरी	8.1.85	—
244	पृथ्वी सिंह पुत्र सुरजा राम गांव बिगार जिला सिरसा	फार्म मेट	दसवीं	7.8.84	—
245	राम भरोसा मार्फत कोठी नं 119 सैक्टर—7, चण्डीगढ	गारडनर	—	19.6.84	—
246	राम जीवन पुत्र बनारसी गांव अभेपुर जिला अम्बाला	उपरोक्त	—	6.7.84	—
247	महे ा कोि ाक पुत्र जेपी कौि ाक मकान नं 507	वर्क ााप फोरमैन	डिप्लोमा इन	18.2.85	—

	एचबी कलौनी, रोहतक		मैकेनिकल		
248	होि ायार सिंह पुत्र रूलदू राम गांव व डाक0 सिसाई	फार्म मेट	दसवीं	5.5.84	टरमीनेटिड
249	राज कुमार पुत्र राम कि ान गांव व डाक0 फरमाना जिला रोहतक	सेवक	दसवीं	187.84	उपरोक्त
250	बलदेव राज पुत्र राम नाथ गांव व डाक0 अधोया जिला अम्बाला	चौकीदार	7वीं पास	1.1.85	उपरोक्त
251	बाल चन्द भार्मा पुत्र राम चरण नई दिल्ली–19, मदनपुरा	टरनर	मकैनिकल इंजीनियर में डिप्लोमा	17.11.84	उपरोक्त

252	टेहल सिंह पुत्र प्रीतक सिंह मार्फत साधुराम, मकान नं 543 मोहल्ला पंडता वाला, मनीमाजरा	केन डिवैल्पमैंट सुपरवाईजर	बीए	25.7.84	उपरोक्त
253	श्रीमति कांता रानी पत्नी राज कुमार भााहबाद (एम)	जमादारनी	—	7.4.84	—

उपरोक्त के अतिरिक्त निम्नलिखित व्यक्ति जो 25—2—85 तक डेली वेजीज पर काम कर रहे हैं—

लिपिक	62	केन कामदार	12	मोटर पम्प अटैन्डैन्ट	34	हैल्पर/ कुलीज	196
हैमर मैन	1	फायरमैन	1	स्टोर	3	—	—

				बोआए			
कुल	63	कुल	13	कुल	37	कुल	196
कुल जोड	**309**						

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी ने जो सूचना सदन के पटल पर रखी है इसको पूरी तरह से पढने के प चात ऐसा प्रतीत होता है कि भााहबाद भूगर मिल मे टोटल 562 लोगो की रिकूटमैंट की गई । इसमे से 253 की रिकूमैंट के बारे मे ब्योरा दिया है और 309 का ब्यौरा न दे करके केवल उनके डेजिगने ान के बारे मे बता दिया। इन्होने जो 253 आदमियो की लिस्ट दी है वह मैने पढी है, वह बडी भाौकिग है। हरियाणा गवर्नमैंट की पालिसी है चाहे कोई भूगर मिल लगे, चाहे कोई थर्मल प्लांट बने या कोई बहूत बडा गवर्नमैंट को प्रोजैक्ट बने, जहां पर ये चीजे लगाई जाएगी वहा उसी इलाके के लोगो को एमपलायमैंट देने मे प्रैफरैन्स दी जाती है। स्पीकर साहब, यह सारी लिस्ट देखने के बाद भााहाबाद भूगर मिल मे इस इलाके का 253 वा नम्बर एम्पलायमैंट मे आया है वह भी स्वीकर की पोस्टे पर एक श्रीमती कान्ता रानी को लगाया गया है। बाकी पोस्टो पर देवरिया, यू0पी0 या बिहार के लोगो को एम्पलायमैट दी गई है। मै आपके द्धारा मुख्यमंत्री जी से यह जानना चाहूगा कि क्या भााहबाद के एरिया मे मैट्रिक अडर मैट्रिक या मिडल और फिकथ क्लास तक के लडके नही मिले या बहुत लोगो को खु ा करने के लिए यू0पी0 और बिहार के लडको की रिकूटमैंट की गई है ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी काफी पूराने मैम्बर है और मंत्री भी रहे है ये सारी बाते समझते है। सारी बातो को बडी अच्छी तरह से जानते है। कुछ

पोस्टे ऐसी होती है जो टैक्नीकल होती है जिनके लिए हमारी स्टेट मे आदमी अवेलेबल नही है इसलिये ऐसी पोस्टो के लिए दूसरी स्टेट के लोगो को लेना पडता है। कुछ लेबर होती है जो कि हमारी स्टेट मे अवेलेबल नही है। इसलिये लेबर भी बाहर से लेनी पडती है। इसके अलावा इन्होने यह कह दिया कि 253 मे से एक पोस्ट को छोड कर बाकी सभी पोस्टो पर बाहर की स्टेटस से लिए गए है। कुरूक्षेत्र और भााहबाद के एरिया के नही लिए गए। इनकी यह बात सही नही है। इन्होने तो इस लिस्ट को अच्छी तरह से पढा नही या जानबुझ कर कर हाउस को मिसलीड करने की कोि ा ा की है। स्पीकर साहब, मै इनको आकडे बता देना चाहता हूं। 253 की फिगर का जो जिक्र इन्होने किया है, उस बारे मे मै इनकी जानकारी के लिए बता देता हू कि इन मे से 19 आदमी काम छोड कर चले गए हैं इस समय 234 व्यक्ति काम कर रहे है। किस किस जिले के कितने व्यक्ति लगाए गए है वह फिगर्ज भी मै आपको बता देता हूं। कुरूक्षेत्र जिल से 154 अम्बाला जिले से 51 करनाल जिल से 8, हिसार जिले से 7, सोनीपत जिल मे 6, रोहतक जिले से 3 जीन्द जिले से 5, सिरसा जिले से 3, फरीदाबाद जिले से 1, भिवानी जिले से 2 और महेन्द्रगढ जिल से 1 व्यक्ति को इस मिल मे लगाया गया है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः आप यह भी बता दे कि यू0पी0 और बिहार के कितने आदमी है ?

चौधरी भजन लालः जो डेली वेजिज पर लगे हुए है, उनमे से कुछ बाहर के आदमी काम पर लगाए हुए है। जो आदमी हमे यहा से नही मिलते, उसके बाद ही बाहर से लगा रक काम चलाते है।

श्रीमती चन्द्रावतीः क्या मुख्यमंत्री महोदय, बताने का कश्ट करेगे कि बिहार, यू0पी0, राजस्थान और दूसरी स्टट्स के कितने आदमी अपने आदमियो के मुकाबले लगाए हुए है ?

श्री अध्यक्षः इसके लिए तो बहुत समय लगेगा।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, 309 आदमी डेरी वेजिज पर लगे हुए है। इनमे से कुरूश्रेत्र और अम्बाला जिले के 109 आदमी लगे हुए है। 93 लोग बिहार, राजस्थान या यू0पी0 आदि के लगे हुए है। ऐसे आदमी जो टैक्नीकल है। और यहा नही मिलते वे बाहर के लगाये हुए है।

चौधरी औम प्रका ाः अध्यक्ष महोदय, अभी मुख्य मंत्री जी ने यह बताया कि 253 रैगुलर एम्पलाईज लगाये हुए है और इनमे से 93 हजार लेाग बाहर के है। इन्होने इसका कारण यह बताया है कि क्वालिफाइड आदमी हरियाणा प्रान्त से नही मिले इसलिए उतर प्रदे ा और बिहार के लगाये गय है। क्रम सख्या 1 से 4 तक के आदमियों को ये बाहर से लगाते तो बात समझ मे आ सकती थी क्योकि 1 से 4 तक की पोस्टे टैक्नीकल पोस्टे है। इन पोस्टो को भरने के लिए डिग्री आदि होती होगी। लेकिन कई

ऐसी भी पोस्टे है जिनके लिए आई0टी0आई0 की डिग्री चाहिए। इसी प्रकार से पाचवी पास, आठवी पास और मैट्रिक फेल भी लगाए गए है क्या ऐसे आदमी भी हरियाणा मे नही मिलते । मेरा दूसरा सवाल यह है कि जिस तरह क्रम सख्या 1 से लेकर 4 तक चीफ इन्जीनियर आदि की जो पोस्टे है इन पोस्टो के लिए हरियाणा के कितने लोगो ने एप्लाई किया है और दूसरे इनकी क्या क्वालिफिके ांज है ?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, इन्होने पहला सवाल यह किया है कि कुछ लोग पांचवी पास या दसवी फेल बाहर के लगा लिए है और यहा के नही लगाए है। मै इन्हे बताना चाहूगा कि मिल मे कुछ ऐसा काम है जिसको यहा के लोग करना नही चाहते। जैसे गन्ने को उठा कर चलना और सफाई आदि करना। इस बात का सब को पता है। कि जितनी भी सडके बनती है। या नहर की खुदाई होती है तो 90 परसैन्ट लेबर बारह की ही होती है। मु कल से 10 प्रति ात लेबर यह की ऐसे काम को करती है यहा के लोगों कठिन काम को करना नही चाहते क्योकि उनके पास करने के लिए और बहुत सारे काम है। जहां तक इनके दूसरे सवाल का सबंध है उस बारे मे भी मै इन्हे बता देना चाहता हूं कि भााहबाद का नया नया मिल है। यदि सारे नए नए आदमी लगा देगे तो काम नही चल सकता । हर जगह डाक्टर और टैक्नीलज आदमी छाट करके ही लगाए जाते है। ऐसी पोस्टो को भरते समय काबलियत का वि ोश ध्यान रखना होता है। इसलिए इन सारी

बातो को ध्यान मे रख कर ही ये बाहर के आदमी लगाए गए है बाहर के अच्छे डाक्टर और टैक्नीकल आदमियो को लगाने पर कोई बैन नही है।

श्री भले रामः मै मुख्यमंत्री महोदय से जानना चाहता हू कि जो 234 रैगुलर ऐम्पलाईज और 309 टैम्पोरेरी एम्पलाईज है क्या इनमे रिजर्वे ान का पूरा काटा है ? यदि नही है तो क्या जब भी आगे कभी भरती की जाएगी तो यह कोटा पूरा कर लिया जाएगा ?

चौधरी भजल लालः अध्यक्ष महोदय, जो सवाल इन्होने पूछा है वह इस मेन सवाल मे नही पूछा गया था। मुझे भी इस समय पता नही कि रिजर्वे ान का पूरा कोटा है या नही। मै हाउस की जानकारी के लिए बता देना चाहता हू कि जब भी कभी कोई पोस्टे भरनी हो तो उनके रिजर्वे ान का कोटा, चाहे वह हरिजनो का हो, चाहे बैकवर्ड क्लासिज का हो या एक्स सर्विसमैन का हो या अगहीन का हो, उन्हे पूरी रिजर्वे ान दी जाती है। यदि इन पोस्टो मे रिजर्वे ान का पूरा कोटा नही होगा तो भविश्य मे जब भी पोस्टे भरी जाएगी तो रिजर्वे ान के कोटा को पूरा कर लिया जाएगा।

श्री निर्मलः स्पीकर साहब, मै आपकी मार्फत मुख्यमंत्री जी ने जानना चाहता हू कि जब चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी को आप्रे ान मिनिस्टर हुआ करते थे तो उन्होने उस समय कहा था

कि नग्गल का जो एरिया पजाब बोर्डर के साथ लगता है, उनको भी भााहबाद मिल मे भाामिल कर लिया जाएगा। मै पूछना चाहता हू कि क्या वह एरिया भााहबाद मिल मे भाामिल कर लिया गया है ? यदि नही किया गया है तो कब तक भाामिल कर लिया जाएगा। दूसरा मेरा सवाल यह है कि जब मै भााहबाद मिल के बोर्ड का मैम्बर था तो उस समय कई बार टैक्नीकल आदमियो को लगाने के लिए बडी दिक्कत होती थी। हम हरियाणा के टैक्नीकल या एक्सपीरियेसड हैन्ड लडके नही मिलते थे, इसलिए बाहर के आदमियो को ऐसी पोस्टो पर लगा लिया जाता है। इस संबध मे मेर दरखास्त यह है कि जब यह के लडको को काम करने का मौका ही नही दिया जाएगा तो फिर उनका तजुर्बा कैसे होगा?

चौधरी भजन लालः जहा जक नग्गल एरिये को भाामिल करने का सवाल है उस बारे मे तो हमने बाकायदा कह दिया है कि नग्गल के एरिया को इस मिल मे भाामिल कर लिया जाए। दूसरे मिल को चूकि पूरा गन्ना नही मिल रहा, इसलिए बाहर से गन्ना ला करके मिल को चलाया जा रहा है। अम्बाला जिले से जहा से भी गन्ना मिलेगा, वहा से लेगे और उस एरिया को इस मिल मे भाामिल करेगे। दूसरी बात इन्होने यह कह दी कि जब यहा के किसी आदमी को लगाया ही नही जाएगा उसका एक्सपीरियेन्टस कैसे होगा ? मै इन्हे बतना चाहूगा कि भााहबाद का मिल नया मिल है। यदि इस नए मिल मे नए नए ही आदमी लगा दिए जाए तो फिर काम कैसे चलेगा। ? हां कुछ नए और

कुछ पुराने आदमी लगाने की बात तो समझ मे आ सकती है। लेकिन सारे नए नए आदमी लगाने की बात ठीक नही है इसलिए नहया मिल होने के कारण टैक्नीकल आदमियों को छाट करके लगाना पडता है।

श्री अध्यक्षः एक बात मेरे नोटिस मे यह आई है कि जो यमुना नगर का मिल है, वह यमुना नगर साइड के एरिया का तो गन्ना ले रहे है लेकिन दूसरी तरफ का ऐरिया है वहा का गन्ना नही ले रहे और उनको इग्नोर कर रहे है। इस एरिया वाले किसानो को न तो बीज दिया जा रहा है और न ही उनके एरिया को मिल के एरिया मे भाामिल किया जा रहा है जबकि वहा के किसानो ने भोयर आदि भी खरीद हुए है। इसलिए आप इस मामले मे अपना पर्सन्ल ध्यान दीजिए।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, आपने ठीक कहा है कि मिल एक तरफ के एयिा को तो भाामिल कर लेता है लेकिन दूसरील तरफ के एरिया को भाामिल नही करता, जबकि वह जरूर भाामिल होना चाहिए। जो बात आपने कही है इस को हम देख लेगे और जो भ मुनासिब होगा, कार्यवाही करेगे।

मास्टर राम सिंहः स्पीकर साहब, मै आपकी मार्फत जानना चाहता हू कि जो लडके ऐडहोक बेसिज पर और डेली वेजिज पर लगे हुए है क्या उनको पक्का करने का विचार है ? यदि विचार है तो कब तक पक्के कर दिए जाएगे ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यह काम तो मिल वालो का है।उन्होने देखना है कि कितने आदमियो को पक्का करना है प्रत्येक भ्ाुगर मिल सीजनल चलता है इसलिए काफी लोग सीजनल बेसिज पर भी लगाए जाते है। यदि सीजनल बेसिज पर काम करने वालो को पक्का कर दिया जाए तो इससे मिल को काफी घाटा हो जाएगा। जो कर्मचारी ऐडहाक पर लगे हुए है उनकी जरूर पक्का किया जाएगा।

श्री मनफूल सिहः .....

श्री अध्यक्षः यह कोई सवाल नही है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मनफूल सिंह जी ने कहा है वह कार्य वाही से निकलवा दिया जाए। क्योकि वह ठीक बात नही है।

श्री अध्यक्षः ठीक है वह रिकार्ड न किया जाए।

चौधरी नर सिंह ढाडाः अध्यक्ष महोदय, मै जानना चाहता हू कि क्या हरियाणा मे और भ्ाुगर मिल लगाने के लिए भारत सरकार को लाईसैंस के लिए एप्लाई किया गया है ? यदि एप्लाई किया गया है तो उकसी क्या प्रोगेस है ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, ढाडा साहब ने ठीक सवाल किया है। हमने तीन भ्ागर मिल्ज लगाने के लिए भारत सरकार को लिखा है और ये मिले एक गोहाना, एक कैथल और

एक भूना मे लगाने का विचार है। इनके लिए हमने रिमाइडर भी दिये है और जबानी भी बातचीत की है। भारत सरकार ने इन के बारे मे अगले सितम्बर मे अपनी पालिसी तय करनी है। हमारे ऐग्रीक्लचर मिनिस्टर राव वीरेन्द्र सिंह जब भााहबाद मे आये थे, तो स्पीकर साहब, आपके सामने उनसे कहा था कि मेहरबानी करके तीन भुगर मिलो की मजूरी दे दी जाए क्योकि ये मिले प्रान्त से जरूर लगनी चाहिए। इसी तरह से श्री बुटा सिह जी ने जब जींद मे आये थे। तो उनसे भी कहा था कि तीन मिले लगनी जरूरी है ताकि किसानो को गन्ने का ठीक भाव मिल सके।

श्रीमती बसंन्ती देवीः स्पीकर साहब, मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमारे यह टैक्नीकल आदमी अवेलेबल नही है। क्या हम हमे ाा ही बारह से आदमी लेते रहेगे ? क्यो नही अपने आदमियो को ट्रेनिंग के लिए बारह भेजा जाता या जो भूगर मिले पहले से लगी हुई है, उन मे लगाया जाता ताकि वे ट्रेनिंग ले सके ?

डा0 भीम सिंह दहियाः स्पीकर साहब, मेरा सप्लीमैटरी भी इसके साथ ही मिलता जुलता है इस पर मुख्यमंत्री जी इकटठा ही जवाब दे देगें। मै जानता चाहता हू कि क्या सरकार ने कोई नीति निर्धारित कर रखी है कि किन किन कैटेगरीज के लिए हरियाणा से लोग लिये जाएगे और किन कैटगरीज के लिए ओपन मार्किट के लिये जाएगे या जिस इलाके मे भुग्र मिल या कोई ऐसी नीति निधार्रित की है, अगर की है तो क्या हाउस की जानकारी के लिए बातयेगे ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, दहिया साहब काबिल व्यक्ति है और सुलझे हुए है। आप जानते है कि अप्वाइमैंट करते समय स्टेट आदमी लिए जायेगे या बाहर के लिए जाएगे इस बात का ध्यान नही रखा जाता। स्पीकर साहब, भारत सरकार की यह नीति है कि जहां पर कोई पोस्ट निकलती है उस के लिए हर प्रान्त का निवासी ऐप्लाई कर सकता है टैस्ट मे अपीयर हो सकता है और इन्टरव्यू मे आ सकता है इस मे सोचने की बात यह है कि सिलैक ान करने वाला व्यक्ति कौन सा व्यक्ति लेना चाहते है। वैसे कोि ा ा यह होती है कि अपनी स्टेट वालो को लिया जाए, लेकिन स्टेट मे कई बार टैक्नीकल आदमी नही मिलते या वे टैस्ट क्वालिफाई नही करते, तब बाहर की आदमी लेते है। जंहां तक यह सवाल है कि टैक्नीकल आदमी यहा क्यो नही होते, 90 परसैट टैक्नीकल आदमी जिन मे इजीनियर भाामिल है डाक्टर है वे हमारे स्टेट के पहले ही लिए हुए है। जब मजबूरी मे नही मिलते, तब बाहर से लेने पडते है।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मुख्यमंत्री जी ने बडी डिटेल मे जवाब दिया और अपनी कारगुजारी को छुपाने के लिए बडी कोि ा ा की। इन्होने यह कहा कि टैक्नीकल हैडज मजबूर मे बाहर से लिये हैं। मै आपके द्धारा चौधरी भजन लाल जी से कहना चाहता हू कि बोल लीजिए वह भाशा जो आपकी आती है।(व्यवधान)

चौधरी भजन लालः कहे तो पजाबी मे बोल दू मुल्तानी मे बोल दू ?

श्री मंलग सैनः आप तो मुल्तानी मे भी बोले देगे। स्पीकर साहब, मै आपके द्वारा मुख्यमंत्री जी से जानना चाहूगा कि इन्होने स्अेटमैट के नम्बर 1 पर एक चीफ इजीनियर रखे हैं जो सीता पूर यू0पी0 के रहने वाले है। इनको 11.7.1983 को रिकूट किया था। इसके आगे लिखा है सिन्स लैफट यानी वे चले गये दुनिया से चले गये या नौकरी छोड कर चले गये यह ले जाने।

श्री अध्यक्षः डा0 साहब वे छोड गये है।

श्री मगल सैनः स्पीकर साहब, आपको जानकारी पूरी है लेकिन आपकी मजबूरी है आप इस कुर्सी पर बैठे हैक आपकी पोजी ान ऐसी है कि आप सप्लीमेटरी नही पूछ सकते । हा मै कह रहा था कि अगले जो महानुभाव है वे आई0एन0 खन्ना, चीफ इजीनियरग ये अजीत नगर, पटियाला के है और इनको 23.1.1984 को भर्ती किया है। इन्होने मकैनिकल इजीनियरिंग मे डिप्लोमा किया हुआ है। इनके आगे लिखा है सिन्स लैफट। वे भी चले गये आपको भाब्दो मे भाग गये। तीसरे नम्बर पर आते है आर0एस0 सूलजा, एस0ई0 कौ ालपुरी, कानपुर के रखे थे। वे बी0एस0सी0, इलैक्ट्रिकल, ए0एम0आई0 है जिनको 2.2.1985 को रखा था । अपको भाब्दो मे वे भी भाग गये। चौथे नम्बर पर आते है एम0पी सांगल। इनको 20.6.1984 को रखा था, आपके भाब्दो मे वे भी

भाग गए। पाचवे नम्बर पर है एम0 गर्ग ये हरियाणा के है । इनको रखा था 5.8.1983 को लेकिन इनके नाम के आगे लिखा है रिवार्टिड टू पेरेट डिपार्टमैट। छठे नम्बर पर है एस0के0 अग्रवाल जो अम्बाला के रहने वाले थे और चीफ अकाडटस आफिसर थे। ये बी0एस0सी0 एम0डी0 थे। इनको 7.2.1984 को रखा था लेकिन इनके सामने लिखा है रिवार्टिड टू पेरेट डिपार्टमैट । इनको बाहर से भर्ती नही किया ये डेपुटे ान पर थे। .....

श्री अध्यक्षः ये रिमार्क्स रिकार्ड न किए जाए।

श्री मंगल सैनः तो स्पीकर साहब, मै मुख्य मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि एप्वायटमैंट करने के बाद आपके साथी, जो छोड कर चले गये, वे क्यो चले गये ? जिन लोगो पर भरोसा ही नही था वे रखे ही क्यो गये थे, क्या आप हाउस के मैम्बरान को जवाब देकर एनलाइटन करेगे ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, डा0 साहब ने लच्छेदार बात हाउस मे कहने की कोि ा ा की और अपनी सेहत ठीक करने की कोि ा ा की । डा0 साहब ने बहुत सी बाते ऐसी कही है जो मूल प्र ान से ताल्लुक ही नही रखती। डा0 साहब मै आपका बताना चाहता हू कि वे क्यो भाग गये। जब कोई आदमी काम लेने की कोि ा ा करता है तो जो इन्चार्ज होता है, वह देखता है कि यह आदमी ठीक काम कर सकता है या नही। हो सकता है वे काम ठीक न कर पाये हो, तक चले गये । वह भी हो

सकता है कि उनका ज्ञान उस काम है कि टैक्नीलक आदमी छाट कर लेने पडते है वि ोशकर डा0 और इजीनियर छाट कर लिये जाते है इन मे यह नही देखा जाता है वह आदमी कहा का रहने वाला है कैसे और क्यो आय। इन्टरव्यू लेने वाले व्यक्ति एक एक बात की तह से जाकर सोच कर, समझकर सिलैक ान करते है कि आया वह इस काम को कर सकता। इस मे भेदभाव का कोई सवाल नही है।

Mr. Speaker: Question Hour is over.

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये ताराकित प्र ानो के लिखित उतर

Deaths caused by Rabies

***898 Shri Neki Ram:** Will the Minister of State for health be pleased to state the number of dog bite cases reported in the State during the year 1983-84 togehterwith the number and details of the deaths; if any, occurred during the said year due to rabies ?

स्वास्थय राज्य मंत्री (श्रीमती करतार देवी): निदे ाक स्वास्थय सेवाओ के पास कैलेण्डर वर्श 1983 मे 12413 तथा वर्श 1984 मे 12784 कुते काटे के केसो की सूचना उपलब्ध है। इन दो वर्शो मे जन आतक रेवीज के 9 केस रिपोर्ट हुए जो सारे के सारे उपचार के लिये राज्य से बाहर रैफर किये गए। मृतको का विवरण उपलब्ध नही है।

Supply of Electricitiy to Delhi\Uttar Pradesh

***899 Chaudhri Om Parkash:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

(a) the monthwise quartum of electricity supplied by the Haryana State to Uttar Pardesh and Delhi during the period form 1-4-184 to date; and

(b) whether there is any proposla under conisderation of the Government to stop the supply of Electricitiy from Haryana to the states] referred to in part (b) above, to tide over teh power crisis in the State ?

सिचाई तथा बिजली मंत्री चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवालाः

(क) भून्य

(ख) प्र ान नही उठता है।

Appointments in Hospitallity Organisation

***893 Shri Ram Billas Sharma:** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the number of persons appointed on cllass III and IV posts in the Hospitality Organisation, Haryana, during the period form January 1, 1981 to December 1984; and

(b) the procdured adopted for their appointment ?

मुख्यमंत्री चौधरी भजन लालः

क	कुल	तृतीय श्रेणी	चतुर्थ श्रेणी
	52	11	41

(ख) कर्मचारियो की नियुक्तियों एस0एस0एस0 बोर्ड हरियाणा रोजगार विभाग, हरियाणा राज्य सैनिक बोर्ड, हरियाणा, सरपल्स स्टाफ आफ सैसिस आप्रे ान हरियाणा के द्वारा सिफारि ा किए गए व्यक्तियो मे से और रोजगार विभाग से अप्राप्यतर प्रमाण पत्र प्राप्त करने के प चात ओपन मार्किट से की गई।

Nathpa Jhakri Power Project

***804 Shri Kanwal Singh:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) whether the Government is aware of any proposal to hand over the execution of Nathpa Jhakri Power project to the National Hydro Electric Power Corporation; and

(b) if so, full details ther of?

सिचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला):

(क) जी हा।

(ख) नाथपा झाकडी विधुत परियोजना जिसको पहले सयुक्त रूप से हरियाणा और हिमाचल प्रदे ा और भारत सरकार के राश्ट्रीय जलीय विधुत निगम द्वारा निर्माण करने का प्रस्ताव था

अब केवल सयुक्त रूप से हिमाचल प्रदे ा तथा राश्ट्रीय विधुत निगम द्वारा निर्माण करने का फेसला हुआ है। यह फेसला दिनांक 28.6.1984 को सचिव विधुत, उर्जा मंत्रालय द्वारा बुलाई गई बैठक मे हरियाणा मे वितीय सीमित साधनो को ध्यान मे रखते हुए किया गया है जैसे हरियाणा ऐलोके ान/खरीद की प्राथमिकता के आधार पर कम से कम 30–35 प्रति ात के अपने हिस्से को दावा बनाए रख रहा है।

Yamuna Nagar Hydel Project

***801 Chaudhri Balvir Singh Grewal:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state the date by which the Yamuna Nagar Hydel Project is likely to be completed toghetherwith the details of teh progress, if any, made for the construcation of the said project?

सिचाई तथा बिजली मंत्री चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवालाः यमुनानगर जल विधुत परियोजना दिसम्बर, 1987 तक पूर्ण होने की सभावना है। प्रगति का विवरण सदन के पटल पर रखा जाता है।

विवरण

पि चमी यमुना नहर जलीय विधुत परियोजना पर पावर हाउसो के चालू होने के लिए नवीनतम सूची निम्न प्रकार से है–

पावर हाउस ''ए''

यूनिट – 1	दिसम्बर 1985
यूनिट–2	मार्च 1986

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारकित प्र ानो के लिखित उतर (3)

पावर हाउस ''बी''

यूनिट – 1	जून, 1986
यूनिट–2	सितम्बर, 1986

पावर हाउस ''सी''

यूनिट – 1	सितम्बर, 1987
यूनिट–2	दिसम्बर , 1987

2. परियोजना की मुख्य गतिविधियो की नवीनतम प्रगति निम्न प्रकार से है:–

हैड, रैगुलेटर, सिल्ट इजैक्टर और हाईडल चैनल का कार्य पूर्ण होने की अग्रिम अवस्था मे है। आस ड्रेनेज एवम पूलो का कार्य पूर्ण हो चुका है।

2. **पावर हाउस ''ए''**

पावर हाउस ''ए'' का निमार्ण कार्य जिसमे बाई पास चैनल सम्मिलित है पहले ही प्रगती मे है और 2 या 3 महनो मे पूरा होना सभावित है जबकि विधुत संबधी मकैनिकल कार्य जापानी इजीनियरो की देख रेख मे किया जाएगा।

पावर हाउस ''बी''

निर्माण कार्यो की प्रगति सतोशजनक हैं। विधुतीय मकैनिकल कार्य अक्तूबर 1985 तक आरम्भ हो जाना सभावित है और पावर हाउस लक्ष्य के अनुसार चालू होना सभावित है।

पावर हाउस ''सी''

इस पावर हाउस का प्रारम्भिक कार्य पहले ही प्रगति मे है।

Spenning Mills Hansi

***807 Smt. Chandravati:** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the expedniture incurred and income accured to the Spinning Mills, Hansi during the years 1980-81, 1981-82, 1982-83 and 1983-84.

Smt Chandravati.

(b) the details of items, including replacement and repair of machinery,on which the said expenditure has been incurred;

(c) the names and address of the firms form which the raw material and synthetic fibre except cotton used in spinning was purchased together with teh amount paid for the years as referred to in part (a) above ;

(d) the names of the person who remained as Managers in the said Mills during the years as refferred to in part (b) above; and

(c) the names of the Managers, if any, out of those referred to in pard (d) above, as have left the service together with the reasons for their leaving the service ?

Ineterim Reply

" Bhajan Lal	D.O No. AQ C-VI 85/7750
	Chief Minister Haryana,
	Chandigarh
	March 11, 1985

Dear S, Tara Singh Ji,

Kindly refer to the Starred Assembly Question No. 807 asked by Smt. Chandrwati M.L.A regarding Spinning Mills, Hansi which is due for answer in the Haryana Vidhan Sarbha on 12-3-1985.

2. In this connection I am to inform you that the desired information is being collected form the Mills and there is a possibility for it to take some more time. It is, therefore, requested that an extension for 10 days may please be accorded.

with regards

	Yours Sincerely/ Sd/- (Bhajan Lal)
Shri Tara Singh, Speaker, Haryana Vidhan Sabha, Chandigarh	

अतारांकित प्र ान उतर

Revial of Zila Parishad Institution in the State

***167. Chaudhri Om Parkash:** Will the Minister of State for Animal Husbandry be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to revive the institution of Zile Parishad in the State; if so, the time by which the aforesaid proposal is likely to materialise?

विकास मंत्री (चौधरी राजेन्द्र सिंह): नही।

Stadium at Rohtak

168. Chaudhri Om Parkash: Will the Minister of State for Transport be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to contruct a stadium in Rohatk City; and

(b) if repaly to part (a) be in the affirmative, whether land for the said stadium has been acquired if so; the time be which the consideration work thereof is likely to be started and completed ?

परिवहन मंत्री(चौधरी चन्दा सिंह)

(क) हां।

(ख) स्टेडियम के लिए भूमि पहले ही से उपलब्ध है तथा स्टेडियम निर्माण का कार्य आरम्भ हो चुका है यह बताना सभव नही है कि स्टेडियम का निमार्ण कार्य कब तक पूर्ण ही जायेगा।

Contruction of Bhambhewa Karor Road

169. Chaudhri Om Parkash: Will the Minister for P.W.D (B&R) be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct the Bhambhewa karor Road in district Rohtak; and

(b) if so, the time by which the afore said road in likely to be constructed ?

लोक निमार्ण मंत्री (श्री अमर सिंह):

(क) जी हां।

(ख) जून , 1986।

Contruction of Bhambhewa Karor Road

169. Chaudhri Om Parkash: Will the Minister for Irrigation Power be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a bridge on Drain No. 8 at Village Bakra in Distt. Rohtak; and

(b) if so, the time by which the aforesaid bridge is likely to be constructed ?

लोक निमार्ण मंत्री (श्री अमर सिंह):

(क) जी हां।

(ख) पूल का निमार्ण कार्य दिसम्बर, 1986 तक पूर्ण होने की सभावना है।

Agriculture Custodian Land

153* Prof. Samat Singh: Will the Minister of State for Revenue and Home be pleased to state—

(a) the names and address of the persons, if any, allotted Agriculture custodian land during the period from 1-1-1980 to date in the State together with the acreage of such allotted land, and the names of pleaces where the said lands are situated in each cases:

(b) the names and address of the persons, if any, allotted Wakf and Custodian residential lands on lease basis

in District Hissar togherwith the area of such land in each case during teh period from 1-1-1980 to date:

(c) whether the Government is aware of the fact that some of the allottees, as referred to in part (a) above, have given power of Attorney in favour of other persons in respect of the said lands; is so, the names and address of such allottees toghetherwith the names and address of the person in whose favour the Power of Attorney has been given during the said period; and

(d) whether the Government is aware of the fact that some of the persons who got Power of Attorney in repect of the lands referred to in part (a) above sold those lands; if so, the number of such sake cases togehter the amount revieved in such case in the state durig the period from 1-1-1980 to date ?

Interim Reply

"Lachman Dass Arora, Minister of State for home & Rehabiliation	D.O No. 376/DSA
	Haryan Government Depatment of Rehabilliation
	Dated Chandigah the 8th March 1985

Subject: Unstarred Assembly question No. 153 regarding the Agriculture evacuee land by Professor Smapt Singh M.L.A

Dear Sir Tara Singh Ji,

Unstarred Assemble question No. 153 regardign the Agriculture evacuee land by Professor Smapt Singh M.L.A has been fixed for reply on the Floor of the House on 12-3-1985. I have gone through this question which needs information in foru parts. This question relates to teh allotment to the claimants or their attorneys. Inforamtion has been asked about the wakf and custodian residential land given on lease basis in Hissar District. Besiedes, it has also been asked if teh evancuee land allotted by the Depatment to the claimants or their attorneys has been disposed of by them, if so, the amount fatched togehterwith the names and address of such persons. It will be noted that the Rehabilitation Department has been alloting Agriculture land to the claimants or their attorneys in accordance with rules and this work is spred over whole the Haryana State. Afeter the allotment of evacuee Depatment to know whether such claimants have retained their land with them or they have further disposed of according to their own requriements.Obvioulsy it would not be possible for the Rechabiliation Department to ascertarin this iformation which related to more than 5 years and also is spread over whole of Haryana State, specially when the department does nto keep track of any transactions effected after the allotment of evacuee land.

In these circumstances, it would not be possible to given reply to the question on the fixed date namely 12-3-1985. According I would request to grant extension of atleast one and half month so that efforts are made to collect the information of the said Assemble question.

	Yours Sincerely Sd/- Lachman Dass Arora
Shri Tara Singh, Speaker, Haryana Vidhan Sabha, Chandigarh	

Selection made by the Public Service Commission

175. Prof. Sampat Singh: Will the Chief Minister be pleased to state the post wise names, addresses and qutalification with deivisons, of the persons recommended by the Haryana Public Service Commission during teh period form 1-1-1983 to date for selection to various posts?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

इस सूचना की इकटठी करने मे जो समय और परिश्रम लगेगा वह इस सूचना के माध्यम से प्राप्त हो सकने वाले उद्दे ायो के अनुरूप न होगा।

Consideration of roads by the Agriculture Markiting Board

182. Prof Sampat Singh: Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether any roads have been consideration in the State by the Haryana State Agriculture Marketing Board during the year 1984-85; and

(b) if so, consituency wise total lenght of such roads thogheterwith their names, if any, and the expenditure incurred thereon ?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) जी हां।

(ख) वाछित सूचना सलग्न विवरण मे दी गई है।

क्रम सख्या	निर्वाचन क्षेत्र का नाम जिले का नाम (ब्रेकट मे)	सडक का नाम	1984–85 मे 28.2. 1985 तक बनाई गई सडको की लम्बाई किलोमीटर मे	1984–85 मे 28.2. 1985 तक हुआ खर्चा
1	2	3	4	5
1.	उचाना (जीन्द)	गांव भोदा माजरा से अनाज मण्डी उचाना	4.03	3.12

		तक जाने वाली सडक		
2.	जीन्द (जीन्द)	सोमनाथ मन्दिर मे कण्डेला पुल, अनाज मण्डी जीन्द तक जाने वाली सडक	1.12	1.68
3.	नरवाना (जीन्द)	नरवाना जीन्द सडक से नई अनाज मण्डी नवाना तक बक्ख ी सिनेमा व माडल टाऊन के रास्ते जाती हुई सडक	0.955	2.50
		जीन्द जिला को जोड	6.105	7.30
4.	रोरी (सिरसा)	1. उधान से नोहयवाली तक सडक	5.5	0.97

		2. नई अनाज मण्डी कलावाली से पेराफेरी सडक	1.5	0.68
5.	डरवा(सिरसा)	नई अनाज मण्डी मालकेन मे अन्दर की सडक	3.00	0.52
6.	डबवाली (सिरसा)	1. डबवाली सब यार्ड से चौतान सडक बस स्टैण्ड के साथ चौडी व मजबूत की गई सडक	0.70	0.36
		2. चौतान सडक डबवाली मे बी0एड0 कालेज के रास्ते जाती हुई सडक जो चौडी व मजबूत की गई	0.70	0.46

		3. डबवाली से ने ानल हाईवे 10 से सब यार्ड तक एपरोच रोड जिसकी साईडनिंग की गई व मजबूत किया गया	0.20	2.31
			11.60	3.30
7.	बालसमन्द हिसार	क्रय केन्द्र मांगली केवल सडक	0.30	0.50
8.	हांसी हिसार	1. हासी मे खरड चुगी से समाधा मण्डी तक सडक	0.80	3.00
		2. हांसी से दुर्गा कालोनी व रूपनगर के रास्ते से हिसार चुंगी से सेकोन मण्डी तक जाने	1.00	.....

		वाली सडक		
		3. हांसी से जीन्द चौक से काली देवी मन्दिर तक चौडी व मजबूत की गई सडक	1.00 (केवल मिट्टी कार्य)	.....
9.	टोहान (हिसार)	1. नई अनाज मण्डी टोहाना की भीतरी सडको को मजबूत करना	0.80	1.50
		2. पुरानी अनाज मण्डी की भीतरी सडको को मजबूत करना	0.60	.....
		3. क्रय केन्द्र नानहेरी केवल सडक	0.30	0.75
		4. क्रय केन्द्र	1.30	2.00

		भाखा केवल सडक		
10	फतेहबाद (हिसार)	1. सब्जी मण्डी फतेहबाद की जाने वाली सडक जो चोडी मजबूत की गई	1.30	2.00
		2. फतेहबाद की बाहरी सडको की रेलिंग व मजबूती	1.00	1.25
		3. क्रय केन्द्र ठाघर केवल सडक	0.30	0.50
		4. क्रय केन्द्र मोहम्मदपुर रोही केवल सडक	0.30	0.50
11.	हिसार (हिसार)	1. अतिरिक्त मण्डी हिसार की भीतरी सडको को मजबूत किया	0.50	2.26

		गया		
		2. डाबलिंग मे क्रय केन्द्र केवल सडक	0.30	0.50
	हिसार जिला का जोड		8.50	12.31
12.	भिवानी(भिवानी)	1. तो ाम भिवानी बाई पास सडक से अनाज मण्डी भिवानी तक सडक	.....	1.90 1983.84 मे हुए कार्या की कुछ अदायगी की गई है ।
		2. दिनोद गांव से अनाज मण्डी भिवानी तक सडक	2.00	2.70
13.	दादरी	नारनौल भिवानी बाई पास सडक	1.5	2.20

	(भिवानी)	से राम बाग दादरी तक		
14.	तो ाम (भिवानी)	जुई मण्डी की भीतरी सडके	1.00	1.00
15.	भिवानी खेडा (भिवानी)	भिवानी खेडा गांव से अनाज मण्डी भिवानी खेडा तक सडक	1.00	2.00
	भिवानी जिला को जोड		5.50	9.80
16.	नारनौल (महेन्द्रगढ)	अनाज मण्डी नारनौल से सब्जी मण्डी नारनौल की सडक जो चौडी की गई	1.50	3.50
	महेन्द्रगढ जिला को जोड		1.50	3.50
17.	रोहतक	1. नई चारा मण्डी से	0.75	2.50

	(रोहतक)	सरकुलर रोड, रोहतक तक की सडक जो ऊंची व मजबूत की गई		
		2. पुरानी सब्जी मण्डी से चारा मण्डी तक सडक को उंचार व मजबूत करना व साथ मे नई अनाज मण्डी के साथ लिक बनाा	0.75	2.00
18.	बादली (रोहतक)	क्रय केन्द्र बादली मे इन्फास्ट्रकचरल सुविधाए सडक भाग	0.25	0.32
19.	हसनगढ (रोहतक)	रोहतक झज्जर सडक से क्रय केन्द्र गांव मेना	0.41	0.50

		तक बनाई गई सडक		
20.	झज्जर (रोहतक)	ट्रक यूनियन से मेजर दराओ सिंह की कोठी तक बनाई गई आईस फैक्ट्री रोड	0.28	035
21.	कलानौर (रोहतक)	1. क्रय केन्द्र मदीना मे इन्फास्ट्रकचरल चरल सुविधाए सडक भाग	0.28	0.35
		2. गांव बसाना से नई अनाज मण्डी कलानौर तक सडक	2.37	3.74
		3. रोहतक भिवानी सडक से अनाज मण्डी कलानौर तक	0.84	1.43

		सडक व ड्रेन		
22.	बेरी (रोहतक)	नई अनाज मण्डी बेरी मे मैटलड सडक	0.91	2.90
	रोहतक जिला का जोड		7.34	16.48
23.	भााहबाद (कुरूक्षेत्र)	1. लाडवा रोड से नई अनाजमण्डी भााहबाद तक सडक	0.25	1.14
		2. भााहबाद से सरबतभवन से रास्ते लाडवा बबैन सडक	0.60	0.69
24.	कैथल (कुरूक्षेत्र)	कैथल कुरूश्रेत्र मे क्रय क्योरक तक सडक	4.56 किलामीटर सडक पर मिट्टी तथा पुलिया	2.24

			बनाने का कार्य पूर्ण हो चुका है	
25.	पुण्डरी (कुरूक्षेत्र)	कौल से सब यार्ड तक सडक	0.304	0.89
	कुरूक्षेत्र जिला का जोड कुल जोड		1.154	4.96
	कुल जोड		41.699	57.65

Discretionary Grant of the Chief Minister

***183 Prof. Sampat Singh:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) total amount of discretionary grant placed at the disposal of the chief Minister for utilisation during the year 1984-85:

(b) the total amount of grnats, out of the discretionary gants as referred to in part (a) above, announced for disbursement at various places the above said year: and

(c) the details of the grans, out of the grnats as referred to in part (b) above, as have actullay been disbursed togetheriwith the said grants have been disbursed ?

विकास मंत्री (चौधरी राजिन्द्र सिंह)

(क) 700000 रूपये

(ख) 459000 रूपये

(ग)	कार्य की स्थिति	वितरित राि ा रूपये	कार्य के स्थान का नाम
1	2	3	4
1.	लाइब्रेरी की पुस्तके तथा फरनीचर खरीदने के लिए	21000	बार एसोसिए ान हांसी जिला हिसार
2.	हरिजन चौपाल(चमारान) बनाने हेतू	10000	गांव रावलवास कला, जिला हिसार
3.	धर्म ाला बनाने हेतू	10000	गांव कैमरी, जिला हिसार
4.	कार्याकाल के लिए फरनीचर तथा अन्य कार्यालय सम्बन्धी सामग्री खरीदने हेतू	11000	अखिल भारतीय नेहरू विचार मंच, हिसार

5.	धर्म ाला बनाने हेतू	10000	गाव न्योली कंला, जिला हिसार
6.	पंचायत भवन बनाने हेतू	20000	गांव जाखोद खेडा, जिला हिसार
7.	स्कूल की चारदीवारी बनाने हेतु	10000	गांव बासडा, जिला हिसार
8.	स्कूल के भवन निमार्ण हेतु	11000	गांव पनिहार चक, जिला हिसार
9.	कुंड की मुरम्मत के लिए	5000	गांव पनिहार चक, जिला हिसार
10.	उर्दू भाशा की प्रगति के लिए	5000	भयाम–ए–बहार ट्रस्ट अम्बाला छावनी
11.	कबडडी खेल के विकास हेतु	10000	ए यन एमेच्योर सर्कल कबडडी फैडरे ान पचकूला
12.	फन्क ानल टीचिंग तथा अन्य उपरकण खरीदने के लिए	10000	ि ावा पब्लिक स्कूल चण्डीगढ

13.	भवन निमार्ण के लिए	200000	सैन्टर फार रिसर्च इन रूरल एण्ड इन्डस्ट्रीयल डिवैल्पमैट चण्डीगढ
14.	स्कूल के भवन निमार्ण हेतु	110000	आर्य समान स्कूल नीलाखेडी।
15.	स्कूल के भवन निमार्ण के लिए	110000	गुरू नानक मिडिल स्कूल नीला खेडी।
16.	विकास कार्या के लिए	25000	ललिता भाास्त्री एस0डी0 गर्ल्ज कालेज, नीलाखेडी।
17.	लाईब्रेरी की पुस्तके तथा फरनीचर खरीदने हेतु	31000	बार एसोसिए ान भिवानी
18.	ए0आई0सी0सी0 आई0 के कम वेतन पाने वाले स्टाफ मैम्बर्ज के लिए मकान बनाने हेतु	11000	न्यू प्रियाद ानी ग्रुप हाऊसिंग सोसायटी रजिस्टर्ड नई दिल्ली।

19.	26.1.1985 को गणतन्त्र दिवस समारोह मे भाग लेने वाले स्कूल के विधार्थियो को मिठाई बाटने हेतु	5000	फरीदाबाद

Complaint against I.P.S, Officer

181 Shri Hari Nann Arya: Will the Minister of State for Reveune and Home be pleased to state-

(a) whethr and complaint, containing the allegations of accumulating property/purchasing agricultural land in the name of parents, has been received against any Superintendent of Police (I.P.C) in the State, during the year 1984-85; and

(b) if so, the action, if any, taken or proposed to be taken thereon ?

राजस्व राज्य मंत्री(श्री लछमन दास):

(क) हां,

(ख) मामला सरकार के विचारधीन है।

अध्यक्ष द्वारा रूलिंग

समय के किसी सदस्य द्वारा किसी अन्य सदस्य को धमकी देने या धमकाने सम्बन्धी।

Mr. Speaker: Hon'ble Members, yesterday, I reserved my ruling on a point of order as to whether any other Members of the House could hold out therats or threten any other member in the House.

I have carefully gone into the proceeding of the House and have alos studied the matter at length.

From a perusal of the procedings of the House, I found that there had been mutual recreminations between the Members on both sides and I have decided to expunge all these unparliamentary and undignified words from the proceedings the House.

I rule that no member has got any right to threten any other member in the House However, It is but natural that in the case of grave provocation human-beings as we are, are bound to react.

I would, therefore, appeal to all sections of the Hosuse to exercise restraint in their conduct in the House so that the proceedings could be conducted with dignity and decrum.

प्वायंट आफ आर्डर–

उपर्युक्त रूलिंग को री कसिडर करने सम्बन्धी

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, आन ए प्वायट आफ आर्डर। मै इस पर कुछ कहना चाहती हू। आपकी इजाजत मै आपके नोटिस मे लाना चाहती हूं कि कल मुख्यमंत्री जी ने जो

गाली दी, थी वह आज अखबार मे आई है। मै हाउस मे मुआफी मांगे मै आपके नोटिस मे यह बात लाना चाहती थी।

Shri Mangal Sein: -----------------------------

Mr. Speaker: Please sit down. यह रिकार्ड न किया जाए।

Shri Mangal Sein: ----------------------------- (Interruption)

श्री अध्यक्षः डा0 साहब आप बैठिए। (व्यवधान) Please sit down.

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब आप मेरी बात सुन लीजिए.......... (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मेरी इजाजत के बगैर जो बोल रहे है वह रिकार्ड न किया जाए। (व्यवधान) Please sit down. मैने यह रूलिंग सारी प्रोसीडिग्ज पढ कर दी है दोना तरफ से कोई कमी नही छोडी गई ।(व्यवधान)

श्री मंगल सैनः पहले बात किसने भाुरू की थी ?(व्यवधान)

श्री अध्यक्षः काफी गलत लफज आपकी तरफ से भी आए है।

श्री मंगल सैनः आप उन्हे भाील्ड न करे।

श्री अध्यक्षः मै किसी को भील्ड नही करता। जो कुछ हुआ बुरा हुआ । दोनो तरफ से बुरा हुआ। आंयदा ऐसा नही होना चाहिए।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, उन्हे हाउस मे माफी मांगनी चाहिए। (विघ्न)

Shri Mangal Sein: Sir, Kindly ask him to withdraw those words.

Mr. Speaker: When I have expunged all those words, what will he withdraw?

श्रीमती चन्द्रावतीः क्या एक चीज मिनिस्टर को यह भाोभा देता है कि वह इस तरह से एक आनरेबल मैम्बर की गलियां दे? He should feel regret to the House.

श्री अध्यक्षः मैडम, आप लीडर आफ दि अपोजी ान है। आपने कई दफा यह बात कह ली। आप एक दफा कह ले, तो दफा कहा ले। क्या 20 दफा एक ही बात कहना ठीक होता है ?

श्रीमती चन्द्रावतीः इनको चाहिए कि वे हाउस मे माफी मांगे क्योकि यह बात अखबार मे आ चुकी है।

Mr. Speaker: I have expunged all the objectonalble words और अखबार वाले यह भी देख रहे है और सुन रहे है कि उन भाब्दो को मैने ऐक्सपंज कर दिया हैं अब आप सब बैठिए।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, बात यह है कि आपकी रूलिग के बाद हमारी कोई अजान नही, हमार कोई इरादा नही कि हम उसके बारे मे कुछ कहने की गुस्ताखी करे। रिकार्ड पर एक बात आई है। सारे हिन्दुस्तान के लोगो ने इसे पढा है क्योकि ट्रिब्यून जैसे अखबार मे, जो एक पापुलर अखबार है यह बात छपी है स्पीकर साहब, मुख्यमंत्री जी इस तरह के भाब्द इस्तेमाल करे और आप केवल यह बात कहे कि आपने उन भाब्दो को ऐक्सपंज कर दिया है। यह कोई बात नही। मै आपके फैसले को चैलेन्ज नही करता लेकिन आपसे प्रार्थना करता हूं कि आप कृपया अपने फैसले को रिव्यू करे। इन्हे आपसे और सदन मे माफी मांगनी चाहिए।

सिचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ोर सिंह सुरेजवाला)ः स्पीकर साहब, आपने जो रूलिग दी है, वह बहुत अच्छी रूलिंग है और ट्रेजरी बैचिज की तरफ से मै आपको पूरे कोआप्रे ान का यकीन दिलाता हूं अध्यक्ष महोदय, मै विपक्ष के सदस्यो से भी दरखास्त करूंगा और तवक्कों करूगां कि आपकी रूलिंग मे जिन जजबात का इजहार किया गया है। उन पर ये अमल करेगे, हाउस की डिगनिटी और डैकोरम को बनाए रखेगे और हाउस को अच्छी तरह से चलाने मे सहयोग देगे।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, हम कोई अनपार्लियमैटरी बात नही है क्या यह हाउस के डैकोरम की बात है अगर एक व्यक्ति मुख्यमंत्री होकर इस तरह की भददी भाशा

बोलता है और यह अखबार मे आती है। इसने पहले डिफैक ान से सारे हरियाणा का नाम बदनाम किया और अब गालिया देता है इतनी बात होने के बावजूद भी चीफ मिनिस्टर माफी न मांगे यह कोई ठीक बात नही। स्पीकर साहब, आपकी रूलिंग की मै इज्जत करती हू लेकिन जनाब जो भाब्द अखबार मे आ गए है उनके लिए मुख्यमंत्री को माफी मांगती चाहिए या उन भाब्दो को विदड्रा करना चाहिए।

श्री अध्यक्षः मैडम, आपने अभी अभी बोलते हुए मुख्यमंत्री जी के बारे मे जो ऐडजीक्टिव प्रयोग किए है और कहा है कि वह ऐसा करता है यह ऐसा बोलता है क्या ऐसी भाशा मे लीडर और आफ दि हाउस को ऐड्रैस करना आपको भाोभा देता है। आपकी तरफ से जो बाते कही गई है उन्हे आप प्रोसीडिग्ज पढ कर देख लीजिए बात भाुरू किसने की और क्या क्या अलफाज इस्तेमाल किए गए यह सब रिकार्ड पर है। मै तो उस वक्त हाउस मे नही था लेकिन कुछ यह हुआ है उसे मैने प्रोसीडिग्ज से पढा है। आप भी प्रोसीडिग्ज पढ लीजिए।

श्रीमती चन्द्रावतीः मैने तो स्पीकर साहब कुछ नही कहा था।

श्री अध्यक्षः आपने नही कहा लेकिन दूसरे मैम्बर्ज ने कहा है।

श्रीमती चन्द्रावतीः परन्तु स्पीकर साहब, मुख्यमंत्री अगर गलियो दे तो क्या वह अच्छी बात है ? (विघ्न)

श्री अध्यक्षः मेरी इजाजत के बिना अब जो भी बोला जाएगा वह रिकार्ड पर नही आएगा।

चौधरी भाम ोर सिह सुरजेवालाः आन ए प्वायट आफ आर्डर, सर मै आपकी रूलिग चाहता हू। स्पीकर साहब, जिन भाब्दो को हाउस की कार्यवाही मे से आपने ऐक्सपंज कर दिया है, क्या उनकी विदड्रायल के बारे मे ये आपसे रिक्वैस्ट कर सकते है ?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर सर, आपने रूलिग दे दी लेकिन ये इसका लायजज फायदा उठाना चाहते है। We are not challenging that rulirg. What we are pressing is this कि आपने तो वे भाब्द ऐक्सपंज कर दिए लेकिन जो बात अखबारात मे आ गई उसका क्या होगा ? एक मिनट के लिए अगर यह मान भी लिया जाए कि हमारी तरफ से पहल हुई थी लेकिन अखबारो मे तो यह कुछ नही छपा जबकि मुख्यमंत्री जी के भाब्द यू के यू अखबारो मे छप गए। इससे जो डैमेज हमे हो चुका है और एक आनरेबल मैम्बर का जो रैपुटे ान डैमेज हुआ हैं इसका भी कुछ इलाज होना चाहिए। बडे अफसोस से कहना पडता है कि चौधरी भजन लाल जी को इनके जो भाब्द अखबारो मे छपे है उसके बारे मे कोई फीलिग नही। इनको

ग्रेसफुली यह ऐक्सप्ट करना चाहिए था कि अगर गुस्से मे मेरे से कोई भाब्द निकल गया है तो मै उसको विदड्रा करता हूं लेकिन ये परसिन्ट कर रहे है और इनसिस्ट कर रहे है। इन बातो को ध्यान मे रखते हुए स्पीकर साहब, क्या उन भाब्दो को केवल कार्यवाही मे से ऐक्सपंज करना ही काफी होगा, यह कृपया आप रिव्यू कर ले। ज्यादती और पहल का जहा तक संबध है वह हमारी तरफ से नही हुई है। लेकिन फिर रिकार्ड को हम आपके साथ बैठकर पढ लेगे।

श्री निहाल सिंहः स्पीकर साहब, मै भी यही बात कहना चाहता था या जो श्री वीरेन्द्र सिंह ने कही है। आपने जिन भाब्दो को ऐक्सपज किया है। वे प्रैस मे आ चुके है। मेरा निवेदन है कि आने और प्रेस मे कोई ऐसी अन्डरस्टैडिग होनी चाहिए जिससे आयंदा ऐसा न हो। आपकी रूलिंग तो नैक्सट ड आएगी जबकि कार्यवाही पहले दिन छा जाएगी। ऐसी बात आयंदा भी हो सकती है यदि इसका कोई इलाज न हुआ।

श्री अध्यक्षः यह बात बैठ कर सोच लेगे।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, आपने बिल्कुल राईट जजमैट दिया है कि चीफ मिनिस्टर साहब को लैगबैज डैरोगेटरी थी।

श्री अध्यक्षः मेरा इजाजत के बिना अब जो बोला जाएगा वह रिकार्ड पर नही आएगा।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, फिर हमारे सबमि ान करने का फायदा ही क्या है अगर वह रिकार्ड पर नही आना है ?

श्री अध्यक्षः एक बात को बार बार रिपीट करने का क्या फायदा है ? इधर से ये खडे होते रहे और उधर से आप खडे हो जाए। How long will it contiune?

Shir Mangal Sein: With your kind permission, sir I would like to say that when I am speaking with your permission, my submission must be recorded.What i have siad Sir, is that you have rightly given your judgement after going through the derogatory language which was used by the Hon'ble Chief Minister yesterday.

Chaudhri Shamsher Singh Surjewala: The Hon'ble Speaker has never said it. आप उनके मुह से अपने भाब्द डाल रहे है। उन्होने तो कहा है कि हाउस मे दोनेा तरफ से such languang was used.

श्री मंगल सैनः मै कौन हू जो अपनी बात उनके मुह मे डालू। ऐसी गुस्ताखी तो आप ही कर सकते है। मेरी तो यह औकात ही नही है।

स्पीकर साहब, मै तो आपका बडा औबिडिएंट मैम्बर हूं। जब कभी आपकी आखं टेढी देखता हू तो बैठ जाता हू। तो मै यह रिक्वैस्ट कर रहा हू कि आपने बिल्कुल ठीक समझा कि चीफ मिनिस्टर के मुह से भाब्द डैरोगेटरी वे में इस्तेमाल हुए है और चूकि ये हाउस की प्रैस्टिज को अन्डर माइन करते है इसलिए

आपने उन्हे ऐक्सपंज कर दिया लेकिन स्पीकर साहब, रूल्ज आफ प्रोसीजर एण्ड कडक्ट आफ बिजनैस के तहत हम आपसे फरयाद तो कर सकते है।

श्री अध्यक्षः बिल्कुल कर सकते हैं।

श्री मंगल सैनः इसलिए मै रिक्वैस्ट कर रहा हू हम्बल सबमि ान कर रहा है कि आप अपने फैसले को रिव्यू कीजिए। स्पीकर साहब, आपका हाउस मे बडा भारी दर्जा है। आप इनको रैप्रिमान्उ किजिएगा ताकि ये आयंदा ऐसी गुस्ताखी ने करे। आप देखेगे कि आपके ऐसा करने से अखबारो मे ऐडीटोरियल आएगे। दुनिया तारीफ करेगी कि हरियाणा विधान सभा मे ऐसे लोग बैठे है।

श्री अध्यक्षः जो कुछ आनरेबल मैम्बर्ज के सैटिमैंटस है उनको मै दुबारा कसिंडर करूगा। अब आप कृपया हाउस को चलने दे।

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव

नारनौल व महेन्द्रगढ के क्षेत्रो मे पीने की समस्या सम्बन्धी।

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, मुझे श्री राम बिलास भार्मा की और से नारनौल और महेन्द्रगढ के एरियाज मे ड्रिकिग वाटर की प्रोब्लम के बारे मे काल अटैन ान मो ान का एक नोटिस

मिला है। मै उसे ऐडमिट करता हू। श्री राम बिलास भार्मा जी अपना नोटिस पढ दे। और मंत्री महोदय स्टेटमैट देना चाहे तो स्टेटमैंट दे दे।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, मै इस महान सदन का ध्यानएक लेाक महत्व के विशय की और दिलाना चाहता हू कि नारनौल तथा महेन्द्रगढ श्रेत्रो मे पीने के पानी की स्थिति इतनी खराब है कि जनता को पीने के पानी की भारी कमी का सामना करना पड रहा है। जन स्वास्थय विभाग की जल प्रदाय योजना तीन दिन या चार दिन मे केवल एक ही बार पीने का पानी सप्लाई कर रही है। इस कारण से लोगो को गन्दे पानी का उपयोग करने के लिए बाध्य होना पडा है तथा किसी भी समय केाई महामारी फैल सकती है। मै चाहता हू कि इस महान सदन मे इस पर चर्चा की जाए तथा हरियाणा सरकार अपनी स्थिति स्पश्ट करे तथा जनता को सहायता दे।

11.00 बजे।

मुख्यमंत्री चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इसका जवाब 14 तारीख को दे देगे।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब कैनाल वाटर और बिजली की कम सप्लाई की वजह से सारे हरियाणा मे फैमिन क्रियेट होने की सभावना है। इस बारे मै मैने ध्यानाकर्शण प्रस्ताव दिया था। उसे आपने रिजैक्ट कर दिया है। क्या आप उसे री

कसीडर कर रहे है। या नही क्योकि आज के दिन काफी नुकसान होने की सभावना है।

श्री अध्यक्षः मै इसे री–कसीडर कर रहा हूं।

श्री मंगल सैनः हरियाणा इलैक्ट्रीसिटी बोर्ड के इजीनयर्ज के सरकार के खिलाफ एन मास प्रोटैस्ट कर रखा है। उनका कहना है कि पोलिटिक्ल इन्टरफियरैन्स और क्रप ान की वजह से बिजली की सप्लाई मे औबस्ट्रक ान पैदा हुआ है। नौदर्न इडिया के इजीनियर्ज भी उनका साथ दे रहे है। वे सब इनकी हायी हैन्डीडनेस के खिलाफ प्रद र्ान कर रहे है। मैने इस बारे मे ध्यानाकर्शण प्रस्ताव दिया थां। उसके बारे मे क्या पोजी ान है ?

श्री अध्यक्षः आपकी काल अटैन ान टोहान, नूह और उचाना मे जो बाई इलैक ान मे ज्यादतियां हुई है। उनके बारे मे हमने ध्यानाकर्शण प्रस्ताव दिया है। उस पर कई एम0एल0एज0 ने दस्तखत किये है। उसके बारे मे क्या पोजी ान है ?

श्री अध्यक्षः वह अभी मुझे मिली नही है।

अध्यक्ष द्वारा रूलिंग–

स्वर्गीय प्रधान मंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी की हत्या पर राज्य पाल महोदय के अभिभाशण के दौरान चर्चा सम्बन्धीः

Mr. Speaker: Hon' ble Members, yesterday I reserved my ruling on a point of order raised by Shri Vaerender Singh, M.L.A as the whether the discussion on the Motion fo Thanks could be held on the circumstances leading to the assassiantion of late Prmime Minister Shrimati Indira Gandhi, as referred to in para 3 of the Governors Address. I have carefully gone into the matter and considered all aspects of the case. I am convinced that while the factum of assassination of Shrimati Indira Gandhi can be referred to in the speeches but the marits and demeritsnation of the late Prime Minister cannot be discussed as the matter is subjudice and it is also saized by a Commission of Inquiry headed by a sitting judge of the Supreme Court of India. Moreover, this heinous crime was committed outside the State and the law and order there was not the primary resposibility of the State Government. Any speeches made about the cricumstions leading to the assassination cna prejudice the findings of the Commission. Therefore, I rule that the Hon'ble Members may desist from speaking on this aspect.

आनरेबल मैम्बर्ज अब गवर्नर एड्रैस पर डिस्क ान होगी। कल श्री रो ान लाल आर्य जी बोल रहे थे, इसलिए अब वे भाुरू करे।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, आपने मेरा प्वायट आफ आर्डर पर रूलिंग दी है। जब आपने रूलिग दी उस समय मै सदन मे नही था इसलिए मैने आपकी रूलिंग सुनी नही।

श्री अध्यक्षः मैने यही रूलिंग दी है कि आप फैक्टम आफ असैसिने ान को रैफर कर सकते है। लेकिन मैरिटस एन्ड डी मैरिटस आफ दि केस के बारे मे डिस्क ान नही कर सकते क्योकि यह मामला सब जुडिस है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः सर फैक्टस मे तो यह बात आयेगी कि आसैसिने ान किस वजह से हुआ। अगर हम यह मैन्‍ ान नही कर सकते तो इस तीसरे पैर को डिलीट कर दिया जाये।

श्री अध्यक्षः आप तो बहुत काबिल ऐडवोकेट है। आपको तो पता ही है कि क्या नही आ सकता। आप अपनी बात इस इन्टैलीजैन्सी से कहे जिससे कि वह सब जुडिस न बने। आप अच्छी तरह से जानते है कि कितना स्कोप डिस्क ान का हो सकता है इसलिए आप ठीक से ही बोले।

श्री वीरेन्द्र सिंहः मुझे आप बोलने की इजाजत कब देगे ?

श्री अध्यक्षः मै आपको टाईम दूगां।

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा पुनरारम्भ

श्री अध्यक्षः श्री रो ान लाल अपनी स्पीच भाुरू करे।

चौधरी रो ाल लाल आर्य छछरोलीः अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय, ने जो अभिभाशण छ मार्च को सदन मे दिया है उस पर धन्यवाद का प्रस्ताव पे ा हुआ है। मै आज सातवे प्वायंट

से भाुरू करना चाहता हूं दुर्भाग्य से हमारे पडौसी राज्य मे काफी अ ाान्ति रही। इस अ ाान्ति का हमारे पडौसी राज्य पर प्रभाव पडना स्वाभाविक था क्योकि कुछ सालो पहले तो दोनो एक ही प्रदे ा होते थे। पडौसी प्रदे ा के साथ हमारे सास्कृतिक संबध भी पहले से है और हमारे बोर्डर भी उनके साथ मिलता हुआ है लेकिन उस राज्य मे जो अ ाान्ति हुई उसकी आवाज हमारे राज्य तक नही आयी और बहुत ही बहादुरी और हिम्मत के साथ जनता को वि वास मे लेकन चौधरी भजन लाल जी ने यहां पर भाान्ति स्थापित रखी। इस महान कार्य के लिए मै चौधरी भजनलाल जी को बधाई देता हू। गर्वनर साहब ने अपने अभिभाशण मे यह बात कही है लेकिन कल हमारे आदरणीय साथियो को वरदा त नही हुई और कल जब मै बोल रहा था तो उस समय यह बात उठी।

श्री अध्यक्षः आप कल वाली बात को रैफर न करे।

चौधरी रो ान लाल भार्माः हमे इस बात पर बहुत धैर्य और भाान्ति से काम लेना चाहिए। आप को किसी प्वायंट पर एतराज हो सकता है आप की अपनी अलग बात हो सकती है। आप वह आराम के साथ कह सकते हैं। दुनिया मे विचारो मे भेद है। यहां पर भी भेद हो सकता है। चाहे वह डिवैल्पमैट की बात हो या और कोई बात हो। अब मै उस बात को फिर से नही कहना चाहता क्योकि उस पर रूलिग आ चुकी है। लेकिन मै पहले अपने आदरीण साथियो से प्रार्थना करूगा कि वे सयम बनाये रखे।

इस अभिभाशण मे जो सबसे बडी बात कही गई है वह यह है कि आने वाले समय मे जो हमार पंचवर्शीय योजना है इसमे प्रदे ा के विकास के लिए बहुत जबरदस्त कदम उठाये गये है। स्पीकर साहब, 13 वा जो प्वायट है वह बेरोजगार के बारे मे है यानी गांवो मे निर्धनता खत्म करने के बारे मे है। पीने के पानी की व्यवस्था के लिए भी कदम उठाये गये है। हमारे भाहीदो ने जो स्वतत्रता प्राप्त की थी उसको सही मायनो मे आम आदमी तक ले जाने के लिए कदम उठाये गये है।

इसमे छोटे परिवार के बारे मे बात कही गई है इसे बडे पैमाने पर लोगो ने अपनाया है। आज के दिन देहात के लोग भी इस बात को महसूस करते है कि जब तक हमारा परिवार छोटा नही होगा तब तक अच्छा पालन पोशण नही हो सकता। अच्छी ि ाक्षा नही दी जा सकती । जब तक हमारा आर्थिक ढांचा नियत्रण मे नही होता तब तक परिवार दे ा और गांव का विकास नही हो सकता । इस बारे मे वि ोश बात कहना चाहता हूं। उसे आप सुझाव भी कह सकते है यह मेरी अपनी बात नही है यह बात वेदो मे लिखी हुई है। महर्शि दयानन्द ने अपने भाब्दो मे लिखी है और हमारे ऋशि मुनियो ने भी इस बात पर जोर दिया है कि किस प्रकार से मुनश्य को अपने पर नियन्त्रण करना चाहिए। मै आपसे यह जरूर निवेदन करूगा कि आप इस बात को उसी दायरे मे रख कर सोचे तो तभी उसका महत्व है और तभी ही हमारे दे ा की लाभ हो सकता है वरना नही।

परिवार नियोजन के बारे मे सब से बडा रास्ता हमारे दे ा के सामने है जिस पर आज साईस भी नही पहुच सकी है। और उस रास्ते पर हमारे ऋशि और मुनि पहुचे हुए है। हमारे ऋशि मुनियो ने तपस्या करके हजारो वर्शो के बाद इस बात की खोज की है कि मनुश्य को ब्रहाचर्य का पालना करना चाहिए। लोगो ने अच्छे विचारो का प्रचार किया जाना चाहिए। कृत्रिम रास्तो की बजाये भाारीरिक भाक्ति को आध्यत्मिक भाक्ति के द्वारा अपने विचारो को कन्ट्रोल किया जाये। जो ओज पर मात्मा ने मनुश्य की दिया उसे नियत्रण करने के लिए अच्छे विचारो, अच्छे खान पान का प्रचार किया जाये। सात्विक विचारो से और सात्विक खान पान से काफी कन्ट्रोल किया जा सकता है। योग के बारे मे सरकार की और से कैम्प लगाये जाये। हमारे नौजवान को कालेज और स्कूलो मे योग की ि ाक्षा दी जाये।

श्री राम बिलास भार्माः आन ए प्वायट आफ आर्डर सार। स्पीकर साहब, रो ान लाल जी कह रहे है कि बहाचर्य का पालन होना चाहिए। ये योग और अध्यात्म की बात कह रहे है लेकिन दल बदल कर उध्र चले गए। इनकी बात का असर कैसे हो सकता है ?

चौधरी रो ान लाल भार्माः स्पीकर सर, मै बडे प्यार से बात कहना चाहूगा कि आपोजी ान की तरफ से कभी लीडर आफ दि अपोजी ान बोलत है कभी मिनि लीडर आफ दि आपोजी ान बोलते है और कभी डेली वेजिज लीडर आफ दि आपोजी ान

बोलते है।(ाोर एवम व्यवधान) आपको जब मौका मिले तो आप अपनी बात कहे। बीच मे टोकना ठीक नही है। स्पकीर सर, मै नैतिकता के बारे मे कह रहा था। कि जनता को इस अपनाना चाहिए। (ाोर एवम व्यवधान) जब मै काग्रेस के अन्दर आया था तो पन्द्रह दिन के अन्दर जनादे ा ले लिया था। छब्बीस हजार का बहुमत मेरे साथ था और आपका रथ था वह सारे हल्के मे घूमता रहा लेकिन उसको एक हजार पर्ची नही मिली। स्पीकर सर, जो बात मै कहने जा रहा था वह बहुत ही महत्वपूर्ण है। उसका प्रचार होना चाहिए, उस पर गौर किया जाना चाहिए। हमारे जितने महकमे है।स्कूल और कालिजिज है वहा पर एक घटी यौग के प्रचार के लिए होनी चाहिए। जब स्कूल और कालिजिज की छुटिटया हो तो नौजवानो को ट्रेनिंग दी जानी चाहिए। हमारे सस्कृति के अन्दर जो छूपा हुआ है जो हमारे पूर्वजो की धरोहर है उसका पालन हम सब लोगो को करना चाहिए। स्पीकर साहब, सारी दुनिया के लेाग आज इस बात को मानते है कि जब तक परिवार सुतलित नही होगे तब तक हमारे योजनाओ का लाभ आम आदमी तक नही पहुच पायेगा। आज जो भी योजना बनती है जनसख्या बढने के कारण उसका पूरा लाभ लोगो को नही मिल पाता है।

स्पीकर साहब सरकार किसानो की भलाई के लिए जो नई मडिया बना रही है इससे किसान को बहुत लाभ होगा। मै सरकार को एक सुझाव देना चाहता हू कि मेरे हल्के छछरौली और

खिजराबाद जिसमे एक सब यार्ड बना हुआ है वहा पर पूरी मन्डी बन सकती है। वहा पर हिमाचल और यू0पी0 के लोग भी आते है। पिछले साल वहां पर पांच लाख का मुनाफा कमाया था। मेरी सरकार से दरखास्त है कि उस माउटेनियस बैल्ट का विकास करके वहा पर पूरी मडी बनाई जाए। स्पीकर साहब, मेरा एक और भी सुझाव है कि जिस तरह से मेवात के विकास के लिए एक अलग से बोर्ड बनाया गया है इसी तरह से अम्बाला जिले मे भी कुछ इलाके ऐसे है जहा के लिए सरकार को वि ोश व्यवस्था करनी पडेगी क्योंकि अब जो बेसिक स्ट्रक्चर है वह वहा तक नही पहुचता । इसलिए उस क्षेत्र के विकास के लिए वि ोश सुविधाए देनी पडगी ताकि वहा के लोगो को अधिक से अधिक सुविधाए मिल सके। छछरोली, सढौरा, कालका और कुछ इसी तरह के दूसरे इलाके है जहा के लोगो को विकास पूरे अवसर मिलने चाहिए।

स्पीकर साहब, अब मै साहकरिता के बारे मे एक निवेदन करना चाहता हू। अभी भी बहुत से ऐसे क्षेत्र है जहा देहात के अन्दर सहकारिता की नई ब्राचिच खोली जा सकती है। जमुना के अन्दर कुछ ऐसी जगह है जहां बाढ के दिनो मे नही पहुचा जा सकता है वहा पर अस्पताल और दूसरी सुविधाए मिलनी चाहिए। इससे लोगो को बहुत अधिक लाभ होगा। बोलने के लिए तो बहुत कुछ है लेकिन समय कम है। स्पीकर साहब, अम्बाला के अन्दर जो कम्पयूटर सिस्टम सरकान ने चालू किया है उसके लिए

मै सरकार को बधाई देता हू। इससे बुजुर्ग और जो सेना से रिटायर्ड आदमी है उनको बहुत फायदा होगा क्योकि पहले जहा उनका काम तीन या चार घटे मे होता था अब उनका काम एक घटे मे हो जाय करेगा। स्पीकर साहब, मै ज्यादा समय ने लेता हुआ जो धन्यवाद प्रस्ताव सदन के सम्मुख आया है उस प्रस्ताव का समर्थन करता हू।

चौधरी औम प्राक ाः अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर जो धन्यवाद का प्रस्ताव आया है और जिस पर डिस्क ान चल रही है मै उसका विरोध करने के लिए खडा हुआ हूं स्पीकर साहब राज्य पाल के अभिभाशण मे पिछले साल मे सरकार की क्या कार गुजारी रही और आगग आने वाल साल मे सरकार की क्या कारगुजार रहेगी तथा जनहित मे सरकार क्या करेगी इस बारे मे एक पौलिसी स्टेटमैंट होता है। लेकिन इस अभिभाशण मे ऐस कुछ नही है। यह तो सिर्फ कास्टीच्यू ान फारमैलिटी पूरी की गई है क्योकि राज्यपाल महोदय को साल के भाुरू मे विधान सभा को जो सत्र होता है उसको ऐड्रैस करना होता है वरना इसमे कुछ भी नही है। इसमे सरकार ने न कोई कमिटमैंट की है और न कोई प्रौमिज किया है। इसलिए मै सारे सदन से यह कहना चाहूगा कि सदन मे राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर धन्यवाद का जो प्रस्ताव आया है उसको रध करे। स्पीकर साहब, इस अभिभाशण मे जो भिन्न भिन्न प्वायटस है मै एक एक करके उन पर बोलना चाहूगा। स्पीकर साहब, मै सब से

पहले स्वच्छ प्र ाासन जिसके बारे मे कहा गया है कि यह सरकार राज्य को एक कु ाल तथा स्वच्छ प्र ाासन देने के लिए वचनबद्ध है के बारे मे कहना चाहूगा। स्पीकर साहब, जब तक भजन लाल इस प्रदे ा का चीफ मिनिस्टर है तब तक स्वच्छ प्र ाासन की कल्पना करना गलत है। भजन लाल के रहते हुए स्वच्छ प्र ाासन असंभव चीज है।

Mr. Speaker: He is the leader of the House. you can call him Shri Chaudhri or Mr. Addressing him in this number is not proper.

चौधरी औम प्रका ा: स्पीकर साहब, मै कह रहा था कि जब तक चौधरी भजन लाल इस प्रदे ा के मुख्यमंत्री है स्वच्छ प्र ाासन की कामना फिजूल है। भजन लाल और भ्रश्टाचार प्रयायवाची भाब्द है। दुर्भाग्य से जब से ये मुख्यमंत्री बने है प्रदे ा मे कोई काम बगैर पैसे दिए हुए नही होता। भ्रश्टाचार मिटाना है तो डिस्ट्रिक्ट लैवल पर और सब डिविजनल लैवल पर सुधार की आव यकता है आज हालत यह है कि अगर किसान और मजदूर कोई रजिस्टरी करवाने जाता है तो उससे रैडक्रास के नाम पर, रैस्लिग ऐसोसिए ान के नाम पर जुडडी एसोसिए ान के नाम पर पैसा मांगा जाता है ओर जब तक वह पैसा नही दे देता तब तक उसका काम नही होता। ऐसी हालत मे भ्रश्टाचार कैसे मिट सकता है। अगर भ्रश्टाचार इस प्रदे ा से मिटाना है तो डिस्ट्रिक्ट लैवल पर जो और सब डिविजनल लैवल पर हिदायत जारी करनी होगी, इस प्रकार का प्रावधान करना होगा, नियम बनाने होगे कि किसान

और मजदूर से कोई चन्दा नही लिया जाएगा चाहे उनको इन्तकाल मजूर कराना हो, रजिस्टरी करनानी हो या कोई एफिडेविट अटैस्ट करवाना हो या और कोई काम करना हो। अगर वास्तव मे सरकार की नियत साफ है और वह वास्तव मे भ्रश्टाचार को समाप्त करना चाहती है और स्वच्छ प्र ाासन लाने की जरा भी सरकार की नियत है तो उसको ऐसा करना पडेगा।

इससे आगे स्पीकर साहब, मै यह कहना चाहता हू कि अगर हरियाणा सरकार इस प्रदे ा को स्वच्छ प्र ाासन देना चाहती है भ्रश्टाचार को समाप्त करना चाहती तो अपने पडौसी प्रदे ा हिमाचल प्रदे ा की तरह यहा पर भी एक लोकायुक्त की नियुक्ति की जाए और उसी पैटर्न पर हर बात की जांच करवायी जाएं। इस तरह करने से मुख्यमंत्री और दूसरे मंत्रियो के खिलाफ जो भ्रश्टाचार पर अकु ा लगाया जा सकेगा। इस तरह का हमारे सरकार को भी जल्दी ही प्रावधान करना चाहिए और कानून बनाना चाहिए वरना स्वच्छ प्र ाासन देने की और भ्रश्टाचार को समाप्त करने की बात बिल्कुल ही थोथी मानी जाएगी। निरे थोथे नारो से भ्रश्टाचार खत्म करने और स्वच्छ प्र ाासन देने की बाते निराधार ही रह जाएगी। इसके लिए सरकार को ठोस कदम उठाने होगो।

हमारे प्रधान मंत्री महोदय श्री राजीव गांधी ने दे ा को स्वच्छ प्र ाासन देने और भ्रश्टाचार को हटाने की और वि ोश ध्यान देने की बात कही है और उनकी आवाज मे आवाज मिलते हुए चौधरी भजन लाल ने कहा है कि मै भी अपने प्रदे ा को

स्वच्छ प्र ाासन दूगा, भ्रश्टाचार समाप्त कर दूगा लेकिन जब लोग उनके मुह से ऐसी बाते सुनते है तो लोग उनका मजाक उडाते है और कहते है कि क्या भजन लाल इस प्रदे ा से भ्रश्टाचार को समाप्त करेगा ? यह असभव है।

इससे आगे स्पीकर साहब मै बताना चाहता हू कि अभी हाल ही मै हमारे सामने लोकसभा के इलैक ान हुए और अब हमारे हरियाणा मे भी अभी विधान सभा के तीन उपचुनाव हुए। आप को पता ही कि किस तरह से वहा पा कानून की धज्जियां काग्रेस पार्टी द्वारा उडायी गयी, कैसे बुथ कैपचर किये गये। और कैसे रिगिग हुई। यह जीता जागता इस तरह का उदाहरण हमारे सामने है। इन्होने फैसला कर रख है कि अगर चुनाव बैलैट से नही जीते जा सकते तो बुलैटस से जीते जाने चाहिये। ऐसे तो स्वच्छ प्र ाासन वाली बात जीते जा सकते तो बुलैटस से जीते जाने चाहिये। ऐसे तो स्वच्छ प्र ाासन वाली बात थोथी रह जाएगी। तो मै हरियाणा सरकार से अनुरोध करना चाहूगा कि स्वच्छ प्र ाासन लाने के लिये और भ्रश्टाचार मिटाने के लिए उनकी कामनाए है उनको अगर ये साफ तौर पर इम्पलीमैन्ट करना चाहते है तो ठोस कदम उठाने पडेगे और जो मैने सुझाव दिये है उन सुझावो को लागू करना पडेगा। इस ढग से मै आपको बताऊ पालियामैन्टरी इलैक ान मे भी बडी लार्ज स्केल पर बूथ कैपचरिग हुई है महेन्द्रगढ की ही बात मै बता सकता हू चीफ इलैक ान कमि ानर की तरफ से हिदायत है कि जहां पर 90 प्रति ात से

ज्यादा वोट पडते है वहा पर बुथ कैपचरिग के हडर्ड परसैन्ट चानसिंज है और वहा दोबारा रिपोल होना चाहिये। महेन्द्रगढ के लोकसभाई क्षेत्र मे लेाक सभा के चुनाव के समय 246 पोलिग बुथो पर 90 प्रति ात से अधिक मत पडे थे और सभी मत काग्रेस पार्टी के हम मे पडे । (ाोर एवम व्यवधान) यह तो आप कहते है लेकिन वहा का इलाका जानता है वहा के वोटर जानते है कि किस ढग से यह बात हुई है।

इसी को ढग से मै आपको बतांऊ कि राज्यपाल का जो अभिभाशण है इसमे किसान की भलाई की बात, गरीब आदमी की भलाई की बात, मजदूर आदमी के उत्थान की बात बिल्कुल नही कही गयी है। मिसाल के तौर पर मै एक बात कहना चाहता हू कि किसान को किस ढग से तग किया जा रहास है। लैन्ड डिवैल्पमैन्ट बैक की तरफ से करोडो रूपये का कर्जा हर साल किसानो को दिया जाता है और उनकी जमीन रहन की जाती है और रिकवरी का टाईम खरीफ की फसल कटने के बाद और रबी की फसल कटने के बाद होता है लेकिन बडे अफसोस के साथ कहना पडता है कि मैनेजिंग डायरैक्टर की इस्ट्रक ान के मुताबिक आज भी किसानो को तंग किया जा रहा है जबकि उनसे बैक मैनेजर्ज यह कहने है कि यह रिकवरी का टाई म नही है किसान के पास पैसा नही है, रिकवरी बन्द की जानी चाहिये। वे कहते है कि पैसा बे ाक ने हो, उनको अन्दर बन्द की जानी चाहिए। वे कहते है कि पैसा बे ाक न हो, उनको अन्दर बन्द कर दो। तो यह सरकार

कैसे यह दावा कर सकती है कि हमे किसान की भलाई की बात करना चाहते है, मजदूर आदमी की भलाई की बात करना चाहते है ? इस किस्म का निजाम इस प्रदे ा के अन्दर कायम है। इसलिय मै कहना चाहता हूं कि राज्यपाल का जो अभिभाशण है इसको सर्वसम्मति से रद्द किया जाना चाहिये।

स्पीकर सर, जहां तक अन एम्पलायमैन्ट को दूर करने की बात का सम्बन्ध है इनको दूर करने के लिए सरकार के पास कोई उपाय नही है और न ही इस बारे मे राज्यपाल महोदय के अभिभाशण मे ही कुछ कहा गया है। सिर्फ इतना ही कह दिया गया कि दो तीन एम्पलायमैट एक्सचेजिज और खोल जा रहे है। इसके अन इम्पलायमैन्ट की समस्या क्या हल हो सकती है? अन ऐम्पलायमैन्ट को दूर करने के लिए राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाशण मे कोई ठोस सुझाव नही दिये है मेरा एक सुझाव है आपका ट्रासपोर्ट विभाग है। आप जानते है कि जगह जगह पर बसे चलती है छतो पर भी सावरियां बैठकर सफर करती हैं। डिफरैन्ट रूटस पर, प्राईवेट इडीविजुअलज को, ऐक्स सविसमैन को, अन ऐम्पलायड ग्रेजुऐटस को मैटाडोरज के लिबरली परमिटस दिये जाने चाहिये ताकि अन ऐम्पलायमैन्ट को दूर किया जा सके और मत्रियो को भी आराम मिल सके।

जहा तक ला एण्ड आर्डर की सिचुऐ ान का ताल्लुक है उससे सारे हरियाणा की जनता भली भाती परिचित है रोहतक आयुर्वेदिक कालेज का मामला हमारे सामने है । इस जिले का

बच्चा बच्चा जानता है किस तरह से सुरेन्द्र सिंह दलाल की पुलिस द्वारा निर्मम हत्या की गयी। ए0एस0पी0 की गोली से उसकी मौत हुई लेकिन पुलिस ने क्या कहानी गढी कि जब वे डिमास्ट्रे ान कर रहे थे गाडियौ को रोक रहे थे तो उस दौरान पुलिस के अफसरो से स्टूडैन्टस ने राईफल छीन ली और वह गल्ती से चल गयी जिसके कारण उसकी मोत हुई।

श्री अध्यक्षः ओम प्रका ा जी, आपका समय समाप्त हो गया है। आप वाइड अप कीजिय।

चौधरी औम प्रका ाः स्पीकर साहब, बस मै जल्दी ही समाप्त करने जा रहा हू। इन्होने यह आरोप कि पुलिस की राईफल छीन कर स्टुडैन्टस ने चला दी जिसके कारण सुरेन्द्र सिंह दलाल की मौत हो गयी लेकिन पोस्ट मार्टम की रिपोर्ट के अनुसार उसकी मौत पिस्तौल की गोली लगने से हुई है। ऐसी रिजैन्टमैन्ट लोगो के दिलो मे है और सरकार ने केवल उस पर ए0एस0पी0 का तबादला मधुबन मे कर दिया। होना तो यह चाहिये था कि उसके खिलाफ 302 का मुकदमा दर्ज होता। स्पीकर साहब, पुलिस अफसर तो लोगो की हिफाजत के लिये होते है न कि लोगो को मारने के लिये होती है। अगर पुलिस खुद भी कानून को हाथ मे लेगी तो फिर लोगो को कहा इन्साफ मिलेगा। स्पीकर साहब, उस मरने वाले की 6 बहने है। और वह अपने माता पिता का इकलौता लडका था। ऐसे पुलिस अफसर के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही होनी चाहिये। केवल तबादला करने से ही काम नही

चलेगा। उसके खिलाफ 302 का मुकदमा दर्ज होना चाहिये लेकिन उसके खिलाफ इस सरकार ने कोई कसे आज तक दर्ज नही किया। इस मामले की न्यायिक जांच करवाई जानी चाहिए ताकि सारी तस्वीर साफ हो सके ?

स्पीकर सर, चौधरी भजन लाल जी महा पजाब की बात करते है वे इस बात को मुख्यमंत्री के तौर पर कहते है भजन लाल के तौर पर नही कहते। इस हरियाणा प्रदे ा के विलय के बारे मे कोई भी तैयार नही है।

सिचाई तथा बिजली मंत्री चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला: स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री महोदय कई दफा यह स्पश्ट कर चुके है। कि ये उनके अपने निजी विचार है न कि मुख्यमंत्री के तौर पर उन्होने ऐसा कहा है। आप उलट कर रहे है।

चौधरी औम प्रका ा: स्पीकर साहब, जब हरियाणा प्रदे ा की जनता की तरफ से इस विलय प्रस्ताव का पूरी तरह से विरोध हुआ है तो चौधरी भजन लाल को भी हरियाणा की जनता को इस सम्बन्ध मे वि ावास मे लेकन चलना चाहिये था।

श्री अध्यक्ष: इस सम्बन्ध मे एक क्वै ाचन भी आया है अगर वह एडमिट हो सकता है तो उसका जवाब सरकार दे देगी।

चौधरी औम प्रका ा: स्पीकर साहब, इस सरकार ने इलैक्ट्रीसिटी और केनाल वाटर के बारे मे भी बहुत सारे वायदे किये है लेकिन कोई नया थर्मल प्लाट लगाने की बात नही कही

गयी है और किसानो को सही तरीके से बिजली नही दी जा रही है जिसके कारण ये किसानो की हालत काफी खस्ता हो गयी है। इसी तरह से कैनाल लाईनिंग पर बडा भारी जोर दिया गया है। पुराने जो थर्मल प्लाटस है, उनकी हालत भी कोई खास अच्छी नही है। मेरे हल्के मे जवाहर लाल नेहरू कैनाल है। उसकी जो लाईनिंग है वह बडी ही घटिया किस्म की है। उस पर मैटिरियल भी सब स्टैडर्ड लगाया गया है जिस की वजह से पिछले 10–15 सालो से वाटर सीपेज के कारण किसानो की जमीने वाटर लौगिग से प्रभावति है और लोगो पर उनका बडा बुरा असर पड रहा है। जिसके कारण से किसान बुरी तरह से बरबाद हो रहे है और किसानो की कई हजार एकड भूमि बरबाद हो गयी है जवाहर लाल नेहरू कैनाल मे सीपेज ओर वाटर लौगिग का स्थायी तौर पर रोकने के लिये पिछले बजट सै ान मे एक करोड 30 लाख की योजना सिचाई और बिजली मंत्री द्वारा सदन मे पे ा की गयी थी उस पर आज तक कोई काम नही हुआ है उसको जल्दी जल्दी भाुरू किया जाना चाहिये ताकि किसानो को राहत मिल सके। इसके साथ साथ मै यह भी बताना चाहता हू कि मेरे इलाके मे एक काहनौर ब्रांच नाम की एक नहर निकलती है जिसमे से दो माईनर्ज पिलाना और ढराणा माईनर के नामो से निकलते है उन दोनो माईनरो के हैड से ग्राम चीमनी की तरफ काहनौर ब्राच लाईनिग ऊची है और दूसरी तरफ नीची है जिससे चिमनी गांव के लोगो को कतई तोर पर सिचाई के लिए पानी नही मिल रहा। इस डिफैकटिव लाईनिग के कारणो की सिचाई तथा बिजली मंत्री

महोदय जांच करवाए और दोशी को सख्त से सख्त सजा दी जाए। इस बात का मंत्री महोदय यंहा हाउस मे आ वासन दे कि जिन्होने यह काम गलत ढग से करवाया है उनके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। इसके साथ साथ मै सडको की बात भी कहना चाहता हू। यह दावा करते है कि हमने गांव गांव को पक्की सडको से जोड दिया है लेकिन मेरे हल्के के अन्दर एक मदाना खुर्द नाम का गावं है। उस गांव को आज तक लिक रोड से नही जोडा गया है। इस बात से सरकार का यह दावा झूठा पड जाता है कि उसने सभी गावो को पक्की सडको से जोड दिया है अगर यह सरकार किसानो का भला करना चाहती है तो एग्रीकल्चर को इडस्ट्री डिकलेयर किया जाए। इन्ही भाब्दो के साथ मे इस धन्यवाद प्रस्ताव का विरोध करते हुए अपना स्थान लेता हू।

श्री भले रामः स्पीकर साहब, 6 मार्च को जो गवर्नर साहब ने अपना ऐड्रैस पे ा किया उससे साफ जाहिर हो जाता है कि आज हिन्दुस्तान तथा इस प्रान्त के लोगो क्या चाहते है। यह अभिभाशण हमारे प्रान्त के लोगो की अच्छाई का एक प्रतीक या नि ाानी है इसक समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए। डिप्टी स्पीकर साहब, जैसे कि मेरे दूसरे दोस्तो ने बताया मै भी कुछ बताना चाहूगा। हमारा जो पिछला साल था वह दे ा के लिए बडा दुखदायक साल था। उस दौरान जो कुछ घटना घटी मै उसे रिपीट नही करना चाहूगा लेकिन मै वह जरूर कहना चाहता हू कि जिन हालात मे श्रीमती इन्दिरा गांधी की हत्या हुई उसको रोकना

बहुत जरूरी है। उसके बाद जो भी दे ा मे हुआ वह आप सब के सामने है। आज श्रीमती गांधी मृतको होते हुए भी जीवित है। आज सारा ससांर जानता है कि उनकी मृत्यु के बाद हमारे यहां चुनाव हुए और लोगो ने उनके प्राग्रोम को और उनकी पालिसी को अपनाया। हिन्दुस्तान ने आज दुनिया को दिखा दिया है कि हिन्दुस्तान के लोग उनकी नीतियो को पसन्द करते है। उसके बाद हमारे नौजवान नेता श्री राजीव गांधी इस दे ा के प्रधान मंत्री बने। प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होने साफ भाब्दो मे कहा कि हिन्दुस्तान मे स्वच्छ भाासन होगा, ईमानदार होगी और भ्रश्टाचार खत्म होगा। चौधरी चरण सिंह ने भी कहा कि यह लडका अच्छी बात कहता है ओर यह अच्छा प्राईम मिनिस्टर साबित होगा। लोग जैसा राज चाहते थे आज वैसा ही राज चल राह है जो कि आपके सामने है। उनके आदे ा के बाद हमारे मुख्यमंत्री जी ने भी महसुस किया। वे सब से पहले चीफ मिनिस्टर है जिन्होने अपने सैक्रेट्रीज की मीटिग बुला उनको हिदायत दी कि लोगो को स्वच्छ भाासन दिया जाए और किसी काम मे डिले न हो। उसका हश्र यह हुा है कि आप आज तहसील या जिले मे जाकर देख ले किसी को कोई ि ाकायत नी है। आज लोग महसूस करते है कि पहली की तरह अब नही हो रहा है। यह कोई छोटी बात नही है। इसके साथ साथ मै यह भी कहना चाहता हूं। कि हम भाईयो को भी अपने अन्दर झाक कर देखना चाहिए कि हम कहा पर थे और अब कहा पर है। इसलिये मै अपने सभी साथियो से प्रार्थना करूगा कि जो भाासन चाहता है हमे उसके साथ चलना चाहिए। ऐसा करने मे

हरियाणा सभी क्षेत्रो मे आगे बढेगा। अब मै वि ोश रूप से बिजली के बारे मे बता करना चाहता हू। यह ठीक है कि इस साल बिजली की काफी दिक्कत आई। कई जगह थर्मल प्लाटंस मे डिफैक्ट आए और कई जगह दूसरी कमियों थी लेकिन इसके बावजूद भी मै आई0पी0एम0 और मुख्यमंत्री को बधाई दू तो कोई गलत बात नही होगी। ये दोनो फरीदाबाद थर्मल प्लाट मे गए तथा और जगहो पर भी गए। इन्होने खुद जाकर देखा कि किस चीज कमी है चाहे ऐडीमिनिस्ट्रे ान मे सुधार की बता थी या तबादले की बात थी, इन्होने सारे बाते खुद जाकर देखी। इसका यह असर पडा कि हमारे प्लाट लोड फैक्टर मे 41.7 प्रति ात की इम्प्रूवमैट हुई। यह कोई छोटी बात नही है। सरकार की पूरी कोि ा ा है कि बिजली की कमी को दूर किया जाए। आपको पता है कि इस कमी को दूर करने के लिए हमने कितनी स्कीमे बनाई है जैसे पानीपत मे हमारी दो स्टेजिज पहले से काम कर रही है और तीसरे स्टेज मे 210 मैगावाट बिजली और पैदा होगी। इसी तरह से युमनानगर मे हमारे सकीमे है इनके पूरा होने मे बिजली की सप्लाई मे बहुत सुधार होगा। आप जानते है कि हर साल बिजली की मांग बढती जाती है। चाहे वह घरेलू बिजली की मांग है, इडस्ट्री की है या ऐग्रीक्लचर की है। सरकार की पूरी कोि ा ा है कि मांग पूरा किया जाए। इस आने वाले साल मे हमारा 80 हजार सामान्य कनैक ान देने का लक्ष्य है। इसके साथ साथ हमने इडस्ट्री भी चलानी है उसके लिए भी हमार लक्ष्य चार हजार कनैक ाज के करीब है एग्रीक्लचर के लिए भी हर सरकार

टयूबवैल्ज कनैक ान देती है, इस साल हम करीब 12 हजार टयूबवैल्ज को कनैक ान देगे। इसके साथ साथ मै इरीगे ान के बारे मे भी जिक्र करना चाहूगा। सरकार अपनी तरफ से पूरी कोि ा ा करती है कि किसानो को ज्यादा से ज्यादा पानी मिले। चाहे टयूबवैल लगा कर या नहरे पक्की करके ज्यादा पानी देने की कोि ा ा की जा रही है इसके बावजूद भी बीच मे कुछ अडचने आ जाती है। जहां तक एम0वाई0एल0 की बात है इसका पानी हमे जरूर मिलेगा हा इसमे थोडी डिले जरूर हो सकती है हरियाणा सरकार इस बारे मे पूरी कोि ा ा कर रही है कि एम0वाई0एल0 का पानी किसानो को जल्द से जल्द मिले। मै आई पी0एम0 साहब से यह जरूर कहना चाहूगा कि कई जगह ऐसा है कि माईनर तो बन गया है लेकिन जमीन का कम्पनसे ान सरकार के आज तक लोागो को नही दिया। मिसाल के तौर पर मै बताना चाहता हू कि हमारे यह एक बुटाना डिस्ट्रिब्यूटरी है जो मेरे हल्के मे से निकलती है। एक बिचपडी माईनर है जिसकी आज से दो साल पहले साढे चार लाख रूपए की स्कीम थी लेकिन अब तक जमीन का कम्पनसे ान नही दिया गया। मैने चीफ मिनिस्टर साहब की हाजरी मे कहा था कि फारमर्ज का 18 लाख रूपया इकटठा हो गया है जिस पर हर महीने काफी ब्याज पड सकता है इसलिए उनको जल्दी पैसा दिया जाए। अब तो किसानो को बढे हुए रेट पर मुआवजा मिलता है लेकिन यह मुआवजा उनको जल्दी दिया जाना चाहिए ताकि वह अपनी जरूरत को पूरा कर सके। मैने एक बात पिछले सै ान मे भी कही थी और सरकार ने आ वासन भी

दिया था कि बुंटाना ब्रांच मे जो मोघे लगे हुए है वे 100 की बजाए 60 पर लगे हुए है। इसी वजह से जमीदार कई बार मोरी तोड लेते है। अगर उनको पूरा पानी दिया जाए तो यह प्रौब्लम नही होगी। इसके साथ साथ मै यह भी कहना चाहूगा कि जो बैकवर्ड, हरिजन या पिछडे हुए लोग है उनके लिए भी सरकार एक वि ोश प्रकार की स्कीम चालू करना चाहते है। चाहे उनकी आर्थिक द ाा सुधारने का सवाल है या सामाजिक अथवा भौक्षणिक द ाा सुधारने का सवाल है उसके लिए सरकार ने फैसला किया है कि 1985–86 मे वह 4 करोड 46 लाख रूपया खर्च करेगी। उसमे स्कूलो की फीस देने का भी प्रबन्ध है वर्दी का भी प्रबन्ध है तथा कर्जे वगैरहा देने का भी प्रबन्ध है डिप्टी स्पीकर साहब, सरकार ने यह भी फैसला किया है कि जहा हरिजनो के कच्चे मकान है उनको पक्के मकान बनाने के लिए सरकार आने वाले साल मे 39 लाख रूपया देगी। इसके साथ साथ मै यह भी कहना चाहूगा कि जो हरिजन बस्तियां होती है उनका वातावरण बहुत दुशित होती है, जो गलियां होती है वे कच्ची और उनके अन्दर कीचड होता है। उसके लिए सरकार ने यह फैसला किया है कि 25 लाख रूपया हरिजन बस्तियो की गलियो को पक्का करने के लिए दिया जाए। इसके अलावा हाउसिंग बोर्ड भी हरिजनो के लिए 3800 पक्के मकान बनाएगा। इसके से 3000 मकान भाहरो मे और 800 मकान देहतो मे बनाए जाऐगे उनकी रजिस्टरी के लिए स्टैम्प डयूटी माफी होगी। इसके बारे मै एक बात जरूर कहना चाहूगा कि यह जो स्कीम है इसकी इम्पलीमैटे ान के बारे मे

काफी कोताही होती है क्योकि ऊपर ब्यूरोकरैट लोग बैठे है। सरकार की मं ाा तो हरिजनो के बारे मे बहुत ठीक है और सरकार यह भी चाहती है कि हरिजनो के लिए जो स्कीम बने वह जल्दी से जल्दी इम्पलीमैट हो लेकिन जो ब्यूरोकरैट है वह ब्रीच मे अडचन डाल देते है और स्कीम को इम्पलीमैंट नही होने देते। इस बारे मे मै एक सुझाव दूगा कि एक स्कीम इम्पलीमैट करवाने के लिए एक कमेटी बनाई जाए चाहे वह कमेटी कसर्न्ड महकमे के आफिसर्ज की हो। सारे महकमो मे ऐसी कमेटी होनी चाहिए और वह कमेटी हर डिपार्टमैंट से यह पूछे कि स्कीम इम्पलीमैंट होने मे कितनी कमी है। एक कम्नोनेट स्कीम है जिसके तहत हर महकमे के टोटल बजट का 12 परसैट पैस ि ाडयूल्ड कास्टस पर खर्च होता है यदि ऐसी कमेटी बना दी जाए तो वह कमेटी हर डिपार्टमैंट मे यह पूछ सकती है कि 12 परसैट पैसा ि ाडयूल्ड कास्टस पर खर्च होता है या नही। इन भाब्दो के साथ मै राजपाल महोदय के अभिभाशण का समर्थन करता हूं। इसको बडी खु ाी के साथ पास कर दिया जाएं। धन्यवाद।

चौधरी बलबीर सिंह ग्रेवालः डिप्टी स्पीकर साहब, राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर दो दिन से चर्चा चल रही है। मै भी इस पर अपने विचार प्रकट करने के लिए खडा हुआ है । डिप्टी स्पीकर साहब, इस अभिभाशण मे ला एंड आर्डर की सिचुए ान पर, किसानों की कडी ान और सैनीटे ान की काफी विस्तार से तारीफ की गई है। सबसे पहले मै ला एड आर्डर की

सिचुए ान के बारे मे अपने विचार प्रकट करना चाहूगा। डिप्टी स्पीकर साहब, हमारे दे ा की प्रधान मंत्री श्रीमती इदिरा गांधी की हत्या के बाद हरियाणा मे जो हालता पैदा हुए कैसे हुई, क्यो हुई लेकिन उनकी हत्या के बाद हमारे हरियाणा प्रान्त मे जो हालात पैदा हुए उनके बारे मे मै कुछ कहना चाहूगा। डिप्टी स्पीकर साहब, उस समय हरियाणा के अन्दर लगभग 160 आदमी मारे गए और 100 करोड रूपए से ज्यादा की प्रोपर्टी तबाह हो गई। हरियाणा प्रान्त मे यह रिकार्ड है कि एक एक परिवार के 25–25 आदमी खत्म कर दिए गए और एक एक परिवार मे 10–10 महिलाए विधवा कर दी गई।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायट आफ आर्डर है और इस पर मै आपकी रूलिग चाहूगा। मै यह मानता हू कि मैम्बर का यह राइट है कि वह जो चाहे बोल सकता है लेकिन माननीय सदस्य यहा पर जो कुछ बोलेगे उसका असर सारे प्रान्त के लोगो पर पडेगा और असर उन लोगो पर पडेगा जिन लोगो के हित के बारे मे ये बोलना चाहते है। उनको ऐडवर्स इफैक्ट पड सकता है। बोलते हए इन्हे इस बात का ध्यान रखना चाहिए।

चौधरी तैथ्यब हुसैनः डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायट आफ आर्डर है। हरियाणा मे जो झगडे हुए वे लोगो के दरमियान नही हुए बल्कि पुलिस कें झगडे किए है और सारे झगडे पुलिस के

जरिए करवाए गए है। हरियाणा के लोगो का आपस मे कोई झगडा नही था। ये तो सरकार ने पुलिस के जरिए करवाए थे।

चौधरी बलबीर सिंह ग्रेवालः डिप्टी स्पीकर साहब, हरियाणा मे ला एड आर्डर के हालात बहुत खराब है पिछले दिनों रोहतक मे एक नौजवान श्री सुरेन्द्र सिंह दलाल की हत्या कर दी गई। इस बारे मे मेरे से पहले बोलने वाले माननीय सदस्यो ने भी कहा है। श्री सुरेन्द्र सिह दलाल अपनी 6 बहिनो मे एक भाई था और वह 18 साल का नौजवान लडका था। वह पुलिस की गोली से मारा गया जिसक कारण वहा के सारे इलाके मे मातम छा गया। उसको ए0एस0पी0 ने अपनी गोली से मारा था। हम यह मांग करते है कि इस बारे मे जुडीि ायल इन्कवायरी होनी चाहिए जिससे सही पता लग जाएगा कि इस मामले मे दोशी कौन है। लेकिन जो गवर्नमैंट का आफिसर इस मामले की इन्कवायरी करेगा वह गवर्नमैंट के कहने से रिपोर्ट लिखेगा। गवर्नमैंट के अफिसर से इनकवायरी करवाने मे हमे भरोसा नही है चाहे वह कोई कमि ानर हो और चाहे कोई दूसरा आफिसर हो। मै गवर्नमैट के आफिसर्ज के बारे मे कोई अप ाब्द नही कहता और न ही उनकी कारगुजारी के बारे मे मुझे कोई बात कहनी है और न ही मै उनकी इन्टैगरीटी पर डाउट करता हूं। मै तो यह मांग करता हू कि इस मामले की जुडीि ायल इक्वायरी होनी चाहिए। यदि इस मामले की जुडीि ायल इक्वायरी हो जाए तो उससे उस परिवार को भी और प्रदे ा को भी दोनो की इन्साफ मिलेगा। हमारे प्रान्त

मे किस तरह से पुलिस की गुण्डागर्दी होती है उस बारे मे हम सभी जानते है किस तरह से नौजवान लडको को गलियो का ि ाकार बनाया जाता है। डिप्टी स्पीकर साहब, यह सरकार किसानो के बारे मे बहुत कुछ कहती है कि हमने किसानो को बडा खु ाहाल कर दिया है और हरियाणा मे बडी तरक्की हुइ है। लेकिन इन्होने किसानो के लिए कुछ नही किया है। पिछले दिनो जनवरी के महीने के यमुनानगर मे गन्ने के भाव के बारे मे किसानो ने ऐजीटे ान किया था। यमुनानगर के सिकान ऐजीटे ान कर रहे थे और यह मांग कर रहे थे कि हमारे गन्ने का भाव 21 रूपया प्रति क्विटल से बढा कर 22 रूपये प्रति किव्टल किया जाए। चुनावो के दौरान चौधरी भजन लाल जी वहा पर गए थे और इन्होने वहा के किसानो को यह अ योरेस दी थी कि यू0पी0 के अन्दर सिरसावा भुगर मिल है जो युमनानगर से 15 किलोमीटर की दूरी पर है वहा पर गन्ने का जो भाव होगा वही भाव यमुनानगर के किसानों को देगे। लेकिन यमुनानगर के किसान धरने पर बैठेए वहा के किसानो ने ऐजीटे ान किया और इस सरकार ने उन किसानो पर लाठी चार्ज करवाया, उनको मार गया, वहा पर आसू गैस छोडी गई। हमारे एम.0एल0ए0 को पीटा गया। किसानों को पकड कर जेल मे बंद किया गया लेकिन उन किसानों को गन्ने का भाव 22 रूपए प्रति क्विटल का नही दिया। यमुनानगर मे एक कैपटेलिस्ट का मिल है जो 77 हजार क्विटल गन्ने की प्रति दिन पिडाई करता है। जब वहा के किसानो को कुचला गया तो वहा के पूजीपतियो के होसले बुलद हो गए।

पूजीपतियों के पैसे से ये चुनाव जीतते है वहा पर डी0डी0 पुरी का जो भूगर मिल है उसमे पहले जू ा 400 ग्राम की हाती थी। गन्ने की पुली पर जो जू ा तीन महीन पहले बाधंी जाती है उसका वजन बढा कर एक किलो कर दिया है। उस जूण को डी0डी0 पूरी के भूगर मिल मे 400 ग्राम की बजाय एक किलो कर दिया है। इस एरिया मे 37 काटे है। जिनसे गन्ना तोला जाता है। उन काटों पर हर 10 क्विटल गन्ने पर एक क्विटल गन्ने की हेराफेरी होती है। जितने भी कांटे है। उन सब पर हेराफेरी होती है आप खुद अदाजा लगा सकते है कि यमुनानगर के किसानों को किस तरह से लूटा जा रहा है। यह सरकार किसानो के साथ ऐसा व्यहवाहर करके उनकी भुभ चिन्तक कैसे बन सकती है। डिप्टी स्पीकर साहब आप किसानो की कोई भी प्रोडयूस ले ले। आप पोटैटी को ही ले ले। पिछले सीजज मे आलू का भाव 80–90 रूपए प्रति क्विटल था लेकिन इस दौरान 30–35 रूपय प्रति क्विटलं आ गया। किसान चाहे सरसो वो ले, चाहे गन्ना वो ले, और चाहे कोई दूसरी फसल बो ले। ऐग्रीक्लचर प्राईस कमी ान मे ऐसे ऐसे आफिसर है जो ऐग्रीक्लचर की प्राईस तय करते है। डिप्टी स्पीकर साहअ, मुझे एक उदाहरण याद आ गया है। महाराश्ट्र मे ऐग्रीक्लचर प्राईस कमी ान एक गांव मे जाता है वह कमी ान उस गांव के एक कोहलू मे जा कर गुड को देखता है। उस कोहलू के अन्दर 20–20 किलो के गुड के भले बने हुए थे। उस एग्रीकल्चर प्राईस कमी ानर का एक मैम्बर एक गुड के भेलो को देख कर यह कहता है कि यह फल कितने बडे दरखत पर

लगाता है। डिप्टी स्पीकर साहब इसेस आप देख सकते है कि कैसे कैसे ऐग्रीकल्चर प्राई कमी ान मे मैबर है जो ऐग्रीकल्चर प्रोडक्टस की प्राईस फिक्स करते है। हमारी सरकार आस्ट्रेलिया व अमेरिका आदि से तो 228,235, और 250 रूपये पर क्विटल के हिसाब से गुेहु मंगवा लेगी लेकिन हिन्दुस्तान के किसानो से कम भाव पर गेहु की खरीद करती है। यहां के किसानो के गेहु की कीमत 151 रूपये से बढा कर 152 रूपये प्रति क्विटल फिक्स करते है यानि साल मे एक पैसा एक किलो पर बढाते है। हमारी सरकार किसानों के साथ बडी ज्यादती कर रही है। सुरेजवाला साहब आप मेरी बात को बडे ध्यान से सुनिए आप बडे काबिल और सीनियर मिनिस्टर है।

अब नये प्रधानमंत्री ने क्र ान खत्म करने की बात कही है नए प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि हम स्वच्छ प्र ाासन देगे और स्वच्छ सरकार देगे। डिप्टी स्पीकर साहब, जब तक स्वच्छ सकरार नही आएगी तब तक लोगो मे कान्फीडैस भी नही आएगा। आज बडे बडे अधिकारी सारे हरियाणा मे छाए हुए है। आज आप कही भी किसी भी आफिस मे चले जाए, बगैर रि वत के कोई काम नही होता। आज के दिन हरियाणा मे कोई डिपार्टमैंट ऐसा नही है चाहे वह रैवन्यू डिपार्टमैंट है या और दूसरा डिपार्टमैंट है जिसमे बगैर रि वत के काम हो जाए। इसी प्रकार से रिकूटमैंट की बात को ले ले। आज कोई भी रिकूटमैंट बगैर पैसे के नही होती। अब नए प्रधान मंत्री ने एक बात तो बहुत अच्छी कही है कि हम स्वच्छ

प्र ाासन देगे। डिप्टी स्पीकर साहब, पिछले बजट सै ान मार्च, 1984 मे मैने एक बात कही थी कि फारैस्ट डिवैल्पमैंट बोर्ड मे बडी भारी क्र ान है। मेरे एक सवाल के जवाब मे आया था कि एक गांव मे 3 लाख 93 हजार रूपये का घपला हुआ था। फोरैस्ट डिवैल्पमैंट बोर्ड के अन्दर बोगस बुकिग होती है। वे एक हैक्टयेर जमीन मे नर्सरी लगाते है। और उस एक हैक्टेयर नर्सरी को 10 हैक्टेयर के अन्दल लगा हुआ दिखाते है डिप्टी स्पीकर साहब, इस तरह से ये बोगस बुकिग करते है इस बोर्ड के अन्दर 15–20 करोड रूपये सालान का घपला होता है।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः इतना तो बजट ही नही है।

चौधरी बलबीर सिंह ग्रेवालः जो बजट होता है और जो आमदनी होती है उसको मिला कर 15–20 करोड रूपये सालान का घपला होता है एक आफिसर आर0एल0 तनेजा है उसने यह रिपोर्ट दी थी कि एक गांव मे नर्सरी लगाने के मामले मे 3 लाख 93 हजार रूपये का घपला हुआ है। इन्होने उस आफिसर की छुटी करने की कोि ा ा की है। वह एक ईमानदार आफिसर है। वह आफिसर इनके कहने से या बोर्ड के चैयरमैन के कहने न कठपुतली नही बन सका इसलिए उसके पिता जी खिलाफ 107/151 का केस बनाया गया। यह केस सिर्फ इसलिए बनाया गया क्योकि वह आफिसर ईमानदार होने के कारण इनके इ ाारे पर नही चला। ये ऐसा काम करके केवल गन्दगी ही फैला रहे है,

कोई अच्छा काम नही कर रहे।(घन्टी) डिप्टी स्पीकर साहब, मै केवल 2—4 मिनट ही लूगा।

अब मै ऐजुके ान के बारे मे एक दो बाते ही कहना चाहूगा। कल हमारे एक साथी बोल रहे थे कि हरियाणा प्रदे ा ऐजुके ान मे दे ा के अन्दर प्रथम दर्जे की है मै आपको बताना चाहता हूं कि हरियाणा लिट्रेसी के मामले मे नै ानल लैवल पर सबसे नीचे है। आज जो स्कूलो की हालत है उसको आप देखिए। आज गावों मे जो प्राईमारी स्कूल, मिडिल स्कलू और हाई स्कूल है उनको देखिए। आज देहात के किसी भी स्कूल की बिल्डिग ठीक नही है। किसी स्कूल की छत टूटी हुई मिलेगी, किसी की खिडकियां आदि नही मिलेगी और किसी स्कूल की हालात तो बहुत खराब मिलेगी। इसी प्रकार से किसी भी स्कूल मे बच्चो को बैठने के लिए पूरे फ र्ा आदी नही मिलेगे। मेरे कहने का मतलब यह है कि गांव मे जो भी स्कूल है। उनकी बहुत बुरी हालत है। डिप्टी स्पीकर साहब, इसके विपरीत जो भाहरो मे पब्लिक स्कूल है उसमे चौधरी भाम ोर सिंह जी के लडके पढेगे, जा आई0ए0एस0 या दूसरे आफिसर्ज है, उनके बच्चे पढेगे। आज से 15—20 साल पहले ि ाक्षा का जो स्तर होता था वह दिन प्रतिदिन बिल्कुल खत्म होता जा रहा है। आज गांव की ि ाक्षा बिल्कुल तबाह करके रख दी है। इसलिए मेरी आपके जरिए सरकार से प्रार्थना है कि गाव मे जो स्कूल है उनकी हालात को सुधारे और गांव की ि ाक्षा के स्तर को ऊपर उठाने की कोि ा ा करे।

डिप्टी स्पीकर साहब, अब मै एक बात गांव मे फैली हुई गन्दगी के बारे कहना चाहता हू गन्दगी के कारण आज गांव नकर बन चुके है। आज गांव के अन्दर जगह जगह पर कुरडी और कीचड के ढेर पडे मिलेगे। इसके विपरीत भाहरो के डेली सफाई होती है। भाहरो मे कई स्थानो पर तो सुबह और भााम को सफाई होती रहती है यानि महीने मे 60 बार सफाई होती है। जबकि गांव मे कभी भी सफाई की तरफ ध्यान नही दिया जाता। मै चाहूगा कि गांव की सफाई की तरफ ध्यान दिया जाये। हाउस मे स्वास्थय मंत्री जी बैठी हुई है। मै इनसे भी कहना चाहता हू कि आप गावो की सफाई कराने की तरफ वि ोश ध्यान दे। आप गावों की सफाई डेली न करवा कर कम से कम महीने मे एक बार तो अव य गांवो की सफाई करवाने का प्रबंध करे। इस बारे मै एक बार हैल्थ कमि ानर से मिला भी थां उन्होने मुझे बताया कि इस बारे मे चीफ सैक्रटरी साहब को लिख दिया है । गावों की सफाई कराने मे डी0सीज0 की या दूसरे आफिसर्ज की डियूटी लगा दी जाए जो गांव की सफाई करवा सके। अगर सरकार ऐसा प्रबंध कर देती है तो स्कूलो की भी सफाई होगी और गांव भी साफ सुथरे होगे। डिप्टी स्पीकर साहब, अन्त मे मै इस गवर्नर ऐड्रैस का विरोध करते हुए अपना स्थान लेता हू।

श्री इन्द्र सिह नैन (बरवाला): आदरणी डिप्टी स्पीकर साहब, राज्यपाल महोदय ने जो 6 मार्च को इस हाउस मे अपना अभिभाशण पढा है, उसके समर्थन मे बोलने के लिए मै खडा हुआ

हू। चौधरी ई ावर सिंह जी ने इस अभिभाशण पर धन्यवाद का प्रस्ताव प्रस्तुत किया और महाजन साहब ने इस प्रस्ताव को सैकेण्ड किया है। मेरे बोलने से पहले हमारे साथी और प्रतिपक्ष के कुछ साथी इस अभिभाशण पर बोल चुके है। इन सभी ने अपने विचार इस अभिभाशण मे प्रकट किए है मेरे साथी वि ोशकर चौधरी ई ावर सिंह जी और दूसरे साथियो ने भी आकडे दे कर सरकार की उपलब्धियो और कार्यक्रमी के बारे मे विस्तारपूर्वक हाउस को बतलाया है। मै दुबारा आकडो के द्धारा हाउस का समय नही लेना चाहता क्योकि मै रैपिटी ान मे वि ावास नही करता। जो बाते पहले कही जा चुकी है वह नही कहना चाहता और न ही उनको कहने का फायदा है। डिप्टी स्पीकर साहब, आपको पता है कि जब राजीव गांधी जी प्रधान मंत्री बने तो विपक्ष के भाई यह कह रहे थे कि चुनाव नही कराएगे। यदि चुनाव हुए तो हमारे मैजोरिटी आएगी। राजीव गांधी जी ने प्रधान मंत्री बनते ही हिन्दुस्तान की पालियामैट के आम चुनाव की घोशण की। अब मै कहता है कि चुनाव जल्दी क्यो करा दिए गए?

12.00 बजे

श्री राम बिलास भार्माः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। अध्यक्ष महोदय, भाायद नैने साहब को इस बात का ध्यान नही है कि हरियाणा विधान सभा का सत्र चल रहा है। ये गवर्नर एड्रैस पर बोलते हुए पार्लियामैंट लेबल की स्पीच कर रहे है। यहां पर लोग सभा नही है, यहां पर तो मुख्यमंत्री बैठे हुए है। (व्यवधान)

श्री इन्द्र सिंह नैनः डिप्टी स्पीकर साहब, जितना ज्ञान मुझे है, उसके मुताबिक बोलूगा भार्मा जी के बारे मै मे कुछ कहना चाहता। मै जाती तौर पर इनका आदर करता हूं। ये अच्दे आदमी है लेकिन इन मे जो ि ाक्षा है अगर वे इन के साथियों को दे तो बहुत अच्छा रहेगां। हमे तो सारी बात का पता है डिप्टी स्पीकर साहब, लोक सभा के इलैक ान मे 508 सीटो मे से काग्रेस पार्टी को हिन्दुस्तान की जनता ने 405 सीटे जिता कर दी है। विरौधी पार्टीज के भाई बैठे है .....

श्री उपाध्यक्षः आप बोलते समय ऐड्रैस तक ही कन्फाईन रहे तो अच्छा है।

श्री इन्द्र सिंह नैनः ठीक है जी। डिप्टी स्पीकर साहब, इनको पार्टी एक नही पार्टी है, इसका मै जिक्र नही करूगा लेकिन जो रैलेवेट बात है, वह कहना जरूरी होती है। एक नई पार्टी बनी है पहले इसका नाम कुछ और था, लेकिन आज कल श्री अमर सिंह जी इसको कुछ और ही कहते है वह तो मै नही कहूगां लेकिन देहांत मे इसको.....पार्टी कहतू है। (व्यवधान) डिप्टी स्पीकर साहब, बात सुनने की हिम्मत होनी चाहिए। इस पार्टी के उम्मीदवार इस दे ा के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार थे।(व्यवधान)

श्रीमती चन्द्रावतीः डिप्टी स्पीकर साहब, ये राज्यपाल के अभिभाशण पर बोल रहे है या हमारी पार्टी को गालियां दे रहे है

? जिस हिसाब से ये बोल रहे है इसका कोई मतलब नही है।(व्यवधान)

श्री इन्द्र सिंह नैनः डिप्टी स्पीकर साहब, मै यह कह रहा था 405 सीटे काग्रेस पार्टी ने जीती, राजीव गांधी प्रधान मंत्री बने और उन्होने अच्छे कदम उठाए।

श्री उपाध्यक्षः पार्टी का जो रैफ्रैस आया, उसको रिकार्ड न किया जाए।

श्री इन्द्र सिंह नैनः डिप्टी स्पीकर साहब, प्रधान मंत्री ने सबसे पहले दल बदल विधेयक पारित किया और इसके अच्छे परिणाम हरियाणा की राजनीति पर पडेगे। जितने भी समझदार और अच्छे आदमी थे, वे पहले ही इस पार्टी की नीतियों को मानते हुए इधर आ गये है। डिप्टी स्पीकर साहब, मै कह रहा था कि पजाब हमार पडौसी दे ा है। पडौसी प्रदे ा मे चाहे अच्छा काम हो, चाहे बुरा काम हो, पडौस पर जरूर असर होता है। पजाब मे बहुत दिनो से अ ाान्ति का वातावरण है जो अकालियों और आतकवादियो ने किया है। मै मुख्यमंत्री जी को और प्र ाासन मे वि ोश पर पुलिस की इस बात की मुबारिकवाद देता हू कि जब पडौसी प्रदे ा अ ाान्ति की आग लगी हुइ थी तो हरियाणा मे भाान्ति कायम रखी इसके लिए हमारी जनता भी मुबारिकवाद की पात्र है।।

डिप्टी स्पीकर साहब, विरोधी पक्ष के सदस्य बाते करते है किसानो की और मगरमच्छ के झुठे आसू बहाते है। भाखडा नहर दो बार कटी है। हमारे मुख्यमंत्री और आई0पी0एम0 साहब बैठे है ये मौका पर तीन चार बार बार देखने के लिए गए, लेकिन विरोधी पार्टी के भाई एक दिन भी नही गये और न ही इस बात के लिए अकालियों को कडैम किया।

श्रीमती चन्द्रावतीः डिप्टी स्पीकर साहब, ये गलतबयानी कर रहे है।(व्यवधान)

श्री इन्द्र सिह नैनः मै बिल्कुल ठीक बोल रहा हूं लेकिन जो कुछ मै कह रहा हू यह इनको सूट नही करता । (व्यवधान)

श्रीमती चन्द्रावतीः .....
...

श्री उपाध्यक्षः यह रिकार्ड न किया जाए। प्रधान मंत्री का इसके साथ कोई सम्बन्ध नही है।

श्रीमती चन्द्रावतीः डिप्टी स्पीकर साहब, हम भाखडा जाकर आये है लेकिन जब दोबारा नहर टूटी तो ये इसकी रखवाली क्यो नही कर सके ? पजांब सरकार तो इनको अपनी थी व हम मे थी फिर क्यो नही रखवाली कर सके ? डिप्टी स्पीकर साहब, इन्होने उग्रवादियों से मिलकर यह नहर तुडवाई है (व्यवधान)

श्री इन्द्र सिंह नैनः डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा आपसे नम्र निवेदन है कि ये बीच मे बोल कर मेरा कीमती समय खराब कर रहे है, इसका ध्यान रखा जाए डिप्टी स्पीकर साहब, इन के नेता ने इसी हाउस मे ब्यान दिया था कि पजांब मे अकालियों की सरकार होनी चाहिए। अगर इस हाउस मे हरियाणा के किसानो की बात करते तो हम मानते। उपाध्यक्ष महोदय, हमार दे ा एक है, इस बात मे मै ज्यादा नही जाऊगां, केवल इतना ही कहूगा हिन्दुस्तान कृशि प्रधान दे ा है। महात्मा गांधी कहा करते थे कि असल भारत गांवो मे रहता है। भारत की और हरियाणा की 80 फीसदी आबादी गांवो मे रहती है। इसलिए सरकार ने राज्यपाल के अभिभाशण मे हर वर्ग, का हर क्षेत्र का ध्यान रख है। किसान की भलाई के लिए, मजदूर की भलाई के लिए बाकायदा प्रावधान किया है। मुझ से पहले विरोधी पार्टी के भाईयो ने किसान की बात की और प्रदे ा मे ला एड आर्डर की बात की। हमारे मित्र चौधरी वीरेन्द्र सिंह मेरे घनिश्ठ मित्र है जाति तौर पर मै इनकी बहुत कदर करता हू। ये मेरे साथ वकालत करते रहे। जब इनका समय था, यानी जब इनकी पार्टी का राज था तो चौधरी देवी लाल जी चीफ मिनिस्टर थे। डिप्टी स्पीकर साहब, मै बडी रैलेवेट बात कहूगा। चौधरी कवल सिंह जी बैठे है यह बात हिसार की है ये गवाही देगे कि उस वक्त ला एंड आर्डर कितना खराब था। हिसार मे एक श्री सुखदेव अग्रवाल वकील है, उनके यहां भाादी थी। उस समय जनता पार्टी का राज था। उस भाादी मे कुछ गुण्डे बिना बुलाये आ गया और भाादी मे भाामिल होगय। उन्होने बरातियो को

पीटा। मै इस बात को ज्यादा लम्बार नही करना चाहता। इस गुडागर्दी के खिलाफ हिसार से 50 वकील यहां आ गये। डिप्टी स्पीकर साहब, मैन पहले भी कहा है कि जाती तौर पर किसी के खिलाफ नही हू और न ही मैने आज तक किसी के खिलाफ ऐलीगे ान लगाये है। मै जनता पार्टी के राज की बता कर रहा हू। उन 50 वकीलो मे ऐसे वकील भी भाामिल थे जो बहुत सीनियर वकील थे और इनके अपने उम्मीदवार श्री भयामलाल सरदाना जो इस बार टोहाना से इलैक ान लड रहे थे, वे भी चण्डीगढ आए थे। वुकला साहेबान उस समय के मुख्यमंत्री की और होम मिनिस्टर को प्रोटैस्ट करना चाहते थे जब वे यहा आये तो बजाये उनकी बात को सुना जाए, उनको गिरफतार कर लिया जिनमे मे भी भाामिल था और तीन दिन तक बुडैल जेल मे रहे।

श्री वीरेन्द्र सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। डिप्टी स्पीकर साहब, चौधरी इन्द्र सिंह नैने ने 6 साल पुरानी बात कही है और मेरा ख्याल है ये सच ही बोलेगे, झुठ नही बोलेगे। उस भाादी मे कुछ गडबड हुई थी, इस मे कोई दो राय नही है। जिन्होन गडबड की, उनके खिलाफ केसिज रजिस्टर हुए। बुकाला साहेबान 50 नही, 100 के लगभग आये थे और मुख्यमंत्री जी से मिले थे। मुख्य मंत्री जी ने उनको कहा कि इस एरिया मे दफा 144 लगी हुई है इस लिए आप धरना बाहर न दे, मेरी कोठी के अन्दर दे दो। यहा का ला एंड आर्डर यू0टी0 के अडर है मेरे अडर नही है। इसलिए मेहरबानी करके कोठी के अन्दर आ जाएं, यह

भामियान लगा हुआ है। यहां बैठ जांए और चाय बगैरा पीये। वे चाय पीकर कोठी से बाहर आ गए। उन्होने धरना दिया तो यू0टी0 की पुलिस ने उनको गिरफ्तारा कर लिया। इस गिरफतारी का हरियाणा के साथ कोई सम्बन्ध नही था क्योकि यहा यू0टी0 का ऐडमिनिस्ट्रे ान था।

श्री इन्द्र सिंह नैनः डिप्टी स्पीकर साहब, यह बात इन्होने ठीक कही कि मै झूठ नही बोलता। इसमे कोई दो राय नही है। लोग इलैक ान के दिनो मे कलाबाजियां कर जाते है लेकिन मैने कभी झुठ बोल कर वोट नही लिए। मै अपनी कथनी और और करनी मे अन्तर नही रखता।

डिप्टी स्पीकर साहब, आप जानते है कि हरियाणा स्टेट कोआप्रेटिव सप्लाई एन्ड मार्किटिग फैडरे ान, जिसे छोटे भाब्दो मे हैफड कहते है, किसानो का मित्र है। यह किसान की सेवा करता है। किसानो के लिए उससे तरावाडी मे फर्टिलाइजर प्लांट लगाया हुआ है। रोहतक के अन्दर प ाुओ के लिए चारा पैदा करने का कैटल फीड प्लाट है। अगले प्लान मे एक बार्ले माल्ट यूनिट लगाने जा रहे है। उकलाना मंडी मे एक स्पीनिंग मिल लगाने की सरकार की योजना है डिप्टी स्पीकर साहब, मै आपके जरिए इस हाउस के आदरीणय सदस्यो को यह बताना चाहता हू कि हरियाणा सरकार ने सिर्फ किसानो के लिए, गरीबो के लिए काम करना चाहती है बल्कि हर सैक ान की तरक्की का काम करने के लिए वचनबद्ध है। ये विरोधी पक्ष के भाई बोलते हुए अपनी हाथ को भूल जाते

है (विघ्न) अन्त मे, डिप्टी स्पीकर साहब, मै आपके जरिए हाउस से निवेदन करता हू कि इस प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पास कर दिया जाए। धन्यवाद।

चौधरी बलबीर सिंह ग्रेवालः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। हमारे मित्र किसानो की बडी बात कर रहे है लेकिन मै आपके द्वारा उनके नोटिस मे एक बात लाना चाहता हूं। आज क्वै चन आवर के दौरान यहा बताया गया कि अकेले इंदरी सब डिविजन मे टयूबवैल्ज के कनैक ान देने के 1 से 2 साल तक पुराने 172 केसिज, 2 से 3 साल पुराने 214 केसिज, 3 साल से ज्यादा केसिज पुराने 266 केसिज पैडिग पडे है। इसके बावजूद भी ये कहते है कि हम किसानो के बडे भाुभ चिन्तक है।

चौधरी भाम ोर सिह सुरजेवालाः डिप्टी स्पीकर साहब, मै इनकी क्वीरीज का जवाब देना चाहता हूं । जो बात ग्रेवाला साहब कह रहे है वह दुरस्त नही है। मै उन्हे कारैक्ट करना चाहता हू। डिप्टी स्पीकर साहब, तीन साल से पुराने टैस्ट रिपोर्ट के केसिज केवल 16 थे। पिछले दिनो कुछ और कनैक ान्ज दिए जा चुके हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, ये जो फिगर्ज पढ रहे थे वे टैस्ट रिपोर्ट की नही है। बल्कि कुछ और फिगर्ज है।

चौधरी सुबे सिंह (उचाना कला): आदरणीय उपाध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय द्वारा 6 मार्च को दिए गए अभिभाशण के सकर्थन मे बोलने के लिए मै पहली बार सदन मे आपसे

मुखातिब हो रहा हू। पिछले संसद के आम चुनाव मे हरियाणा की जनता ने जो ऐतिहासिक बहुम काग्रेस पार्टी को दिया है कि उसके लिए आपके माध्यम से प्रदे ा की जनता को बधाई देता हूं। राजीव गांधी जी ने प्रधान मंत्री बनती ही राजनीती मे और प्र ाासन मे जो एक नई दि ाा देने का सकल्प लिया है उसका पहला नतीजा पूरी दुनियां के सामने है। जिस बात के लिए आज तक के राजनैतिक इतिहास मे बडे प्रयत्न होते रहे, कुछ अर्सा के लिए विरोधी दल की सरकार भी आई और उसने भी प्रयास किया कि दल बदल को रोक जाए लेकिन वह रोका नही जा सका, उस दल बदल को रोकने के लिए राजीव गांधी जी ने बडी हिम्मत और दिलेरी के साथ निर्णय लिया और उसका परिणाम आज आप सबके सामने है कि कोई असैम्बली का मैम्बर या पालियामैंट का मैम्बर दल बदल नही सकता और अगर वह दल बदलता है तो उसे अपनी मैम्बरी छोडनी पडेगी। यह सबूत है राजनीति मे स्वच्छता और ईमानदारी लाने का। डिप्टी स्पीकर साहब, सार्वजनिक जीवन मे स्व्चछता लाने के लिए और प्र ाासन मे कु ालता लाने के लिए यह सबसे महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है और हमारे प्रदे ा मे भी इन बातो को कारगार रूप देने के लिए भरसक प्रयास हो रहे है। सातवी पंचवर्शीय योजना मे जो मार्गद र्ाक बताए गए है उनमे विकास, समता, समाजिक न्याय और उत्पादन बढाने की बाते कही गई है। इससे पहली जो छठी पंचवर्शीय योजना थी उसमे 1800 करोड रूपये खर्च करने का प्रवाधान था लेकिन सातवी पचवर्शीय योजना मे 3200 करोड रूपये खर्च करने का प्रवाधान है इसमे

गरीबी को घटाने और भाहरो तथा गावं मे जो असमानता है उसको दूर करने की भी बात कही गई है। विकास मे जनता के पूरे सहयोग की बात भी सतावी पंचवर्शीय योजना मे कही गई है। राजनीति मे और प्र ाासन मे छोटे से लेकर बडे पद पर आसीन व्यक्ति, चपडासी से लेकन मुख्यमंत्री तक सब अपने आपको जनता का सेवब समझे, जनता के हर दुख और तकलीफ मे वह आगे आए, हर समय हाजिर रहे, इस तरह का उद्दे ाय हमारी काग्रेस पार्टी ने आदरणीय राजीव गांधी जी ने नेतृत्व मे अपने सामने रखा है। डिप्टी स्पीकर साहब, कृशि के उत्पादन मे पानी और बिजली की कमी के बावजूद भी पूरा उत्पादन होने की उम्मीद है। खरीफ मे 19.93 लाख टन औवर आल फूड ग्रेनज का प्रोडक ान हुआ है और अब रबी की प्रोडक ान मे भी काफी सैटबैक पहुचा है लेकिन फिर भी 51.4 लाख टन फूड ग्रेनज पैदा होने की आ ाा है। यह रिकार्ड उत्पादन है। हरियाणा सरकार केन्द्रीय खाध भण्डार मे पूरा अं ादान कर रही है। यह हरियाणा के लिए खु ाी की बात हैं सातवी पचंवर्शीय योजना के अन्दर खाधान उत्पादन के साथ साथ फल और सब्जियो के उत्पादन की भी योजना इन्फोर्स करने जा रही है। खाधान्न उत्पादन के साथ साथ फलो और सब्जियो के उत्पादन की भी योजना इन्फोर्स करने जा रही है। खाधान उत्पादनों के साथ साथ फलो और सब्जियो का उत्पादन भी एक तरह से क्रे ा क्रोप है। यह भी किसानों के जीवन को ऊंचा उठाने मे बहुत ही सहायक सिद्ध होगा। इस पंचवर्शीय योजना मे सरकार की तरफ से सभी प्रवाधान किये गये है। अपनी जिन्स को

बेचने के लिए किसानो को दस किलो मीटर से दूर नही जाना होगा।

डिप्टी स्पीकर साहब, मै अपने ऊचाना हल्के के बारे मे भी कुछ जिक्र करना चाहता हूं । जो मेरे हल्के मे कृशि से सम्बन्धित दिक्कते है या दूसरी बाते है उनके बारे मे भी मे हाउस के सामने निवेदन करना चाहता हू। ऊचांना हल्की पूरा का पूरा टेल पर पडता है। मेरे हल्के के लिए सूदकान और राजौन्द मुख्य डिस्ट्रिब्यूटरीज है जो उचाना हल्के के गाव टेल पर पडते है वहा पर इनका पानी पूरी तरह से नही पहुचता है। पानी पूरी तरह न पहुचने के कारण इलाके के लोगो को बडी भारी दिक्कत उठानी पडती है। इसलिए मै आपके द्वारा सरकार से कहना चाहूगा कि उचाना हल्के के लिए जो दो तीन माईनर्ज है उन्हे जल्दी से जल्दी पूरा किया जाय। छाज माइनर अभी बनी नही है। बोगरा और क्रोंथ माइनर भी बना नही है लेकिन कोश माइनर मे कुछ एरिया और भाामिल किया जाना चाहिए ताकि उस हिस्से के लोगो को भी इसका पानी मिल सके ओर छाज माइनर का जल्द से जल्द निर्माण करवाया जाये। ताकि इलाके के लोगो को भी लाभ हो सकें

मेरे हल्के मे कुछ एरियाज मे टयूबवैल्ज कामयाब है। वहा पर एस0डी0ओ0 लगाना चाहिए क्योकि अभी तक वहा जे0ई0 लगाया हुआ है। उचाना मडी नही वह पर अभी तक सिविल डिस्पैसरी है इसलिए मेरा सरकार से अनुरोधा है कि वहा प्राइमरी

हैल्थ सैटर खोला जाए और वहा पर वि ोश रूप से प्रसुति गृह निर्माण किया जाए।

मेरे हलके से फिरोजपुर से दिल्ली को रेलवे लाईन निकलती है वह रेलवे लाईन मेरा कास्टीच्यूसी के गांवो को बाइफरकेट कर देती है आधे गाव लाईन के उस पार रह जाते है और आधे इस और रह जाते है मडी एक तरफ रही जाती है और गांव एक तरफ हो जाते है मेरे हल्के के लोगो की मांगे है कि वहा पा एक ओवर ब्रिज बनाया जाए ताकि लोग को सुविधा हो सके।

उपाध्यक्ष महोदय मै कल से सदन की कार्यवाही देख रहा हू। मे यहा हाउस मे साफ साफ बताना चाहता हू कि मेरे उचाना हल्के मे बडी इमानदारी से वोट पडे है। मै बिल्कुल इमानदारी से जीत कर आया हूं। कोई भी मेरा सम्मानित सदस्य पक्ष या विपक्ष का यह साबित नही कर सकता है कि वहां पर कोई बेइमानी हुई है लेकिन हमारे डी0एम0के0पी0 के भाइयो ने वहा तीन चार तारीख को गुण्डागर्दी की जिसका प्रमाण चौधरी अमर सिंह जी के साथ जो इन्होने व्यवहार किया है उससे मिल सकता है। चौधरी अमर सिंह जी काबरछा मे थे और वे पोलिग बूथो को देख रहे थे। वे जब वहा से डूमरखा के लिए लौट रहे थे तो विराधी दल के लोगो ने रास्ते मे उनकी गाडी को रोका। वहा पर वे 50–55 लोग थे। उनके पास हथियार और लाठिया थी। उनके साथ ही पवन कुमार बंसल भी थे। जो हमारे एम0पी0 है। वे

आवजवंर के रूप मे आये हुए थे। उन लोगो ने उनके साथ हाथापायी करने की भी कोि ा ा की लेकिन वे अपनी हिम्मत और दिलेरी से वहा से निकल आये। इन्होने जो गुण्डागर्दी की। वहा पर एक ट्रक ड्राईवर ने भाराब पी हुई थी और वे पोलिग बुथ पर नारे भ लगा रहे थें । ट्रक ड्राईवर ने भाराब पी रखी थी और जब वे जा रहे थे तो ट्रक उल्ट गया, आठ बच्चे मारे गये और 26 घायल हो गये।

श्रीमती चन्द्रावतीः उपाध्यक्ष महोदय, ये नये मैम्बर है इसलिए हम इन्हे चैक नही करना चाहते थे लेकिन अब ये गलत ब्यानी कर रहे है इसलिए हमे नोटिस लेना पडेगा कि ये गलत ब्यानी न करे और यह गलत ब्यानी प्रोसिडिग्ज का पार्ट नही बननी चाहिए। ये पालियामैटरी भाशा प्रयोग करे। नये मैम्बर होने के नाते से हमने बीच मे टोकना उचित नही समझा लेकिन इस तरह इन्हे गलत ब्यानी नही करनी चाहिए।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः मै आई विटनैस हू। उचाना मडी मे डी0एम0के0पी0 के लोगो के पास विहक्लज मे हथियार थे। वे पोलिग बूथो पर टैरर क्रियट करना चाहते थे। जब यह हुआ तो मै उस समय उचाना मडी मे मौजूर था। (ाोर)

श्री वीरेन्द्र सिंहः अब चौधरी भाम ोर सिंह जी नई कहानी घड कर लाये है।

चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवालाः पुलिस स्टे ान मे इस बात का रिकार्ड है।

श्री मंगल सैनः डिप्टी स्पीकर साहब, मै भी गवर्नर ऐड्रेस पर बोलना चाहता हू।

श्री उपाध्यक्षः हा, आपको भी बुलावऊगा। चौधरी सूबे सिह जी अपनी स्पीच समाप्त कर ले, उसके बाद आपके बुलावऊगा।

चौधरी सुबे सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मै एक ही बात कहना चाहता हू कि मैने जो चुनाव लडा है वह पूरी ईमानदारी और स्वच्छता से लडा है। काग्रेस के लोगो ने बडी ईमानदारी दिखाई है लेकिन उसके उलट एक बात कहना चाहता हू कि तीन चार तारीख की रात को विरोधी दल के जितने भी कार्यकर्ता और नेता काम कर रहे थे ....

श्री उपाध्यक्षः अब जो ये बोल रहे है वह रिकार्ड न किया जाये।

लोक निामर्ण मंत्री श्री अमर सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी सूबे सिंह ने जो एलैज किया है यह सौ फीसदी करैक्ट है। श्री पवन कुमार जो कि हमारे एम0पी0 है और आबजर्वर के रूप मे कार्य कर रहे थे, वह और मै पोलिग बूथो को देख कर काबरछाा गांव से आ रहा थे। चालीस आदमियो ने जो असले के साथ थे, हमारी गाडी को सडक पर देख कर रूकवा लिया और उन्होने

हमारे साथ मैन हैडलिंग करने की कोि ा ा की। मै यह बात सही कर रहा हू । पवन कुमार जी मेरे साथ थे। (ाोर)

उपाध्यक्ष महोदय, ये जो भी बात कह रहे है ये गलत कर रहे है। अपनी बात को छिपाने की कोि ा ा कर रहे है। सारी बातो के बारे ये अच्छी तरह जानते है। उचाना, टोहाना और नूह मे इन लोगो ने बूथ कैपचर करने की कोि ा ा की लेकिन पुलिस की दखलअन्दाजी से जब बूथ कैपचरिंग न होने दी गई तो ये अब भाोर मचा रहे है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः जंहा का ये किस्सा ब्यान कर रहे है उस समय तो ये मस्ती मे भाराब के न ो मे झूम रहे थे । काग्रेस के लोगो ने ही सब किया है। (ाोर)

श्री अमर नाथः आप दूसरो पर लान्छन लगा रहे है और खुद भाराब के न ो मे झूम रहे थे। मेरे बोर मे ऐसा कहना निराधार है।

श्री मंगल सैनः डिप्टी स्पीकर साहब, सदन मे राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर परिचर्चा हो रही है। राज्यपाल महोदय, यहां पर छ तारीख को दस बजे पधारे थे और मुझे बडा खेद है कि मै और मेरे साथी उनके भाशण को सुने बगैर हास से बाहर रचले गए क्याकि हाउस मे आने से पहले हम उनसे मिले थे और हमने उसने कहा था कि हम आपका भाशण नही सुन पाएगे क्योकि आपका ब्यान सरकार की नीति संबधी वक्तव्य है, वह ब्यान

गवर्नमैट की पोलिसी स्टेटमैट होता है और वह गवर्नमैंट जिसके मुख्य चौधरी भजन लाल है सारी अच्छी बातो हो पांव के तले रौद रही है और आप राज्यपाल होने के नाते उन पर कोई चैक नही लगा रहे है। हमारी मजबूरी है कि हम आपका भाशण नही सुनेगें। हम लोग तन्त्रवादी होने के नाते अलोकनतन्त्रवादी चीजो को सहन नही कर सकते। राज्यपाल के पद का सम्मान हदय मे रखते हुए भी हमारी मजबूरी है कि हम आपकी बात को नही सुन पाएगे। ऐसा हमने उनको कहा। आपने देखा होगा कि जब उन्होने अभिभाशण पढना भाुरू किया तो हमने कहा कि आप जिस राज्य के राज्यपाल है वहां पर लोगो को, निर्दोश लोगो को, गोली से मारा जाता है और अभीछ सात बहनो के अकले भाई, मां बाप के इकलोते बेटे को ए0एस0पी0 ने मारा दिया उनकी जुडि ायल इक्वायरी क्यो नही की जाती ? लेकिन उन्होने कोई ध्यान नही दिया।......

मुख्य मंत्री(चौधरी भजन लाल): डा0 साहब ने कहा कि ... डिप्टी स्पीकर साहब, यह बात मुनासिब नही और यह हाउस की कार्यवाही से निकलनी चाहिए और साथ ही इन्होने राज्यपाल महोदया को ......कहा है यह भी ठीक नही है।

श्री उपाध्यक्ष: ठीक है, उनके बारे मे जो भाब्द कहे गये है वे रिकार्ड न किये जाए।

Shri Mangel Sein: He was bound by his duty and rules Sir He could not say anything more.

डिप्टी स्पीकर साहब, हमारे सविधान के अनुसार जब विधान सभा के अधिवे ान का पहला दिन होता है मतलब यह है कि वर्श के आरम्भ मे जब सदन बैठता है तो पहले दिन राजपाल महोदय सदन को सबोधित करते है, ऐड्रैस करते है। उस सवैधानिक प्रक्रिया को पूरा करने के लिए, उस फौरमैलटी को पूरा करने के लिए राज्यपाल महोदय समदन को सबोधित करते है। मै एक बात और कहना चाहता हूं और यह बात रिकार्ड पर लाना चाहतास हू कि मेरा एक ऐसी पोलिटिकल पार्टी से संबध है जो पोलिटिक्ल वैल्यूज को ऊपर लाना चाहती है। इनकी तरह नही होना चाहिए कि सारे डैमोक्रेटिक वैल्यूज को पाव तले पामान कर दिया जाएं। जब मैने राज्य पाल महोदय, के भाशण को पढा तेा मै हैरान था कि राज्यपाल महोदय बोल रहे है या कोई काग्रेस का वर्कर बोल रहा है। वे ऐड्रैस मे राजीव गांधी के बारे मे बोल रहे थे राजीव गांधी की तारीफ कर रहे थे कि वे इन्टरने ानल नेता के रूप मे उभरेगे। डिप्टी स्पीकर साहब, हमे क्या एतराज है कि वह अपने घर के किसी आदमी को कुछ भी बना दे। हमे इसमे कोई हर्ज नही है।(ाोर एवम व्यवधान) हमे तो इस बात पर एतराज है कि गवर्नर को एक काग्रेस का वर्कर बनाया जा रहा है। डिप्टी स्पीकर साहब, यह बात ठीक नही है। इस अभिभाशण मे पहले तो श्रीमती इदिरा गांधी की हत्या के बारे मे उल्लेख किया गया है डिप्टी स्पीकर साहब, यह ठीक ही लिखा है कि सारा दे ा स्तब्ध रह गया। लेकिन इसमे कही यह जिक्र नही है कि सरकार की गलत नीतियो की वजह से उनकी हत्या हुई।सरकार उनकी

सुरक्षा नही कर पाई। उनकी सुरक्षा के लिए सरकार ने जो उपाय करने थे वे उपाय सरकार नही कर पाई। राज्यपाल महोदय ने यह भी कहा कि पडौसी राज्य मे अ ाान्ति है और दो बार नहर टूट गई लेकिन यह नही बताया गया कि ला एण्ड आर्डर की म ाीनरी नहर को बचाने मै क्यो असफल रही ? डिप्टी स्पीकर साहब, बाद मे इन्होने हाथ पांव जोडकर उस नहर की रिपोयर करवाई। राज्यपाल के ऐड्रैस मे कही यह जिक्र नही आया कि सरकार लिक कैनाल को जोडने मे क्यो असफल रही जबकि पजांब मे केन्द्र द्वारा भाासन चलाया जा रहा है। भजन लाल जी राजीव गांधी को प्रधान मंत्री बनानै के लिए पसीना पसीना हो रहे थे उनकी तारीफ मे बडी बातो कही जा रही थी क्योकि उनको डर था कि कही इनकी छट्टी न हो जाए। गवर्नर साहब, को इस बात पर रो ानी डालनी थी कि यह सरकार नाकामयाब क्यो रही। स्वर्गवासी श्रीमती इदिरा गांधी ने अपने जीवन मे दो फैसले किए थे अबोहर और फाजिल्का का फैसला और पानी का फैसला। गवर्नर साहब ने अपने भाशण मे इनका कोई उल्लेख नही किया कि इनको कहा तक इम्पलीमैंट किया गया है। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए).....। स्पीकर साहब, मै कहना चाहता हू कि भजन लाल जी आये दिन नये नये ब्यान गढते रहते है।

चौधरी भजन लालः मै तो आपसे सलाह करके ही बोलता हू।

श्री मंगल सैनः आपने जो अपने कैबिनेट के साथियो के साथ भी सलाह नही की मुझ से तो क्या सलाह करनी थी। आपने कहा कि महा पजाब बनना चाहिए था लेकिन इसका आपके काग्रेस के मुख्य मंत्री ने विरोध किया। स्पीकर साहब, उस दिन ये कह रहे थे कि हरियाणा प्रान्त बना बडा बुरा हुआ । भजन लाल जी मै आपको बातना चाहता हू कि जब हरियाणा बना आप उस समय एक छोटे से गांव के सरपंच के चुनाव के चक्कर मे थे। आप उस समय ब्लाक लैवल के वर्कर थे।

चौधरी भजन लालः मै तो पीडी पौडी चढा रहा हू। आप भी तो वर्मा से आये है।

श्री मंगल सैनः आप तो राजस्थान और हरियाणा का बौर्डर क्रोस करके चढे है यह ठीक बात है। कि मै वर्मा से आया हू मुझे पता है कि आप किस तरह से ऊपर चढे है। स्पीकर साहब, in Season and out of season he in issiing stateents यह जानते हुए भी कि इनके स्टेटमैटस से स्टेट का कितना नुकसान होगा अपनी बाता को एप्रीि ाएट कर रहे है। कभी घोशणा करते है कि चण्डीगढ की वोट देा । कभी कहते है कि अबोहर ओर फाजिल्का के इतने गांव हरियाणा को दे दो।

श्री हीरा नन्द आर्यः आन ए प्वायट आफ आर्डर सर। स्पीकर साहब डा0 साहब कह रहे थे कि ये ब्लाक लैवल के या पंचायत लैवल के आदमी थे। मेरा कहना यह है कि डा0 साहब

अपनी जानकारी मे यह बात ऐड ले कि भजन लाल जी इन्टरने ानल लैवल के थे (हंसी)

श्री अध्यक्षः यह कोई प्यायट आफ आर्डर नही है।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, ये आये दिन नये नये स्टेटमैट देते है लेकिन इनके उस स्टेटमैट पर हिमाचल वालो ने अगूठा दिख दिया और कह दिया कि हम नही मिलते। स्पीकर साहब गवर्नर साहब ने जिनकी तारीफ की हमे उनके भाब्दो पर एतराज है । डैमोक्रेसी मे अपोजी ान हुआ करती है। अपोजी ान को अपोजी ान के नाम से पुकारना चाहिए लेकिन उनको अप ाब्द कहना कि डिसप्टिव फोर्सिज को डिफीट किया ठीक नही है उनकी भाान के बारे मे ऐसा कहना it is unlike for a Governor. I highly object to it and I am within my rights to say to beacuse he has mis used his froum to express his views.

स्पीकर साहब, मै तो चाहता हू कि ये सदन मे महा पजाब के बारे मे प्रस्ताव ले आए। ये प्रस्ताव क्यो नही ले आते ? यहां तो एक भाब्द भी इन्होने नही कहा। मै इनसे पूछना चाहता हू कि अनाउसमैट करने से पहले क्या इन्होने काग्रेस पार्टी से इस बात का फैसला कर लिया था ? क्या भाई सुलतान सिंह जी इस बारे मे सलाह कर ली थी? कही हाई कमांड के जनरल सैक्रेटरी को गाठ गूठ कर तो यह फैसला नही कर लिया था ? क्या प्रदे ा काग्रेस से, या प्रदे ा कैबिनेट से इस बात का फैसला नही कर लिय था ? मै तो यह कहना चाहता हू कि इन काग्रेसियो ने पहले

छोटे छोटे राज्य बनाये जबकि हम उनके खिलाफ थे। हमने इन काग्रेसियो को कहा लेकिन ये नही माने। भजन लाल जी कहते है कि मै उसे समय मुख्यमंत्री नही था। भजन लाल जी उस समय काग्रेस मे हुआ करते थे । पहले सरदार प्रताप सिंह कैरो और बाद मे चौधरी बंसी लाल जी मुख्यमंत्री हुआ करते थे मै कहता हू कि ये उस वक्त काग्रेस मे थे। काग्रेस से त्याग पत्र देते और कहते कि यह बात गलत है लेकिन इन्होने यह जुर्रत नही की और आज रोने का क्या फायदा ।What is the use of weeping over the spilt mike ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः डाक्टर साहब, आप तो उस समय महा पजांब के हक मे रहे है।

श्री मंलग सैनः हा, ठीक है जो इसमे छूपाने वाली कौन सी बात है। लेकिन मै यह कहता है कि आप के मुख्यमंत्री महापजाब पर सीरियलस नही है। पजांब वाले तैयार नही हिमाचल वाले तैयार नही और हरियाणा वाले इस विलय के लिए तैयार नही। क्या आपने भजन लाल जी अनाउसमैट करने से पहले किसी से पूछा किसी से सलाह म ाविरा किया या अपने आप ब्यान देने भाुरू कर दिये। आपके प्रधान मंत्री जी राजीव गांधी जी जी ने पिछले दिनो चुनाव के दौरान ि ामला मे यह कह दिया कि हम हिमाचल को किसी भी सूबे मे नही मिलायेगे। अब आप बताओ कि आप हरियाणा को किस से मिलाओगे ? क्या दीवारो से मिलाआगो ? हां, एक काम, स्पीकर साहब, इन्होने अव य ही अच्छा किया।

इन्होने हरियाणा के छोटे छोटे टुकडे करने का सिर पर जरूर बदनूमा धव्जा लगा लिया। स्पीकर सर, इससे आगे मे यह कहना चाहता हूं कि मैने पिछली बार भी गवर्नर ऐड्रैस मे ने ानल कैपिटल रीजन के बारे मे कहा था और यह रिकार्ड पर होगा। अगर कोई माननीय सद ये उसे देखना चाहे तो मंगवा कर देख सकता है। मैने कहा था कि ने ानल कैपिटल रीजन स्कीम जो है वह धीरे धीरे हरियाणा के अधिकारी को छीनेने वाली बात है। सै ान के आखिरी दिनों मे ये प्रस्ताव ले आए और कह दिया कि केन्द्रीय सरकार को अधिकार देते है कि वे इस पर कानून बनाए। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब, आपको बोलते हुए 15 मिनट हो गये है आप वाइड आ कीजियेगा।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मैने तो अभी भ्ाुरू ही किया है जीं। मै तो आपका आज्ञाकारी सदस्य हूं। ये मुझे बीच मे टोकते रहे है इसलिए मुझे और समय मिलना चाहिये। मेरा सारा समय तो इन्होने जाया कर दिया।

श्री अमर सिंहः स्पीकर साहब, अभी ट्रेजरी बैन्सिज की तरफ से बहुत सारे आनरेबल मैम्बर्ज बोलने वाले रहते है उनको भी बोलने का समय मिलना चाहिए।

Mr. Speaker: That I will See.

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मै कहना चाहता हू कि इन्होने हरियाणा को तीन धनाढयों के हाथ बेच रखा है। कुछ उनसे से हिसार रहते है और कुछ दिल्ली मे रहते है एक इडस्ट्री का मेरे मित्रो ने जिकर भी यहां पर कर दिया और उस बारे मे श्री राजीव गांधी जी को भी एक पत्र लिख दिया।

श्री अध्यक्षः ये लफज रिकार्ड न कियो जाए।

चौधरी भजन लालः डाक्टर साहब, मेरे दामाद ने जो लोन लिया है उसमे अगर कोई गलती मिल जाए या उसने कही सेल्ज टैक्स की चोरी की हो तो इसके लिये मै आपको मुनसफ यानी जज मुकर्रर करता हूं। अगर आप कोई ऐसी बात साबित कर दे तो मै इस्तीफा दे दूगा। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, न जी, मै आबिट्रेटर बनने के लिए तैयार नही हूं क्योकि इन्होने पहले एक केस मे श्री बलदेव तायल को आबिट्रेटर बताया था और बाद मे उसको गालिया दी थी। आप इस बात की इक्वायरी करवा लीजियेगा पता चल जाएगा।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, किस बात की इक्वायरी?

श्री मंगल सैनः मै आबिट्रेटर बनने के लिये तैयार नही हू। Let there be a judicial officer, Interruptions Sir, my

Submission is that my friend should accept my challenge and order an inquiry by s sitting judge of the High Court.

चौधरी भजन लालः मै पूछ रहा हू कि किस बात की इक्वायरी ?

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, इस बात की इक्वायरी जो इनके दामाद ने हरियाणा फायनैन्ि ायल करपोरे ान से लोग लिया है जो बिजली उन्हे मिल रही है। जो लोग इडस्ट्रियल कारपोरे ान से उन्हे मिला है उस बारे मे जांच होनी चाहिए। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब, इन्होने यह कह दिया कि अगर उसके मुतालिक कोई इल्लीगैलिटी या कोई फेवरेटिजम निकलेगा तो मै इस्तीफा दे दूंगा। बडे हो कलीयर लफजो मे इन्होने यह बात कह दी है। कया फिर उसके बाद कोई बात रह जाती है ?(ाोर एवम व्यवधान)

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, यह जो सस्थाए है इनका काम है कर्जा देना। डाक्टर साहब, इडस्ट्रीज मिनिस्टर रहे है। इनको इस बारे मे सब कुछ पता होगा। अगर कोई इस दे ा के अन्दर प्रदे ा के अन्दर फैक्टरी लगायेगा, छोटे से छोटा और बडे से बडा व्यक्ति कर्जा ले कर ही लगायेगा, चोरी करके, डकैती करके नही लगायेगा। हम बाकयाद लोगो मे इस बात के लिए इ ि तहार देते है और लोगो को विदे ाो मे जा रक बनाते है कि आज कृपया मेहरबानी करके हमारे हरियाणा के अन्दर इडस्ट्रीज

लगाओ, फैक्टरिया लगाओ, हम आपको कर्जा देगे, बकवर्ड एरियाज मे इडस्ट्रीज लगाने के लिए सबसिडी देगे। अगर किसी सियासी आदमी के रि तेदार ने फैक्टरी लगा ली आप बताओ कि क्या उसने बहुत बडा गुनाह कर लिया ? मै इससे ज्यादा और नही कह सकता । भाायद आप इसालिए इस तरह से की बाते यहा पर कहते है कि भजनल लाल के नाम पर कोई बदनामी आ जाएगी। स्पकीर साहब, मै इनको यह बताना चाहता हू कि मेरे दामाद मे अगर एक पैसे की भी बेईमानी मिल जाए कर्जा लेकर वापिस न किया हुआ हो, इस तरह की कोई बात मिल जाए, तो मै त्याग पत्र दे दूगां। डा0 मंगल सैन इक्वायरी कर ले जो इनकी रिपोर्ट होगी उसी को मै मान लूंगा। मेरा इस्तीफा हर वक्त तैयार रहेगां। मै आपको यह बात चैलेन्ज के साथ कहता हू।

Shri. Mangal Sein: Now the matter is very clear. He has accepted my suggestion. Therefore, it is my submission and request that a siiting judical authority from the High Court should be appointed on the job, Sir. स्पीकर साहब वे यह बात मान जाए। हाई कोर्ट के किसी चीफ जस्टिस की यह मामला सौप देना चाहिए।

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब, आप वाइड आ कीजियेगा। आपका समय हो गया है।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, प्रौफेसर सम्पत सिंह जी ने एक लैटर राजीव गांधी जी को लिखा है, जिसकी कापी मेरे

पास है उसमे लिखा है कि जनाब आप ने कहा कि मै भ्रश्टाचार दूर कर दूगा। आप हमारे सूबे के मुख्यमंत्री की इक्वायरी करवा लीजिए। मेरे मित्र तो, स्पीकर साहब, जो इस काम के लिये कमि ान मुकर्रर होगा, उसके सामने जी आन औथ्र कह देगे। ाोर एवम व्यवधान)

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मुख्यमंत्री की इक्वायरी की बात यह है कि जनता सियासी आदमी का भाागी ाा होता है। हमने अपोजी ान को साल मे दो दफा सोनीपत मे चित किया। पालियामैट के इलैक ानो मे 10 की 10 सीटे काग्रेस ने जीती और अब वाई इलैक ान मे तीनो सीटे भारी बहुमत से काग्रेस ने ही जीती। टोहाना मे सारी की सारी अपोजी ान यहा पर इकटठी थी। आज तक कभी भी इतने बडे मार्जिन से नही जीते। साढे 25 हजार की लोड रही। यह बात सभी के सामने है कोई छूपी हुई नही है। लोग जानते है कि कौन कैसा आदमी है और कौन आदमी है और कौन कैसा लेकिन आपके कहने से कोई फर्क नही पडता। जब कोई आदमी अपने दिमाग का सतुलन खो बैठता है तो और तरह की ही बाते करने लगता है ये कोई बाते है ? आप बता करिये जो ढग की हो, फायदे की हो। हमारे दे ा मे प्रजातन्त्र है और प्रजातन्त्र मे जनता ही इस बात का फैसला करती है जनता ने फैसला कर भी दिया कि आप सब लोगो के सामने है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, टोहाना मे, नूह मे और ऊचाना मे जो उप चुनाव हुए इन के बारे मे आप किसी इडिपैन्डैन्ट ब्यूज वाले और ईमानदार आदमी से इक्वायरी करवा ले आपको पता लगेगा कि भूना मे इन्होने एक भी वोट डालने नही दिया।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सतुलन खो दिया है। पता नही वे अपने बारे मे कह रहे थे या किसी और बारे मे कह रहे थे। हमने कोई सतुलन नही खोया है। चीफ मिनिस्टर साहब आपको जिस चुनाव मे जीतनत का अहकार है उस बारे मे पता होना चाहिए कि वहा पर किस तरीके से बूथ कैपचरिंग की गई ये मुह बोलती बाते अखबार कह रहे है। मै यही कहना चाहता हू कि गवर्नर साहब ने अपने ऐड्रैस मे जो चुनाव के बारे मे कहा है यह बात उनको नही कहनी चाहिए थी। यह उनके परव्यू से बाहर की बात है कि बडा मासिव मैडेट मिला है वे कौमन पार्टी मैने नही है बल्कि वे गवर्नर है। उनको इस बातो मे इडज्ल नही होना चाहिए था। मेरे पास 19.1.985 का नवभारत टाइम्ज अखबार है जो भजन लाल जी के विज्ञापनो से चलता है उसके पाचवे सफे पर लिखा है करोडपति बनना है तो आसान नुखसा मुख्यमत्री के दामाद बनो। क्या यह भी मेरा अखबार है ? स्पीकर साहब, मै निवेदन करना चाहता हूं कि भजन लाल जी ने हरियाणा मे इडस्ट्री का ऐस भटठा बिठाया है जिस पर ट्रिब्यून का सर्वे आया है । मेरा ख्याल है वह सब ने पढ लिया है स्पीकर

साहब, रोहतक के साथ इनको इतनी दु ामनी है कि पूछो मत। वहा पर एक महर्शि दयानन्द यूनिवर्सिटी बना रखी है अब उसका नहाम इन्दिरा गांधी के नाम से बदलने जा रहे हैं एक बात और कहना चाहता हू कि वहा उम्मीदवार ने वाइस चांसलर होते हुए चुनाव के लिए अपने आफिस का मिस यूज किया। उन्होने अपने सार आफिस को चुनाव कार्यक्रम मे कनवर्ट कर दिया था। अब ये उसको ऐजुके ान कमि ान का चैयरमैन बनाने जा रहे है। कितनी अन कास्टीच्यू ानल बात करने जा रहे है ? गवर्नर साहब को पता होना चाहिए कि उनकी जुरिसडिक ान मे यह बता नही है। उन्होने जो बाते तो गलत कही गई और कुछ बाते वे कहना छोड गए। इन भाब्दो के साथ मै चाहता हू कि यह धन्यवाद प्रस्ताव पास नही होना चाहिए।

सेठ राम दास धमीजा (अम्बाला छावनी): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के राज्यपालने जो 6.3.1985 को ऐड्रैस पढा मै उसका समर्थन करता हू। 1984 के आखिरी महीनो मे श्रीमती इन्दिरा गांधी इस दे ा की प्रधान मंत्री थी । उनका जिस तरीके से कत्ल हुआ उससे हिन्दुस्तान ही नही बल्कि दुनिया के कई मुल्क तिलमिला उठे। उससे दे ा का इतना भारी नुक ाान हुआ जो पूरा होना मु कल है। वे गरीबो की मसीहा थी। उनके नाम दुनिया के बेहतरीन नेताओ मे भाामिल होता है। जो काम उन्होने अपने प्रधान मंत्री काल मे किए वे रो ानी के मीनार है। बीस प्वायंट प्रोग्रोम उनकी देने है जो दे ा के लिए ऐसी चीज है

जिसका कोई जवाब नही है। बीस प्वायट प्रोग्राम सही मायनो मे दे ा के लिए एक गनीमत है। उनके बाद जो हमारे नए युवा प्रधान मंत्री आए उन्होने आते ही बहुत अच्छे प्रोग्रोम रखे। पहला प्राग्रोम दल बदल विरोधी बिल है जिसकी बडी मुददत से ये भाई मांग कर रहे थे। जब हमने वह बिल पास कर दिया तो उसकी भी अब इनको तकलीफ है। इस बिल के पास होने की वजह से आप लोगो अपनी जगह पर टिके रहोगे और इधर उधर नही भागोगे। हमारे पडौसी प्रदे ा मे जो कुछ भी हुआ उसका असन पडना हरियाणा मे भी जरूरी थी। क्योकि अगर बराबर के घर मे आग लग जाए जो साथ वाले घर को सकट तो पहुचाता ही है लेकिन हमारी सरकार ने ऐसे इतजाम किए कि जितनी जल्दी से जल्दी उन पर काबू पाया जा सकता था, काबू पाया तथा प्रदे ाो मे अमन भाान्ति रखी । जहा तक हरियाणा के हितो का सवाल है पहली भी इस सरकार के हाथो मे हरियाणा के हित सुरक्षित थे और आगे के लिए भी सुरक्षित रहेगें। आप लोग जितना मरजी चीखते चिल्लाते रहे लेकिन हरियाणा के हितो के विरूद्ध हमारी सरकार कुछ भी करने वाली नही है। यह जो भी करेगी वह हरियाणा के हित मे करेगी। भाखडा नहर दो बार टूटी और दोनो बार प्रान्त मे सूखा पडा। चाहे सिरसा जिला था चाहे जीन्द जिला था वहा पीने के पानी की कमी आई तथा आबपा ी के लिए भी पानी की कमी आई। लेकिन सरकार ने वहा पर सैकडो की तादाद मे नलकूप लगाए और उन इलाको को कहत के खतरे से बचाया। उस काम पर सरकार ने 11 करोड 9 लाख रूपये खर्च किए।

इसलिए सरकार का यह काम भी सराहना के काबिल है जब दो बार भाखडा नहर टूटी तक भी सरकार ने थोडे से थोडे वक्त मे उनकी मुरम्मत करवाने का प्रबन्ध किया। वहा मौके पर हमारे चीफ मिनिस्टर भी गए और डिप्टी चीफ मिनिस्टर भी गए।

श्री राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, इन्होने जो कहा है कि डिप्टी चीफ मिनिस्टर सदन की जानकारी मे तो डिप्टी चीफ मिनिस्टर कोई है नही। इन्होने काग्रेस पार्टी मे कोई अलग से व्यवस्था कर रखी हो तो अगल बात है। (ाोर)

सेठ राम दास धमीजा (अम्बाला छावनी): मेरा मतलब यह था कि चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला भी वहा गए और चीफ मिनिस्टर साहब भी गए। इनके अलावा हमारे इजीनियर्ज भी गए। इन्होने मौके के मुताबिक देख कर मुरम्मत का इतजाम किया। हमारा प्रदे ा कृशि प्रधान है और किसानो की बेहतरी के लिए सरकार ने बहुत से साधान जुटाए है। 1984.85 मे जबकि छठी पंच वर्शीय योजना खत्म हो रही है। इस अभिभाशण मे 7वी पंचवर्शीय योजना का जिक्र भी किया गया है। **(13.00)** राज्यपाल महोदय के अभिभाशण के पेज 5 पर यह लिख है कि छठी पचंवर्शीय योजना मे 18000 करोड रूपया के परिव्यय के मुकाबिले के कुल वास्तविक खर्च 1603.77 करोड रूपए होने की सभावना है। सातवी पचंवर्शीय योजना मे 3200 करोड रूपये के परिव्यय का प्रस्ताव किया गया है। इसी तरह से 20 सुत्रो कार्यक्रम के बारे मे

कहा गया है यह 20 सुत्रो कार्यक्रम गरीब लोगो के लिए बहुत ही फायदेमन्द है ।

श्री मनफूल सिहः स्पीकर साहब, मेरा प्वायट आफ आर्डर है मै माननीय सदस्य से यह जानना चाहता हू कि वे 20 सुत्रो मे से केवल 10 सुत्र ही बता द कि वे क्या है।

श्री अध्यक्षः यह कोई प्वायट आफ आर्डर नही है।

सेठ राम दास धमीजा (अम्बाला छावनी): आप मेरे कमरे मे आ जाए मै आपको 20 सुत्र की बजाय 21 बता दूगा। अध्यक्ष महोदय, खेती की तरक्की के लिए मध्यम सिचाई स्कीमो पर 117 करोड रूपए का योजना परिंव्यय प्रास्ताविक है। इनके मुकम्मल हो जान पर 2.85 लाख हैक्टेयर जमीन की अतिरिकत सिचाई होनी की सम्भावना है। सूखे सम्भावी क्षेत्रो ओर मरू क्षेत्रो के विकास के लिए वि ोश ध्यान दिया जा रहा है। इस प्रयोजना के लिए सरकार ने 4.89 करोड रूपए के परिव्यय का उपबन्ध किया है। यह सरकार गरीब ग्रामीणो छोटे तथा सीमांत किसानो, खेतीहर, मजदूरो, देहातो कारीगरो, ि ाल्पकारो, तथा अनुसूचित जातियो की आर्थिक स्थितियों सुधारने के प्रति सजग है। उनकी आर्थिक द ाा सुधारने के लिये सरकार ने 11.98 करोड रूपए के परिव्यय का उपबन्ध किया है।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायट आफ आर्डर है। इस अभिभाशण को गवर्नर महोदय अच्छी तरह से पढ

कर गए है। अब इस अभिभाशण पर बहस चल रही है। इसको बार बार पढने की क्या आव यकता है ?

सेठ राम दास धमीजा (अम्बाला छावनी): स्पीकर साहब, मै अर्ज कर रहा था कि सरकार ने गरीबो और मजदूरो की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए 11.98 करोड रूपए का उपबन्ध किया है चालू वर्श मे इस योजना के अधीन अनुसूचित जातियो के 27900 परिवारो सहित 55800 परिवारो की सहायता की जारही है। इसी तरह से गरीबो और मजदूरो की सहायता के लिए मेवात विकास बोर्ड ने अनेक योजनाये बनाई है। जिसके लिये 15.1 करोड रूपए का परिव्यय प्रास्तवित है जिनमे से हर साल 2.5 करोड रूपए खर्च किए जाऐगे।

श्री अध्यक्ष: धमीजा साहब, अब आप वाइउ अप करे।

सेठ राम दास धमीजा (अम्बाला छावनी): स्पीकर साहब, अभी मुझे बोलते हुए केवल पाच मिनट हुए है मै पांच मिनट का टाईम और लूगा। इसी रतह से छठी पंचवर्शीय योजना के दौनान भााहबाद, पलवल और जीन मे तीन भूगर मिले स्थापित की गई है अगरले साल हरियाणा मे तीन और भूगर मिले लगने जा रही है। इसके अलावा मै ने ानल फारेस्ट पालिसी के बारे मे कहना चाहूगा । इस पालिसी के अनुसार भौगोलिक क्षेत्र के 20 परसैन्ट मे दरखत होने चाहिए लेकिन हरियाणा मे चार परसैन्ट जमीन पर ही दरखत लगे है लेकिन अगले साल मे 10 करोड दरखत लगाने का

सरकार का विचार है। इसी तरह से यदि हर साल 10 करोड दरखत लगेगे तो हरियाणा दे ा मे अव्वल नम्बर पर होगा। हरियाणा मे अम्बाला नहर एक पर है क्योकि अम्बाला मे 17 परसैन्ट जमीन पर दरखत है बाकी जिलो मे इससे कम दरख्त लगे है। राज्य मे एक रेलवे कोच फैक्टरी की स्थापना केलिए राज्य सरकार ने भारत सरकार को एक प्रस्ताव भेजा है। इस बारे मे मै अपनी सरकार से निवेदन करूगा कि यह फैक्टरी अम्बाला कैन्ट मे खोली जाए। अम्बाला कैन्ट रेलवे की दृश्टि से एक ऐसी जगह है जो फिरोजपुर मे मुरादाबाद तक जुडा हुआ है। यदि यहा पर कोच फैक्टरी लग जाएगी तो अम्बाला जिले के लोगो को रोजगार मिलेगा और अम्बाला जिले के लोगो को भारत सरकार से भी कुछ हिस्सा मिलेगा। इसके अलावा मै यह भी कहना चाहूगा कि भारत इलैक्ट्रानिक्स लिमिटेड पचकूला मे 21 करोड रूपए की लागत की एक दूर सचार परियोजना स्थापित कर रही है। और करनाल के गिर्द 1300 करोड रूपयो की लागत से एक तेल भाोधक कारखाना स्थापित हो रहा है। इनके स्थापित होने के बाद ि ाक्षित बेरोजगार लोगो को रोजगार मिलेगा। इसके अलावा मै ि ाक्षा के बारे मे कहना चाहूगा। हरियाणा सरकार की ि ाक्षा की पालिसी काबिले तारीफ है। पहले जो ि ाक्षा की पालिसी थी उसमे धार्मिक ि ाक्षा का पीरियड नही होता था लेकिन अब धार्मिक ि ाक्षा का एक पीरियड भी है जिससे बच्चो का नै ानल करैक्टर उचा होगा। हमारे प्रधान मंत्री जी ने कहा है कि मै सबसे पहले ि ाक्षा को तवज्जो दूंगा। इससे बच्चो का नै ानल करैक्टर उचा होगा। इसके

अलावा स्त्रियो के लिए उच्चरत ि ाक्षा पर वि ोश ध्यान दिया जा रहा है। इस बारे मे मै एक बात जरूर कहना चाहूगा। हमारे अम्बाला मे एक लडकियों के कालेज की काफी जरूरत है वहा पर कोई लडकियो का कालेज नही है। इसके अलावा मै एक बात और कहना चाहता हूं अगले वर्श के दौराने भाहरी इलाको मे पानी की सप्लाई तथा मल निकास योजानाओ के लिए 3.98 करोड रूपये की रा ि ा रखी गई है। यह बात ठीक है कि भाहरो के विकास का भी ज्यादातर ध्यान रखा जाना चाहिए। इसके अलावा इस अभिभाशण मे सडको के बारे मे भी कहा गया है इस वर्श के अन्त तक राज्य के 98 प्रति ातो गावो को पक्की सडको से जोड दिया जाएगा। मै यह भी कहना चाहूगा कि भाहरो की सडको की हालत भी ठीक नही इसलिये भाहरी लोगो की सहुलियतो की तरफ भी ध्यान दिया जाना चाहिए। भाहरो के अन्दर जो सडके टूटी हुई है उनको भी ठीक करवाया जाना चाहिए ताकि भाहरी लोग भी उन सडको पर चलते हुए सुख की सांस महसूस कर सके। इसके अलावा इस अभिभाशण मे यही भी बताया गया है कि सरकार स्त्रियो, बच्चो, विकलागो, निर्धनो, आदि के कल्याण कार्यक्रमो पर बल देती आ रही है। इस कार्य के लिए सातवी पचवर्शीय योजना मे 34.73 करोड रूपए का योजना आबटन होगा जिसमे से 5.66 करोड रूपए 1985–86 की वार्शिक योजना के लिए होगे। यह बहुत ही अच्छी बात है। उनका भी कल्याण होना चाहिए। इस अभिभाशण के हमारे राज्यपाल महोदय ने हरियाणा सरकार की पालिसी के बारे मे विस्तार से बताया है स्पीकर साहब, अपोजी ान

का काम तो अपोजी ान बराय अपोजी ान है हमारा काम तो सही बात को सही कहना है और गलत बात को गलत कहना है। इनके पास नुक्ताचीनी के अलावा कोई प्रोग्रोम नही है। हमारे पास तेा प्रोग्रोम है मै इनको प्रोगोम भी बता देता लेकिन इनम सुनने की हिम्मत नही है। स्पीकर साहब, अभी मेरे अपोजी ान के भाईयो का लोक सभा के चुनावो मे हार का जख्म ठण्डा नही हुआ था ऊपर से हरियाणा मे विधान सभा के तीन उप चुनाव भी हो गए इनकी करारी हार हुई और इनका जख्म फिर हरा हो गया। इन भाब्दो के साथ मै राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर धन्यवाद के प्रस्ताव का समर्थन करते हुंए अपना स्थान लेता हू।

प्रो0 सम्पत सिहः स्पीकर साहब, 6 तारीख को जो अभिभाशण गवर्नर महोदय ने पढा है मै उसका विरोध करने के लिए खडा हुआ हू। स्पीकर साहब, मै एक बात स्पश्ट रूप से आपकी मार्फत सरकार ने कहना चाहता हू । 31 इस्तीफे परसों से पहले आर चुके थे और 32 वा इस्तीफा कल आया था जब चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी बोल रहे थे। 33 वा इस्तीफा उस वक्त आया जब डा0 मंगल सैन जी बोल रहे थे मुख्यमंत्री जी ने 33 वे इस्तीफे का जिकर किया था। मै अपना खुद का इस्तीफा आपकी मेज पर रखवा देता हू और उधर मे मुख्यमंत्री जी रखा दे और जुडि ियल कमि ान से और सुप्रीम कोर्ट के जज की इन्कवायरी करवा ले, सिर्फ उन्ही बातो की इन्कवायरी करवाए जो आज मै हाउस मे कहूगा। स्पीकर साहब जो बात मै कहूगा वह फैक्टस के

साथ ही कहूगा। यदि सुप्रीम कोर्ट के जजसे इन्कवायरी करवाने के बाद मेरी कही हुई बातो गलत साबित हो जाएं तो मेरा इस्तीफा पहले ही आपके पास पडा होगा और इधर से मुख्यमंत्री का भी होगा। स्पीकर साहब, इस इन्कवायरी के दौरान जिसकी बाते झूठी होगी उसका इस्तीफा आप मन्जूर कर ले। मै और ज्यादा जिकर न करते हुए सबसे पहले उस बात का जिकर करूगा जिससे दे ा को खतरा पैदा हो चुका है जब दे ा का नुकसान हो जाएगा लोगो की जाने चली जायेगी, दे ा की सुरक्ष से सम्बन्धित जो कागजात है अगर वह हमारी कमजोरी की वजह से निकल जाएगे तो उसके बाद हम लोग रोएगे और पछताएगे कि यह क्या हो गया। उसके बा फिर जासूसो को भी पकडते रहेगे। और फिर कश्ट लोगो को पकडते रहेगे तथा कहेगे कि यह अन सो ाल ऐलिमैन्ट और अन पैट्रियट लोग थे इसलिए खतरा हो गया। स्पीकर साहब, हिसार मे कन्टोनमैट है, मैकेनाइजड डिवीजन है। वह डिवीजन हिन्दुस्तान मे नम्बर वन पर है। वहा पर सिक्योरिटी का इतना जबरदस्त प्रबन्ध है कि मिल्ट्री के लोग अपने बच्चो तक को वहा पर नही रख सकते। स्पीकर साहब, पिछले दिनो वहा पर कुछ जमीन ऐक्वायर हुई थी यह जमीन 18.6.1984 को ऐक्वायर हुइ थी। और इसकी नोटिफिके ासन 18.6.1984 की है। न जाने उसमे किस आफिसर ने कैसे इन्कवायरी की थी जिससे उसको यह पता नही लगा कि इसमे जमीन किस किस की आई है इस जमीन को ऐक्वायर करते समय मुख्यमंत्री जी के दामाद की जमीन एक्वायर हो गई थी। इसके बाद इन्होने इन्फल्यूयन्स इस्तेमाल

करके उस जमीन को छूडाव लिया। 20.11.1984 को फिर दुबारा नोटिफिके ान इस जमीन की हुई। जब दुबारा नोटिफिके ान हुई तो उस समय इनके दामाद की जमीन को इस जमीन मे से निकाला पाया गया। स्पीकर साहब, मै सिक्योरिटी की बात कर रहा था। एक तरफ तो सारा कन्टोनमैन्ट का एरिया है दूसरी तरफ जी0टी0 रोड है तीसरी तरफ बाई पास है और चौथी तरफ कन्टोनमैट की जमीन है। जो जमीन छूडवाई गइ है वह अलग है और जो अन डयू लाखे करोडो रूपयो का दिया है वह अलग है लेकिन इससे दे ा को खतरा हो सकता है क्योकि उस इण्डस्ट्री मे से किसी लेबर को या किसी कर्मचारी को बाहर के विदे ाी लोग खरीद ले और हमारे दे ा का जो मैकेनाइज्ड डिवीजन है उसकी बाते अलग विदे ाो मे चली गई तो इस दे ा का क्या होगा और इस प्रदे ा का क्या होगा? बाद मे पछताने मे क्या फायदा होगा ? दूसरे यह कहते है कि इण्डीस्ट्रीज लगाना कोई बुरी बात नही है मै कब कहता हू कि बुरी बात है। वह अच्छी बात है दे ा मे इण्डीस्ट्रीज बढनी चाहिए लेकिन स्पीकर साहब, आज साढे तीन साल पहले मैने प्रधान मंत्री को 14 इण्डीस्ट्रीज का मैमोरेडम दिया था लेकिन आज मेरे हाथ मे 23 इण्डीस्ट्रीज का मैमोरेडम है। ये 23 इण्डीस्ट्रीज इनके दामाद ने रजिस्टर्ड करवाई है सवाल सिर्फ 23 इण्डीस्ट्रीज का नही है। सवाल है इररैगुलैटेरीज का। ये चाहे हजारो इण्डीस्ट्रीज लगा ले हमे कोई ऐतराज नही है अगर कोई नोजवान पजाब से हरियाणा मे आकर इण्डीस्ट्रीज लगाए तो हमे क्या ऐतराज है ? इण्डीस्ट्रीज लगाना

अच्छी बात है इससे हरियाणा का नाम उचा होगा लेकिन जो इण्डीस्ट्रीज हुई है वह मै आपको बताना चाहता हू। स्पीकर साहब, इसमे दे ा और अन्तराश्टीरय दोनेा तरह के मुददे आ जाते है इस बात का हरियाणा स्टेट से ही सम्बन्ध नही है। इसका असर दे ा और विदे ा दोनो पर पडता है। स्पीकर साहब, आपके ध्यान मे होगा कि पिछले दिनो राज सेठिया नाम से एक इण्डीस्ट्रीज इगलैण्ड मे थे, लेकिन वे रहने वाले हिन्दुस्तान के थे। इस व्यक्ति को लोन देने के सम्बन्ध मे पजाब नै ानल बैक, सन्टर्ल बैक आफ इण्डिया और बैक आफ बडौदा तीनो बैको के एस0डीज0 और चेयरमैनो को अपनी अपनी नौकरिया खोनी पडी। यह राज सेठिया की वजह से हुआ है। जिस कारण उन्हे अपनी नौकरी खोनी पडी। इन्होने क्या किया था। वह मै आपको बताना चाहूगा । इन्होने राज सठियो को 300 करोड रूपये का कर्जा इन बैको से दे दिया था यह कर्जा उसको विदाउट गारन्टी और बिदाउट सिक्योरिटी दिया गया था। कर्जा देते समय उसके असैस्टस नही देखें। लेकिन अब इस ने कोर्ट ने अपनी दिवालयिा करवा लिया है यानि अब 300 करोड रूपये का धन ही गोल हो गया है इसलिये इन लोगो को सजा दी गई और उनकी नौकरी से हटाना पडा। हरियाणा मे भी फाईनेि ायल कार्पोरे ान नें हरियाणा मे जो हमारे बैक है उन्होने भी सारे कानून तोड कर और इररेगुलरेटीज से फ्राड करके मुख्यमंत्री के दामाद को कर्जा दिया है। कर्जा देने के बाद मे फाइनेि ायल कार्पोरे ान ने जो उसको सबसिडी दी है उनका भी मै आपके सामने जिकर करना

चाहता हू। स्पीकर साहब, 5000 हजार से उपर यानि 5100 रूपये यदि कोई व्यकित भैस आदि खरीदने के लिए कर्जा बैक आदि से लतेा है तो उसको कोई न कोई चीज मीर्गेज करनी होती है सिर्फ 5 हजार रूपय तक बिना मीर्गेज नही की। लेकिन यहा पर क्या है ? यहा पर कोई प्रौपटी लेन देते समय मौर्गेज नही की। जो आदमी कर्जा लेता उसकी इन्कम टैक्स और वैल्थ टैक्स की रिटर्नज की भी वैरिफिके ान होती है लेकिन इस केस मे कोई वैरीफिके ान नही की गई। यह वैरिफिके ान इसलिए होती है कि जो कर्जा ले रहा है उसके मुकाबले मे क्या इसक पास असैस्टस है और क्या नही है क्या उसके पास कोई प्रोपर्टी है क्या वह इन्कम टैक्स देता रहा है। ओर क्या वैल्थ टैक्स देता रहा है। लेकिन इनके दामाद को कर्जा देते समय इन चीजो की परवाह नही की गई। सारे कानून की धज्जिया उडा दी गई। यहा तक कि पजाब नै ानल बैक के कर्मचारियो ने हडतालो तक की है उन्होने बगैर हिसाब किताब के लोन दिए जाने के कारण ऐजिटे ान किया। स्पीकर साहब, मै हाउस को बताना चाहूगा कि 19–2–85 को पजाब नै ानल बैक की हिसार की लोकल यूनियन ने प्रोटैस्ट किया था और हंडताल की थी हडताल इसलिये की थी जिस तरह हाई औफि ियल लेाग यह कर्जा दिलवा रहे है उससे कल को हम मरेगे, कल को हम फसेगे, इस तरह विदाउट गारन्टी और विदाउट सिक्योरिटी जो लोन दिया जा रहा है उसमे हम फसेगे। स्पीकर साहब, कल ये कह रहे थे और अखबार मे मेरे नाम से

ब्यान दिया था कि सम्पत सिह के पास और उसके बाप के पास जुता और साईकिली तक नही थी।

श्री अध्यक्षः प्रो0 साहब, आप जितनी भी बाते हाईलाइट कर रहे है जैसे कि फाइनैि ायल कापोर्रे ान या पजाब नै ानल बैक या दूसरे बैको ने कर्जा दिया, इस बारे मे मै आपको बताना चाहूगा कि ये जितनी भी इन्स्टीच्यू ान्ज है ये सब की सब इडीपैन्डैन्ट है। इनकी अपनी अथोरीटीज है। जब तक वह पैसा रिकमैड नही करती तक तक कोई भी कापोर्रे ान या इण्डीस्ट्रीज उनसे कर्जा नही ले सकती। दूसरी बात पजाब नै ानल बैक की है । पजाब नै ानल बैक के उपर किसी चीफ मिनिस्टर या किसी स्टेट का कोई कन्ट्रोल नही है। आप उतना ही कहो जितना जायज हो ताकि लोग समझ भी सके।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीरक साहब, मै बताऊगा कि कैसे इन्होने इन पर कन्ट्रोल किया है। इस बारे मे मै पूरी बाते आपको बताऊगा । स्पीकर साहब, 18 दिस्मबर 1984 से चल कर 31 जनवरी 1985 तक इस कम्पनी के एकाउटस बकायदा डैड थे। इनके चैक बाकायदा रिर्टन हो रहे थे और उनको वापिस किया जा रहा था कि आज इनके खाते मे कोई पैसा नही है स्पीकर साहब, जहा तक बैको का सवाल है उस बारे मे भी मै बताना चाहता हू। इन्होने न्यू बैक आफ इण्डिया से भी बहुत लोन लिया हुआ है मै उस बैक मे काम करने वाले का नाम नही लूगा। सिर्फ मैनेजर ही कहूगा। वह पहले हिसार न्यू बैक आफ इण्डिया मे

मैनेजर थे । इन्होने उनको फरीदाबाद मे 19 सैक्टर के अन्दर 1255 नम्बर प्लाट हुडडा का दिया है। इसी प्रकार से इन्होने एक डी0जी0एम0 जो पहले हरियाणा मे थे और आजकल डी0जी0एम0 दिल्मी मे है। को भी उनकी फैमिलो केनाम से हुडा के प्लाट पचकूला और सोनीपत मे दिए है। वे भी न्यू बैक आफ इण्डिया मे थे।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, ये इतने वेग ऐलीगे ान्ज लगा रहे है जिनका कोइ सिर पैर नही है। ये जितनी भी बाते कर रहे है वे सब बे बुनियादी है। स्पीकर साहब, हुडा का प्लाट चौधरी चरण सिंह ने भी ले रखा है। इनके पासवे बुनियादी बाते कहने के अलावा ओर कोई बाते कहने के लिए नही रह गई है। अगर इन लोगो मे थोडी सी भी जमीर हो तो इनको यहा पर बैठने का अधिकार नही है। अब जो चुनाव हुए है उनमे ये कही से भी जीत कर नही आए है। इनका हल्का मेरे हल्के के साथ लगाता है अभी पार्लियामैट के चुनाव मे ये अपने हल्के मे 15 हजार वोटो से हारे है। इनको पता है कि इन्होने इस बार चुन कर आना नही है मै इनको अच्छी तरह से जानता हू स्पीकर साहब, मैने इनको बार बार चैलैज किया है और अब भी चैलैज करता हूं। और फिर दुबारा चैलज करता हू कि यदि मेरे दामाद ने कही भी एक पैसे की भी कोई गडबड की हो तो मै इस्तीफा दे दूगा। बैक से कर्जा लेना कोई गुनाह नही है । बैक से कर्जा लेकन तो कोई आदमी काम करेगा ही । कोई बैक भजन लाल के अन्डर नही है। मुझे

अपने दामाद पर फ्रख है कि यदि उनके खिलाफ एक पाई भी गलत ढग से ली गई ये साबित कर दे तो मै इस्तीफा दे दूंगा। मै इकनो फिर कहता हू कि ऐसी वे मतलब की बाते ठीक नही है। ये कहते है कि फला फला लोगो को प्लाट दे दिये। चाहे कोई आफिसर है चाहे कोई सियासी आदमी है और चाहे कोई हाई कार्ट का जज है, सब को हुडा के प्लाट ले रखा है। अध्यक्ष महोदय, आप अन्दाजा लगाए । हरि आदमी पैसे से प्लाट लेता है। प्लाट देते समय कोई रियायत नही की जाती। इनको बे बुनियादी बाते कहना भाोभा नही देता। इसलिये मै इनसे कहना चाहता हू कि ये बराये मेहरबानी गवर्नन एड्रैस पर बोले कोई बात कहनती हो तो किसी ठोस सबूत के साथ ही कही। इनका यह कहना कि बैक के कर्मचारियों ने हडताल का दी, उसका इस गवर्नर ऐड्रैस से क्या मतलब है? बैक के कर्मचारी हडताल अपनी मागो को लेकर हमे ाा करते रहते है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, कल की गर्मागर्मी के बारे मे आप ने आज सुबह रूलिग दी थी और आज सुबह फिर मुख्यमंत्री जी की टोन मे श्रौट है। इन्होने कहा है कि मै जानता हू कि इसका इलाज कैसे किया जाता है।

Mr. Speaker: You Should not take it in that sense.

श्री वीरेन्द्र सिंहः एक बात मै आपके नोटिस मे लाना चाहता था। सैकन्डली, मै कहना चाहता हू कि एक मुख्यमंत्री जी को इन बातो का जवाब देने का हक है लेकिन इस स्टेज पर नही,

ये आखिर मे खडे हो कर जवाब दे सकते है बीच मे नही । इस वक्त ये क्यों इतने इम्पे ाेट हो रहे है ? क्यो नही तसल्ली से इनकी बात सुन रहे ? अगर कोई बात बुरी है तो आनरेबल मैम्बर ने अपनी स्पीच भाुरू करने से पहले बाकायदा तौर पर कहा है कि मै स्पैसिफिक बाते बोलूगां फैक्टस दूगा और इसके साथ ही साथ अपन इस्तीफा मेज पर रखता हू। अगर कोई फैक्ट गलत हो तो मेरा इस्तीफा मजूर किया जाए। (ाोर एवम व्यवधान) स्पीकर साहब, जिस तरह से ये बात कर रहे है यह कोई तरीका नही है।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मै आपकी रूलिग चाहूगा इस मामले मे क्याकि यह एक ओकेजन क्रिएट हो गया है जो आपके लिए भी और हाउस के लिए भी बडा इम्पोर्टमैंट है। स्पीकर साहब, जनता के लिए पब्लिक लाईफ अदव बोर्ड है इस मे दो राय नही है ...

श्री अध्यक्षः ये लफज रिकार्ड न किए जाए। डा0 साहब आप एक तरफ तो एक बात की क्लैरिफाई करवाना चाहते है और दूसरी रतफ ऐलीगे ान लगा रहे है।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मुझे अपनी बात समझाने मे दिक्कत आती है।

श्री अध्यक्षः दिक्कत कोई नही आती। (व्यवधान)

Shri Mangal Sein: Sir, my difficulty to this extent is that i am not so quick.

Mr. Speaker: You are very quick. You are vert inteligent.

Shri Mangal Sein: Very kind of you Sir for these remarks.

स्पीकर साहब, हाउस मे डैफिनिट एड स्पैसिफिक ऐलीगे ान लगे है There fore, I may be allowed to explaing my point Sir. The Chief Minister has accepted teh challenge. इसके इलावा गवर्नर ऐड्रैस पर बोलते हुए भी कुरप ान के बारे मे कहा गया और ये बार बार कह रहे है कि मेरा इस्तीफा ले लो और ये भी इस्तीफा देने के लिए तैयार है। जब दोनो तरफ से ऐसा है तो इस मे बुरी बात क्या है?

श्री अध्यक्षः जो तमा ाा आप देखना चाहते है, वह मै करवाना नही चाहता। आप बैठ जाइए।

श्री मगल सैनः स्पीकर साहब, जब स्पैसिफिक ऐलीगे ान लगे हो तो ऐसे हालात मे इन्कवायरी होने चाहिए या नही होना चाहिए, इस पर आप रूलिग दीजिए।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, यह बात कल तय हो गई थी कि जब कोई मैम्बर बोल रहा हो तो मुख्यमत्री जी नही बोलेगे, बाद मे बोलेगे। बीच मे मैम्बर साहिबान को क्यो इन्ट्रप्ट कर रहे है ? वे तो स्पैसिफिक बात कर रहे थे। क्या मुख्य मंत्री जी बताएगे कि पहले आपके रि तेदार के पास कितनी इडस्ट्री थी। (व्यवधान)

चौधरी भजन लालः यह मै आपको बाद मे बताऊगा । (व्यवधान)

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मुख्यमंत्री जी कहते सब कुछ कह गए और थ्रैट भी कर गए कि मैने इनका इन्तजाम कर लिया है। स्पीकर साहब, इन्होने बाकायदा इन्तजाम किया था। 5 तारीख को जो चुनाव हुए थे। मै इनका जिकर नही करना चाहता क्योकि मेरे साथियो मे इसका जिकर बहुत कर दिया। अपनी जुबान से अपना ही जिकर करना अच्छा नही लगता। लेकिन मुझे मजबूर होकर कहना पड रहा है कि इन्होने मेरा बन्दोबस्त कैसे किया था स्पीकर साहब, बूथ न0 98 पर मै पोलिग एजेट था। और बूथ न0 102 पर बहन चन्द्रावती पोलिग एजेट थी। ये बूथ एाक ही बिल्डिग के अन्दर थे जो पचायती धर्म ाला की बिल्डिग थीं। अब अगर हम दोबारा कहेगे तेा इनको फिर दोबारा गुस्सा आयेगा, अगर फिर कहेगे तो फिर गुस्सा होकर उठेगे और फिर कहेगे कि मैने बन्दोबस्त कर दिया है।स्पीकर साहब 5 तारीख वाले दिन खुद मुख्यमंत्री जी के भाई भतीजे और उनके साथ दूसरे काग्रेस पार्टी के लोग बूथ बाउडरी मे ऐन्टर हुए।

श्री अध्यक्षः ये लफज रिकार्ड न किए जाएं।

प्रो0 सम्पत सिहः काग्रेस पार्टी के असामाजिक तत्व जो मुख्यमत्री के भाई के साथ थे, बूथ बाउडरी मे दाखिल हुए। बाउडरी मे दाखिल होने के बाद चारो तरफ पुलिस खडी हो गई

और किसी भी वोटर को अन्दर नही आने दिया जा रहा था। ये लोग खूद मेरे बूथ मे गए और खुद मुख्यमंत्री जी के भाई ने मेरी कमीज के बीच के बटन पर रिवाल्र रख कर कहा कि तुम बहुत बोल रहे हो। आज देखूगा, अकेले मे टकरे हो। इस किस्म बन्दोबस्त ये करते है। कोई बात नही जिन्दगी और मौत इनके हाथ मे नही । अगर इनके ही हाथ मे ये सारी चीज हो तो इतनी सुरक्षा होते हुए भी इतना कुछ न होता। भगवान न जाने किस को किस वक्त उठा ले। बहुत कछ हो गया इस वक्त मै उसका नाम नही लेना चाहता और न ही उस बात का जिकर करना चाहता हू लेकिन इस बात का किसी को पता नही कि जब ये कदम बाहर रखेगे, न जाने कौन हम से कल उठ जाए और किस के लिए क्या कुछ करना पड जाए। यह इनके हाथ मे नही है। इसलिए ऐसी बाते नही होनी चाहिए। राजनीती मे अगर ऐसी चीजे होती हे तो बडी गलत परम्परा पडती है स्पीकर साहब, मै सबसीडी और लोन का जिकर आपके सामने कर रहा था। भाुरू भाुरू मे कुछ लोन लेकर, 92 कैनाल जमीन के उपर यह इण्डस्ट्री लगती है 92 कैनाल पर भानु इण्डस्ट्री प्राईवेट लिमिटिड लगी है और खुद के लिए इसके लिए 30 लाख रूपया लोन लेते है। स्पीकर साहब, जो प्राईवेट लिमिटिडज होते है उन मे भोयर होल्डर्ज होते है। जब यह इण्डस्ट्री लगी, इसके साल के बाद इसी जमीन के एक पो र्ान मे भानू स्टील इण्डस्ट्री के नाम से और एक इण्डस्ट्री बना कर दोबारा उसी जमीन पर ये लोन लेते है और तीसरे बार 1985 मे 40 हजार सुकेयर फीट जमीन इस जमीन मे से निकाल कर दोबार

फिट सरस्वती इण्डस्ट्री के नाम से लेान लेते है। कहने का मतलब यह है कि जमीन एक ही है लेकिन लोन बार बार उसी जमीन पर लिया जा रहा है स्पीकर साहब, मे इन्टरनै ानल लिंक की बात आपके सामने रखना चाहते हू। इस के बारे मे मै मुख्यमंत्री जी से निवेदन करना चाहता हू कि हो सकता है यह बात आपके हक मे हो और हो सकता है इससे कल आपको नुकसान हो जाएं। इसी इण्डस्ट्री कसर्न ने 31.1.1984 को इम्पोर्ट लाइसैन्स लिया। रेडायन लिमिटिड नाम की एक कम्पनी है जो इग्लैण्ड मे वर्क कर रही है। इस कम्पनी ने इम्पोर्ट लाइसैन्स लेकर, रेडायन लिमिटिड कम्पनी से 630303.40 रूपये की फरनेस खरीद ली है। स्पीकर साहब, बिल्डिग 630303.40 रूपए की है और इस फरनेस की कैपसिटी 5 टन की कैपसिटी की जो फरनेस है फरनेस थी। स्पीकर साहब, हिन्दुस्तान मे बनी हुई 5 टन की है यह फारेन मेड इम्पोटिड फरनेस थी। स्पीकर साहब, साहब हिन्दुस्तान मे बनी हुई 5 टन की कैपसिटी की जो फरनेस है वह ई0सी0जी0 कम्पनी की बनी हुई है जो 65 लाख रूपया की आती है। इस रेडायन कम्पनी के साथ लगती है 500 यार्ड की एक दूसरी कम्पनी है जो डेढ टन कैपेसिटी की फरनेस सिर्फ 10 लाख की लाये है इसका मतलब यह हुआ कि रेडायन कम्पनी की जो फरनेस है वह 1 करोड से कम की नही हो सकती । ये क्या लाये है? इस मे क्या खास चीजे है ? इसी के अन्दर सारी गडबड है । अगर इसकी इन्कवायरी करवाई जाए तो हा सकता है इस मे इटरनै ानल लिक्स हो, क्योकि 1 करोड रूपए की फारेन मुद्रा कौन देगा इनको ? एक करोड रूपये

का काला धन इनको कोन देगा ? 6 लाख की बिलिंग है और एक करोड की चीज है। कौन देगा इनको इतनी विदे ाी मुद्रा? इस तरह से यह एक बहुत बडा फ्राड रचा गया है। दूसरी कम्पनी खुद 10 लाख रूपये की फारनेस लाती है।

श्री अध्यक्षः अब आप वाइन्स अप कीजिए। आपको बोलते हुए काफी समय हो गया है।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, अभी तो मुझे बहुत कुछ कहना है।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः आन ए प्वायट आफ आर्डर सर। स्पीकर साहब, एक मैम्बर ने एक तरीका बना लिया है कि वे कहेगे कि फ्राड हो रहा है गबन हो रहा है, इस मे बडा जुल्म हो बडी ज्यादती है और बीच मे बतायेगे यह कि एक ने लोन ले लिया, दूसरे ने लोन ले लिया या कोई म ाीनरी इम्पोर्ट कर ली। एक तो इन्होने ये वर्डज इस्तेमाल करने है। दूसरे पूरी टोन और कटैन् ान से ऐसा ऐटमोसफियर क्रिएट करना चाहते है जिसके तरह यह कहना चाहते कि बहुत ज्याद गलत बाते हो रही है बहुत ज्यादती हो रही है स्पीकर साहब, मै आपी रूलिग चाहूगा कि क्या किसी मैम्बर को हाउस मे टोटली गलत बातो कहने की परमी ान है ? (व्यवधान) अब यह कह रहे कि इन्टरनै ानल लिक्स है।(व्यवधान) जो कुछ यह कर रहे है इसका बे सिज क्या है? जो कुछ ये कर रहे है सब गलत कर रहे है।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मैने बाकायदा बिलिग कोट की है, ई0जी0सी0 कम्पनी की प्राईस कोट की है। और हिन्दुस्तान मे उसी कम्पनी की एक दूसरी फरने से उन्ही दिनो आई। यह चीजे मैने कोट की है, इससे फालतू और क्या सबूत हो सकता है ? स्पीकर साहब, सबसिडी यह बात कर रहे थे, इस कम्पनी को 48 आवर्ज मे सबसिडी का केस तैयार होता है और 24 आवर्ज के अन्दर आते ही कहते है कि लो सबसिडी।

Mr. Speaker: Your time is over now.

अब हाउस कल प्रातः 9.30 बजे तक के लिए ऐडजर्न किया जाता है।

(13.30 बजे)

(तत्प चात् सदन बुधवार दिनांक 13–3–1985 को प्रात 9.30 बजे तक के लिए स्थगित हुआ।)